कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति-12

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने कहा- भारत-कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू-12

निहित स्वार्थों के लिए आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए-13

दूसरे टेस्ट में भी हालत पतली, बल्लेबाजों की गैर जिम्मेदारी से 201 पर सिमटा भारत-14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी 10:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 25 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 1, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

हाई रिस्क सूची में था आरिफ का कब्जा, कई बरातघर भी रडार पर

तीन विभागों की गोपनीय रिपोर्ट के बाद आरिफ के शॉपिंग कांप्लेक्स पर चला था बुलडोजर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने बीते शनिवार को जगतपुर स्थित आरिफ के अवैध बाजार को ध्वस्त कर दिया है। अचानक हुई कार्रवाई से हर कोई सकते में है, लेकिन इस कार्रवाई से पहले प्रशासन ने गोपनीय सर्वे किया था, जिसमें आरिफ का अवैध बाजार हाई रिस्क सूची में दर्ज किया गया। वहीं इस इलाके की हर गली नुक्कड़ पर बड़ी संख्या में बरातघर बने हुए हैं।

अधिकारियों ने आशंका जताई है कि इनके निर्माण में भी मानकों की अनदेखी की गई है। ये बरातघर भी बीडीए के रडार पर हैं। अधिकारियों के अनुसार, जगत पुर में जिस स्थान पर 16 दुकानें बनाकर आरिफ ने अवैध बाजार बसाया था, राजस्व विभाग और नगर निगम के अभिलेखों में ये भूमि सरकारी होने की पुष्टि हुई थी। वहीं अब तहसील, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम संयुक्त रूप से अन्य अवैध कब्जों के चिह्नीकरण को लेकर सर्वे शुरू करने जा रहे हैं।

वहीं बीडीए और नगर निगम ने शहर के आधा दर्जन से अधिक इलाकों में बने बरातघरों का सर्वे भी करने की योजना भी इसमें शामिल की है।

आरिफ का बरातघर। ● अमृत विचार

- बीडीए ने आरिफ की अवैध कब्जा कर बनीं 16 दुकानों को दो दिन पहले किया था ध्वस्त
- नगर निगम, बीडीए और तहसील अवैध कब्जों के चिह्नीकरण को लेकर शुरू करेंगे सर्वे

कब्जे बढ़ते गए, संकरी होती गई सड़क : नगर निगम से मिली रिपोर्ट के अनुसार, जगतपुर रोड की चौड़ाई 55 मीटर तय की गई थी।

प्रमुख मार्ग के मद्देनजर निगम से इसकी चौड़ाई निर्धारित की थी, लेकिन साल दर साल इस रोड पर अतिक्रमण बढ़ता गया।

इसके चलते सड़क संकरी होती चली गई। वर्तमान रिपोर्ट के अनुसार अब सड़क महज 18 से 22 मीटर बची है।

नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि पुराना शहर समेत अन्य इलाकों की सड़कों की पैमाइश आरंभ करने के आदेश दिए गए हैं।

इस पैमाइश में तहसील, लोक निर्माण विभाग समेत अन्य विभागों का भी सहयोग लिया जाएगा।

जोत से अधिक खाद लेते ही पकड़ जाएगा किसान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: डीएपी और यूरिया खाद की बिक्री में कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए पीओएस मशीन में नया वर्जन 3.3.1 अपडेट किया गया है। अब मशीन में अंगूठा लगाते ही गलत तरीके से यूरिया और डीएपी प्राप्त करने वाला किसान पकड़ में आ जाएगा। कृषि विभाग ने सभी थोक और फुटकर विक्रेताओं को मशीन में नया वर्जन अपडेट करने के सख्त निर्देश दिए हैं। मशीन में जियो-फेंसिंग व्यवस्था लागू की गई है। जिससे मशीन केवल उसी बिक्री केंद्र पर काम करेगी जिसके लिए वह निर्धारित है। मशीन ऑन करते ही संबंधित विक्रय केंद्र के अक्षांश और देशांतर (जियो कोऑर्डिनेट) स्वतः अपडेट हो जाएंगे। इन्हें पुष्टि कर ओके करना होगा। रात 8 बजे के बाद खाद की बिक्री प्रतिबंधित होगी और पोर्टल पर बिक्री का समय दर्ज होगा। अगर कोई विक्रेता नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मशीन अपडेट होने पर किसान की उसी माह और सीजन में लिए उर्वरक की जानकारी भी पीओएस मशीन पर दिखाई देगी। थोक और फुटकर विक्रेताओं को पीओएस मशीनों में नया वर्जन 3.3.1 अनिवार्य रूप से अपडेट करना होगा।

अपहरण का खुलासा सात आरोपी गिरफ्तार

मुरादाबाद, अमृत विचार : मझोला पुलिस ने अपहरण कर 10 लाख रुपये फिरौती की मांग करने वाले गैंग की दो महिला सदस्यों सहित सात आरोपियों को गागन नदी रोड मल्कदा तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अपहृत परवेज को सकुशल बरामद कर लिया। टीम ने सदस्यों से एक तमंचा 315 बोर, दो कारतूस, नौ मोबाइल फोन, एक टाटा सफारी और एक लक्जरी कार भी बरामद की है।

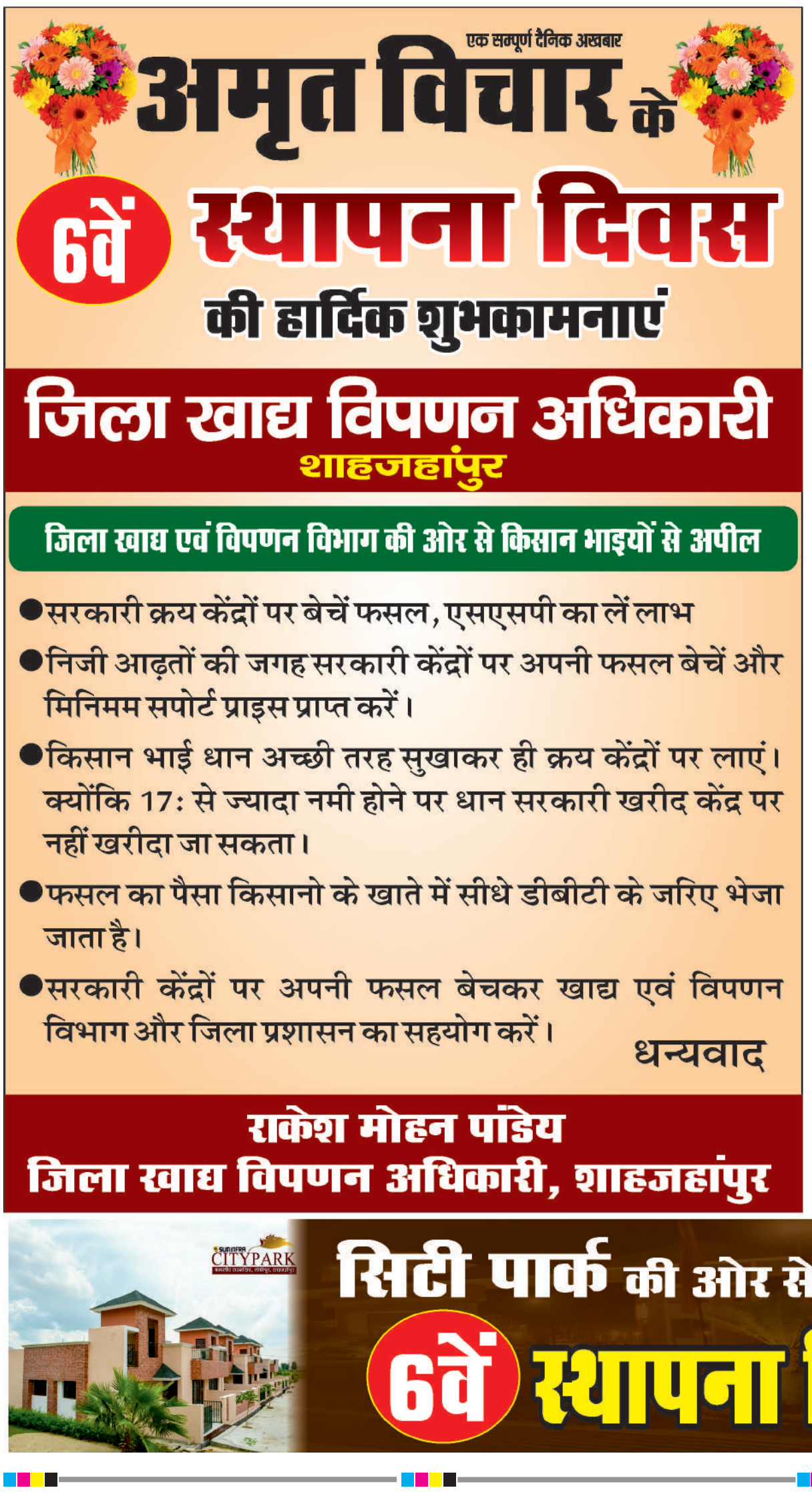

कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति-12

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने कहा- भारत-कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरु-12

निहित स्वार्थों के लिए आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए-13

दूसरे टेस्ट में भी हालत पतली, बल्लेबाजों की गैर जिम्मेदारी से 201 पर सिमटा भारत-14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ | बरेली | कानपुर | मुरादाबाद | अयोध्या | हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी 10:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 25 नवंबर 2025, वर्ष 7, अंक 1, पृष्ठ 16 | मूल्य 6 रुपये

अलविदा ही मैन..

धर्मेंद्र ने वर्ष 1958 में निर्माता-निर्देशक अर्जुन हिंगोरानी की फिल्म ''दिल भी तेरा हम भी तेरे'' से बतौर अभिनेता बॉलीवुड में एंट्री ली, इसके बाद करीब 65 साल तक फिल्मी दुनिया की अहम शख्सियत बने रहे। इस बीच उन्होंने 300 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया। 1966 में फिल्म फूल और पत्थर की सफलता ने उन्हें ही मैन की पहचान दी। इस फिल्म में दमदार अभिनय के कारण वह फिल्मफेयर के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार के लिए भी नामांकित किए गए। वर्ष 1997 में फिल्मफेयर के लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड से उन्हें सम्मानित किया गया। अपने शानदार व्यक्तित्व के कारण उन्हें बॉलीवुड का 'ग्रीक गॉड' उपनाम भी मिला। अमेरिका की प्रसिद्ध टाइम मैगजीन का विश्व के दस सुंदर व्यक्तियों में उन्हें प्रथम स्थान देकर उनके चित्र को मुखपृष्ठ पर प्रकाशित किया गया था।

बॉलीवुड के एक और सबसे चमकते सितारे का अवसान

धर्मेंद्र ने दुनिया छोड़ी... अब दिलों में रहेंगे

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड के एक और सबसे चमकदार सितारे का अवसान हो गया। ही मैन के नाम से मशहूर और सिने प्रेमियों के चहेते धर्मेंद्र का सोमवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने अपने आवास पर 89 की उम्र में अंतिम सांस ली। दोपहर के वक्त विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बड़े बेटे और अभिनेता सनी देओल ने उन्हें मुखाग्नि दी। बॉलीवुड की कई हस्तियां उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचीं।

धर्मेंद्र पिछले कुछ वक्त से बीमार थे और मुंबई के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। परिवार ने इस महीने की शुरुआत में घर पर ही उनका इलाज जारी रखने का निर्णय लिया था। वह आठ दिसंबर को 90 वर्ष के हो जाते, लेकिन सोमवार सुबह उनका निधन हो गया। उनका फिल्मी करियर 65 वर्षों का रहा। इस बीच उन्होंने करीब 300 फिल्मों में काम किया जिनमें सत्यकाम और शोले जैसी तमाम यादगार फिल्में भी शामिल हैं।

विले पार्ले में पवन हंस श्मशान भूमि में उनके अंतिम संस्कार के दौरान उनके प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। उनकी पत्नी और जानीमानी अभिनेत्री हेमा मालिनी, बेटी इशा देओल और परिवार के अन्य सदस्य भी श्मशान स्थल पर पहुंचे थे। उनके दोस्त महानायक अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म जगत की कई हस्तियां पहुंची। इनमें शबाना आजमी, गोविंदा, आमिर खान, अभिषेक बच्चन, सलमान खान, अक्षय कुमार, संजय दत्त,रणवीर सिंह ,दीपिका पादुकोण तथा जायद खान शामिल थे।

सुपर स्टार की दौड़ से दूर... पर किसी से कम नहीं

पंजाब में 1935 में जन्मे धर्मेंद्र का असली नाम धरम सिंह देओल था। अपने करियर में उन्होंने शोले, चुपके-चुपके, सत्यकाम, अनुपमा, सीता और गीता जैसी कई एक्शन, रोमांस और हास्य के साथ कई संजीदा फिल्में दीं जो सुपर हिट थीं। वह कभी भी सुपर स्टार की दौड़ में शामिल नहीं हुए लेकिन उनकी भूमिका को कभी कम भी नहीं आंका गया। धर्मेन्द्र करियर के शुरुआत में ड्रिलिंग फर्म में पार्ट-टाइम नौकरी करते थे, जहां उन्हें 200 रुपये मिलते थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि मुंबई में शुरुआती समय में उनके पास रहने के लिए कोई जगह नहीं थी। वह एक गैराज में सोते थे।

अभिनेता धर्मेंद्र जी भारतीय सिनेमा की एक महान हस्ती के रूप में वह ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जो कलाकारों की युवा पीढ़ी को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। - **द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति**

धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति। - **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

लोकप्रिय फिल्म अभिनेता श्री धर्मेंद्र जी का निधन अत्यंत दु:खद, कला और फिल्म जगत की अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति प्रदान करें। ॐ शांति! - **योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री**

दिल्ली में 50% कर्मचारियों के लिए बाध्यकारी वर्क फ्रॉम होम

वायु प्रदूषण: निजी और सरकारी दोनों कार्यालयों पर लागू होगा सरकार का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में वायु प्रदूषण से लगातार खराब होते हालात के बीच राज्य सरकार ने सभी सरकारी और निजी दफ्तरों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने का बाध्यकारी आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक बाकी 50 प्रतिशत कर्मचारी घरों से काम करेंगे। यह आदेश दिल्ली सरकार के सभी कार्यालयों और राजधानी में संचालित निजी संस्थानों पर लागू होगा। इससे पहले सरकार ने निजी कार्यालयों को 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने का सुझाव दिया था। यह पहला मौका है जब इस तरह की बाध्यता लागू की गई है।

दिल्ली सरकार ने चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के अनुसार सोमवार को सरकार के पर्यावरण विभाग की ओर से पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा पांच के तहत यह आदेश जारी किया गया है। दिल्ली में संचालित सभी निजी कार्यालय 50 प्रतिशत कर्मचारियों की उपस्थिति के साथ चलेंगे। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के नाम से जारी आदेश में कहा गया है कि शेष कर्मचारी अनिवार्य रूप से घर से काम करेंगे। कहा गया है कि निजी प्रतिष्ठान भी जहां भी संभव हो, अलग-अलग कार्य घंटों को लागू करेंगे। ऐसे प्रतिष्ठान घर से काम करने के मानदंडों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करेंगे और कार्यालय आवागमन से जुड़े वाहनों की आवाजाही को कम से कम करेंगे। पर्यावरण विभाग ने अपने आदेश में कहा, सभी प्रशासनिक सचिव और विभागाध्यक्ष नियमित रूप से कार्यालय आएंगे और 50 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी कार्यालय में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित नहीं होंगे। शेष कर्मचारी घर से काम करेंगे।

- अस्पताल, निजी स्वास्थ्य प्रतिष्ठान, अग्निशमन सेवाएं, सार्वजनिक परिवहन, जल एवं साफ-सफाई जैसी आवश्यक सेवाओं को प्रतिबंध से छूट दी गई है
- सरकार के निर्देश के मुताबिक जिलाधिकारी, पुलिस उपायुक्त और स्थानीय निकाय सुनिश्चित करें कि सभी निजी कार्यालय इस आदेश का पालन करें।
- पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा पांच या उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत जारी इन निर्देशों का उल्लंघन कानूनों के तहत दंडनीय होगा।

लगातार बिगड़ रहे हालात, ज्यादातर इलाकों में एक्यूआई 400 पार

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली की वायु गुणवत्ता सोमवार को भी 'गंभीर' श्रेणी के करीब रही। शहर का समग्र एक्यूआई 382 रहा, जबकि 15 निगरानी केंद्रों में सूचकांक 400 से ज्यादा रहा। सोमवार को 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 382 पर पहुंच गया, जो लगातार 11वें दिन 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा। पर्यावरण विभाग ने कहा कि चूंकि वाहन शहर के प्रदूषण स्तर में बड़े पैमाने पर योगदान करते हैं, इसलिए यह महसूस किया गया कि वाहनों की आवाजाही पर और अधिक अंकुश लगाने की आवश्यकता है।

बेटियों ने अब कबड्डी का वर्ल्ड कप जीता

ढाका। देश की बेटियां उपलब्धियों का अंबार लगा रही हैं। टी-20 क्रिकेट के दो वर्ल्ड कप जीतने के बाद सोमवार को देश की महिला टीम ने चीनी ताइपै को 35-28 से हराकर कबड्डी विश्वकप भी जीत लिया। यह उनका लगातार दूसरा विश्व कप है। भारत 11 देशों के टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहा। भारत ने सेमीफाइनल में ईरान को 33 .21 से हराया था। चीनी ताइपै ने बांग्लादेश को 25-18 से मात दी थी।

भारतीय महिला कबड्डी टीम को विश्व कप 2025 जीतकर देश को गौरवान्वित करने के लिए बधाई। उन्होंने जबर्दस्त कौशल, प्रतिबद्धता और दृढ़ता का प्रदर्शन किया। उनकी जीत से अनगिनत युवाओं को कबड्डी खेलने, बड़े सपने देखने और ऊंचे लक्ष्य तय करने की प्रेरणा मिलेगी। - **नरेन्द्र मोदी**, प्रधानमंत्री

न्यूज ब्रीफ

शहीदी दिवस पर आज सार्वजनिक अवकाश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 25 नवंबर मंगलवार को सभी स्कूल-कॉलेज और दफ्तर बंद रहेंगे। इस दिन गुरु तेग बहादुर के शहादत दिवस को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा कर दी गई है। योगी सरकार ने वर्ष 2025 के अवकाश कैलेंडर में संशोधन करते हुए गुरु तेग बहादुरजी के बलिदान दिवस पर घोषित अवकाश की तिथि बदल दी है। सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार पहले यह अवकाश 24 नवंबर को निर्धारित था, अब इसे 25 नवंबर कर दिया गया है।

तमिलनाडु में दो बसों की टक्कर में 6 की मौत

तेनकासी। तेनकासी जिले के इदैकल के पास सोमवार को दो निजी बसों की आमने-सामने की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। इनमें पांच महिला और एक पुरुष था। यह हादसा तब हुआ जब आमने-सामने से आ रहीं दो निजी बसों की टक्कर हो गई। एक बस मदुरै से सेनकोट्टई और जबकि दूसरी तेनकासी से कोविलपट्टी/शंकरनकोविल जा रही थी।

सियासी दलों को गुमनाम नकद चंदे से संबंधित याचिका पर नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और निर्वाचन आयोग समेत अन्य पक्षों से उस याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें राजनीतिक दलों को 2,000 रुपये से कम का 'गुमनाम' नकद चंदा लेने की अनुमति देने वाले आयकर अधिनियम के प्रावधान की वैधता को चुनौती दी गई है।

याचिका में कहा गया है कि पारदर्शिता की यह कमी मतदाताओं को दानकर्ता और उनके उद्देश्य समेत राजनीतिक वित्तपोषण के स्रोत के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित करती है। इससे चुनाव प्रक्रिया की शुचिता कमजोर होती है और मतदाता वोट डालते समय तर्कसंगत, बुद्धिमत्तापूर्ण और पूरी तरह सूचित निर्णय लेने से वंचित रह जाते हैं। याचिका में निर्वाचन आयोग को निर्देश देने की भी मांग की गई है कि वह किसी राजनीतिक दल के पंजीकरण और चुनाव चिन्ह के आवंटन के लिए एक शर्त निर्धारित करे कि कोई भी दल नकद में कोई राशि प्राप्त नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि मामले को चार सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा।

भारत के 53वें सीजेआई बने न्यायमूर्ति सूर्यकांत, राष्ट्रपति मुर्मू ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सोमवार को भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में न्यायमूर्ति सूर्यकांत को शपथ दिलाई और उन्होंने हिंदी में शपथ ली।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई वरिष्ठ नेता इस समारोह में शामिल हुए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत को न्यायमूर्ति बीआर गवई के स्थान पर न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर नियुक्त किया गया है जो रविवार को सेवानिवृत्त हो गए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत नौ फरवरी 2027 को 65 वर्ष का होने तक लगभग 15 महीने तक इस पद पर रहेंगे। शपथ लेने के तुरंत बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन करने उनके पास गए। इस दौरान पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद थे और उन्होंने भी न्यायमूर्ति सूर्यकांत को बधाई दी। शपथ ग्रहण करने के बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने न्यायालय परिसर में महात्मा गांधी और डॉ. बीआर आंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की।

समुद्र में उतरा माहे श्रेणी का पहला युद्धक जहाज

मुंबई, एजेंसी

भारतीय नौसेना ने सोमवार को आईएनएस माहे को अपने बेड़े में शामिल किया, जो माहे श्रेणी का पहला पनडुब्बी रोधी युद्धक जहाज है। इस जहाज के सेवा में शामिल होने के बाद नौसेना की युद्ध क्षमता में बढ़ने की उम्मीद जताई गई है।

यह जलपोत उथले जल के स्वदेशी लड़ाकू जहाजों की नई पीढ़ी का हिस्सा है। यह स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के साथ जटिल लड़ाकू जहाजों को डिजाइन करने, निर्माण करने और तैनात करने की भारत की समुद्री क्षमता का भी प्रतीक कहा गया है। आईएनएस माहे के जलावतरण समारोह के मुख्य अतिथि सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने इसे दुर्लभ उपलब्धि बताते हुए कहा कि इसके सेवा में शामिल होने से भारतीय नौसेना की समुद्री प्रभुत्व सुनिश्चित करने, तटीय सुरक्षा तंत्र मजबूत करने और देश के विशाल तटीय जलक्षेत्र में भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

80 प्रतिशत स्वदेशी प्रौद्योगिकी

तटीय रक्षा का नेतृत्व

नौसेना ने कहा, यह पोत तटीय रक्षा की पहली पंक्ति का निर्माण करेगा, और बड़े लड़ाकू जहाजों, पनडुब्बियों और विमानन परिसंपत्तियों के साथ एकीकृत होकर भारत के समुद्री परिचालन क्षेत्रों पर निरंतर निगरानी बनाए रखेगा। इसका निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा किया गया है।

सामाजिक समरसता व सामाजिक हितों को पूर्ण रूप से उजागर व सशक्त करने का सफल माध्यम

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

को

स्थापना दिवस

की हार्दिक शुभकानाएं

'मेरा शहर-मेरी प्रेरणा'

आपकी प्रेरक पहल है।

ramaa shyama
Eco Kraft Paper

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 25 नवंबर 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

करंट से युवक की मौत टेंट मालिक पर रिपोर्ट

सिंधौली, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव चकझाऊ निवासी मुनब्बर अली ने बताया कि उसका बेटा अहमद गांव में ही नाजिम खां की दुकान पर मजदूरी करता था। बरात जाने के बाद सुबह टेंट उखाड़ रहा था। इसी दौरान अहमद को अचानक करंट लग गया और वह सीढ़ी से नीचे गिर गया। करंट लगे युवक को मेडिकल कालेज ले जाते समय मौत हो गयी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि टेंट मालिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसे में पुलिस कर्मी दंपती घायल

मीरानपुर कटरा, अमृत विचार : बागपत जिले के सिपाही अंकित कुमार की लखीमपुर खीरी जिले के मोहम्मदी थाना पर तैनाती है। सिपाही की पत्नी रोमा की खीरी जिले के सदर कोतवाली थाना पर नियुक्ति है। रविवार की सुबह दस बजे दंपती सिपाही बाइक से लखीमपुर जा रहे थे। लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर शारदा नहर पुल के निकट कार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए। दंपती को मेडिकल कालेज भेज दिया गया है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

खनन को नही रोक पा रही पुलिस

जैतीपुर, अमृत विचार : गढ़िया रंगीन और जैतीपुर क्षेत्र में लगातार खनन हो रहा है। शिकायत के बाद भी पुलिस खनन पर अंकुश नहीं लगा रही है। इससे लोगों में रोष है। लोगों का कहना है कि पुलिस खनन माफिया से मिली हुई है। इस कारण खनन नहीं रुका है।

बैठक में डीएम ने एआर को लगाई फटकार

कम प्रगति पर एआर कॉपरेटिव और सुपरवाइजर से स्पष्टीकरण तलब, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा बैठक बिस्मिल सभागार में आयोजित की गई। विधानसभा क्षेत्र शाहजहांपुर की प्रगति सबसे कम होने पर डीएम ने एआर को जमकर फटकार लगाते हुए नाराजगी जताई। इसके साथ ही उन्होंने एआर कॉपरेटिव और सुपरवाइजर से स्पष्टीकरण तलब किया है।

जिलाधिकारी ने गणना प्रपत्रों के वितरण, कलेक्शन और डिजिटाइजेशन की स्थिति पर विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक बीएलओ प्रतिदिन वितरण किए गए फॉर्मों का कम से कम 10 प्रतिशत अधिक कलेक्शन और डिजिटाइजेशन सुनिश्चित करें। सुपरवाइजरों को बीएलओ के साथ नियमित बैठकें कर कार्य की गति दोगुनी करने के निर्देश दिए गए। डीएम ने कहा कि वितरित किए गए गणना प्रपत्र दो दिनों के भीतर शत प्रतिशत प्राप्त कर लिए जाएं। 30 नवंबर तक सभी प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन हर हाल में पूरा कर लिया जाए। विधानसभा शाहजहांपुर की प्रगति सबसे कम होने पर डीएम ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने एआर कॉपरेटिव और सुपरवाइजर सार्थक से स्पष्टीकरण तलब किया। बैठक में नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी प्रशासन रजनीश कुमार मिश्र, सीडीओ अपराजिता सिंह, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में मौजूद अधिकारी व कर्मचारी। ● अमृत विचार

बैठक में मौजूद डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह व सीडीओ अपराजिता सिंह व अन्य।

नगर क्षेत्र में मुनादी कराने के दिए निर्देश

डीएम ने एआर और सुपरवाइजर को नगर क्षेत्र में ई-रिक्शों एवं सार्वजनिक स्थानों से मुनादी के जरिए फॉर्म कलेक्शन के लिए जनजागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही नागरिकों से अपील की कि उपलब्ध कराए गए फॉर्म शीघ्र भरकर जमा करें, ताकि उनका नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके। जिलाधिकारी ने बताया कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को 26 नवंबर को लॉटरी के माध्यम से सम्मानित किया जाएगा।

बर्दाश्त नहीं होगी लापरवाही

डीएम ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व है। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लापरवाही बरतने वालें अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, एईआरओ, सुपरवाइजर और बीएलओ उपस्थित रहे।

मंत्री से की बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने की मांग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- बिजली बिल राहत योजना में दायरा बढ़ाने का किया आग्रह
- ग्रामीण उपभोक्ताओं की जरूरतों का दिया हवाला

अमृत विचार : उपभोक्ताओ को राहत देने के लिए राज्य सभा सांसद मिथलेश कुमार ने ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा को पत्र लिखा है। उन्होंने

घरेलू उपभोक्ताओं के लिए लाभ का दायरा बढ़ाने की मांग की है। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार योजना में केवल 1 किलोवाट और 2 किलोवाट घरेलू कनेक्शन शामिल किए गए हैं।

सांसद ने पत्र में उल्लेख किया कि क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि गांवों में घरेलू उपयोग के लिए टिल्लू पंप आदि चलाने की जरूरत पड़ती है, जिसके कारण अधिकांश उपभोक्ताओं के पास 1 से 5 किलोवाट तक के कनेक्शन हैं। ऐसे में केवल 1-2 किलोवाट श्रेणी को शामिल करना उचित नहीं होगा। सांसद ने ऊर्जा मंत्री से अनुरोध किया है कि वर्ष 2025-26 में लागू की जा रही बिजली बिल राहत योजना का लाभ 1 किलोवाट से 5 किलोवाट तक के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को दिया जाए, ताकि अधिकतम परिवार को लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि ग्रमीण जनता को इससे नुकसान हो रहा है। उनकी समस्या को देखते हुए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

मिथलेश कुमार।

अज्ञात वाहन की टक्कर से राजमिस्त्री और मजदूर घायल

पुवायां, अमृत विचार: काम पर जा रहे राज मिस्त्री और मजदूर को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। नवाजिस निवासी खिरिया पाठक तथा बिजेंद्र निवासी बलरामपुर स्कूल निर्माण में राजमिस्त्री और लेबर के रूप में कार्य करते हैं। दोनों बाइक से कार्यस्थल जा रहे थे। जैसे ही वे मजिगमा चौराहे के पास पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। दोनों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

591 किरायादारों का सत्यापन

शाहजहांपुर, अमृत विचार: पुलिस प्रशासन ने आपरेशन भरोसा के तहत 591 किराएदारों का सत्यापन किया। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाना है। इस दौरान 591 व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। पुलिस टीम किराएदार का पहचान पत्र, किरायानामा आदि पर जांच कर रही है। संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना थाना, पुलिस चौकी या डायल 112 को दे। एसपी ने बताया कि सत्यापन न कराने पर कार्रवाई हो सकती है।

सीएचसी पर अलग से दवा वितरण काउंटर लगाने के दिए निर्देश

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचार : सीएमओ डॉ. विवेक मिश्रा ने सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुवायां कानिरीक्षण किया। सीएचसी पर गंदगी देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी दी।

सीएमओ ने इमरजेंसी कक्ष, कोल्ड चैन रूम, दवा वितरण कक्ष तथा विभिन्न वार्डों का बारीकी से जायज़ा लिया। उन्होंने अस्पताल परिसर में स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए साफ-सफाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की बात कही। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अलग से दवा वितरण काउंटर स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एमसीएच विंग का निरीक्षण किया, जहां महिला भर्ती वार्ड में तत्काल सफाई कार्य शुरू कराया गया। सर्द मौसम को ध्यान में रखते हुए सीएमओ ने वार्ड की खिड़कियां बंद रखने, नवजात शिशुओं को ठंड से बचाने और विशेष देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद गंगसरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया और कर्मचारियो को दिशा निर्देश दिए।

सीएचसी का निरीक्षण करते सीएमओ डॉ. विवेक मिश्रा। ● अमृत विचार

- सफाई व्यवस्था पर ध्यान न देने पर जताई नाराजगी

जैतीपुर में गैस एजेंसी पर सिलेंडर संकट गहराया

जैतीपुर, अमृत विचार : कस्बा स्थित एसएमएचपी गैस एजेंसी पर पिछले तीन दिनों से गैस आपूर्ति बंद होने से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्लांट से सिलेंडर न पहुंचने के कारण घरेलू गैस की किल्लत लगातार बढ़ती जा रही है। गैस आपूर्ति रुकने के चलते क्षेत्र के उपभोक्ताओं को नए सिलेंडर के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। रसोई गैस न मिलने से लोगों के घरों में खाना बनाने तक की समस्या खड़ी हो गई है। एजेंसी पर सप्लाई पूरी तरह ठप बताई जा रही है। एजेंसी के कर्मचारी ने बताया कि प्लांट में तकनीकी खराबी आने से सिलेंडरों की लोडिग बाधित है।

पोषाहार उठाने पर समूह कार्यकर्ताओं ने जताया रोष

संवाददाता, निगोही

- डाटा एंट्री ऑपरेटर और सुपरवाइजरों पर लगाए रुपए लेने के आरोप

अमृत विचार : निगोही विकास खंड के स्वयं सहायता समूहों आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों पर पोषाहार स्वयं मंगाने का आरोप लगाया है। समूहों में शामिल महिलाओं ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां नियमों का उल्लंघन कर रही हैं।

समूहों का आरोप है कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां पोषाहार खुद ही वाहन मंगाकर उठवा लेती हैं, जिससे समूहों को न तो निर्धारित भुगतान मिल पा रहा है और न ही पोषाहार की प्रक्रिया पारदर्शी रह पा रही है। इस कारण आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और समूहों के बीच मतभेद बढ़ने लगे हैं। समूहों का आरोप है कि सुपरवाइजर केंद्रों से एक एक हजार रुपये की वसूली करते हैं। जिससे पोषाहार में कटौती की जा रही है। दाल दलिया कम दिया जाता है। महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार की शिकायत भी की गई है। समूहों ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से मांग की है कि पोषाहार वितरण में पारदर्शिता और नियमितता सुनिश्चित की जाए तथा जिम्मेदारी तय करते हुए समस्या का त्वरित समाधान कराया जाए।

आर्य समाज प्रचारक कृष्णपाल का निधन

संवाददाता, जलालाबाद

- अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल प्रचारक की उपचार के दौरान मौत
- गंगा मंदिर के पास हादसे में गंभीर घायल हुए

अमृत विचार : गांव बझेड़ा निवासी आर्य समाज के प्रचारक और क्षेत्र पंचायत सदस्य कृष्णपाल कुशवाहा की उपचार के दौरान मौत हो गई। शनिवार को हुए सड़क हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर में भर्ती कराया गया था, जहां रविवार शाम उन्होंने दम तोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार कृष्णपाल कुशवाहा शनिवार को अपने पुत्र निर्भय प्रताप से मिलने तिलहर स्थित गुरुकुल गए थे, जहां उनका पुत्र व्यायाम शिक्षक है। वापस लौटते समय जलालाबाद क्षेत्र में गंगा मंदिर के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। डायल 112 पुलिस ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जलालाबाद में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सा टीम ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। रविवार शाम उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। कृष्णपाल कुशवाहा आर्य समाज में भजन उपदेशक और प्रचारक के रूप में पहचाने जाते थे। पत्नी राजकुमारी, पुत्र निर्भय प्रताप और प्रतिज्ञा का रो-रोकर बुरा हाल है।

लेखपाल ने खुदागंज में तालाब का पटान रोका

खुदागंज, अमृत विचार : कस्बे में ग्राम समाज के तालाब पर भूमाफियाओं द्वारा अवैध रूप से मिट्टी डालकर कब्जा किए जाने की सूचना पर हल्का लेखपाल ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मिट्टी पटान रुकवा दिया। मोहल्ला लक्ष्मीपुर बांगर में स्थित सरकारी तालाब पर कुछ भूमाफिया देर रात मिट्टी डालकर कब्जा करने और प्लाटिंग की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने इसकी जानकारी हल्का लेखपाल दीपेश कुमार को दी। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे और चल रहा मिट्टी कार्य तुरंत रुकवा दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार नगर क्षेत्र में कई स्थानों पर तालाबों पर अवैध कब्जा कर प्लाटिंग का कार्य कराया जा रहा है, लेकिन प्रशासन द्वारा प्रभावी रोकथाम न होने से माफिया सक्रिय हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीम के साथ की गश्त

संवाददाता, सिंधौली

- लोगों को दिया सुरक्षा का भरोसा, कर्मियों को दिए निर्देश

अमृत विचार : एएसपी ग्रामीण भंवरे दीक्षा ने टीम के साथ सिंधौली कस्बा में पैदल गश्त की। उन्होंने बाजार और भीड़ वाले स्थान पर कानून व्यवस्था, यातायात व्यवस्था और जनसुरक्षा की स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने आमजन से कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत थाना पर दे। पुलिस जन का सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। इधर पुलिस टीम ने होटल और ढाबों की चेकिंग की। इस मौके पर सीओ पुवायां मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेन से बाइक टकरायी चालक फरार

निगोही, अमृत विचार : रेलवे फाटक पर पीलीभीत से आ रही ट्रेन से एक बाइक टकरा गयी। बाइक क्षतिग्रस्त हो गयी। बाइक कुछ दूर तक रगड़ती चली गयी। हादसे के बाद चालक बाइक छोड़कर भाग गया। सोमवार की सुबह नौ बजे निगोही रेलवे फाटक बंद था। इसी बीच बाइक सवार ने बाइक निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक पीलीभीत की ओर से ट्रेन आ गई और ट्रेन से टकराकर बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। बाइक सवार भाग गया।

आरा मशीन की बेल्ट टूटने से मजदूर की मौत

निगोही, अमृत विचार : भटियुरा पृथ्वीपुर में स्थित मालब्रोस लिमिटेड कंपनी में आरा मशीन पर लकड़ी चीरते समय बेल्ट टूटकर मजूदर के पेट में लग गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पीलीभीत जिले के थाना बरखेड़ा के गांव कनपरी निवासी अनिल कुमार (22) गालब्रोस लिमिटेड कंपनी में नौकरी करता है। सोमवार की शाम पांच बजे आरा मशीन पर काम कर रहा था। अचानक मशीन की बेल्ट टूटकर उसके पेट में लगी और घायल हो गया। कंपनी के कर्मचारी मेडिकल कालेज ले गए। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी अशोक सिंह ने बताया कि उनके पास कोई सूचना नहीं आयी है।

बाजार से युवक की बाइक चोरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : तिलहर थाना क्षेत्र के गांव बंथरा निवासी बलवीर सिंह ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि 19 नवंबर की शाम साढ़े पांच बजे सिरोमननगर बाजार में सब्जी खरीदने के लिए गया था। उन्होंने बाजार में बाइक खड़ी कर दी थी। वापस आने पर बाइक गायब मिली। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

दहेज के लिए बहु को घर से निकाला

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुवायां थाना क्षेत्र के गांव टिहरी ढुकरी निवासी कविता ने थाना पर रिपोर्ट दर्ज करायी है। बताया कि उनकी शादी दो साल पहले संदीप निवासी टिहरी ढुकरी थाना पुवायां के साथ हुई थी। ससुराल वालों ने उससे कहा कि मायके से एक बुलेट और एक लाख रुपये मंगाकर दो। विरोध करने पर पीड़िता को मारपीट पीटकर घर से निकाल दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

किशोरी से छेड़छाड़

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कांट क्षेत्र के एक गांव की महिला ने थाना पर रिपोर्ट दर्ज करायी है कि चार दिन पूर्व उसकी नाबालिग पुत्री घर के बाहर खेल रही थी। गांव के एक युवक ने उसकी पुत्री को पकड़ लिया और छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच में दोषी होने पर कार्रवाई होगी।

खुटार पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दबोचे तीन गोतस्कर

बुझिया-भरकलीगंज जंगल के समीप गोवध की फिराक में थे तीनों आरोपी, दो के पैर में लगी गोली

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार : खुटार पूरनपुर रोड पर बुझिया भरकलीगंज के जंगल में रविवार देर रात गोवंशीय पशु के वध की फिराक में बैठे तीन बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हो गए। मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी है। जबकि तीसरे बदमाश को पुलिस पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। घायल बदमाशों को खुटार सीएचसी पर भर्ती कराया है जहां से जिला अस्पताल भेज दिया गया है।

थाना प्रभारी खुटार राजेंद्र कुमार ने बताया कि वह पुलिस टीम के साथ बुझिया भरकलीगंज रोड पर गश्त कर रहे थे। तभी पता चला कि तीन बदमाश गोवंशीय पशुओं का वध करने की फिराक में बैठे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस टीम आरोपियों को पकड़ने के लिए मौके पर पहुंची तो आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम की ओर से की गई जबावी कार्रवाई में पीलीभीत जिले के थाना पूरनपुर के गांव शेरपुर कलां हाल पता ढका निवासी भूरे के दाहिने पैर में और शेरपुर कलां हाल पता पूरनपुर मोहल्ला रजागंज निवासी जफर खां के बाएं पैर में गोली लगी है। वहीं पूरनपुर के मोहल्ला इस्लामनगर निवासी जावेद उर्फ करिया को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया।

आरोपियों के कब्जे से पुलिस आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने तमंचा, जिंदा कारतूस, गोकशी के उपकरण में एक गड़ासा, चाकू, रस्सी, लकड़ी का गुटका बरामद किया है। पुलिस ने घायल गो तस्कर भूरे और जफर खां को खुटार सीएचसी भेजा, जहां से उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज शाहजहांपुर भेज दिया गया है।

गोली लगने के बाद पुलिस हिरासत में आरोपी। ● अमृत विचार

मौके पर पड़ा तमंचा व उपकरण।

- पुलिस ने कारतूस, तमंचा और गोकशी के उपकरण किए बरामद

तीन जिलों में गंभीर धाराओं में दर्ज है मुकदमें

पुलिस मुठभेड़ में पकड़े गए आरोपियों पर तीन जिला पीलीभीत, लखीमपुर खीरी और शाहजहांपुर में अलग-अलग थानों में गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज है। पुलिस के अनुसार, आरोपी भूरे खां पर पीलीभीत के थाना सेहरामऊ उत्तरी, खीरी के थाना मोहम्मदी, शाहजहांपुर के थाना खुटार में गोवध, गैंगस्टर एक्ट, आमर्स एक्ट सहित करीब 21 मुकदमें दर्ज है। इसके अलावा आरोपी जावेद उर्फ करिया पर थाना माधौटांडा, गजरोला, सेहरामऊ उत्तरी और खुटार थाने में 14 और आरोपी जफर पर थाना पूरनपुर, माधौटांडा, गजरोला, खुटार थाने में 13 मामले दर्ज है। पुलिस ने बताया कि आरोपी छठे हुए बदमाश हैं। ये लोग आए दिन वारदातों को अंजाम देते हैं। इनके साथियों की दहशत बरेली, शाहजहांपुर पीलीभीत में है।

आरोपियों के साथी जा चुके हैं जेल

थाना प्रभारी राजेंद्र रावत ने बताया कि 9 नवंबर को आरोपियों ने तुलापुर-बेला के बीच नहर के पास एक खेत में गोवंश की हत्या कर दी थी। 11 और 12 नवंबर की मध्य रात को पुलिस मुठभेड़ में गांव जादौपुर कलां निवासी मुख्य आरोपी मुजीबुर्रहमान उर्फ नेता को गिरफ्तार किया गया था। उसके पैर में गोली लगी थी। बाद में आरोपी के ससुर जनपद पीलीभीत के थाना सेहरामऊ उत्तरी के गांव केसरपुर निवासी आरोपी छोटे और दूसरा साथी गांव केसरपुर, हाल पता कस्बा पूरनपुर के मोहल्ला रजागंज निवासी आरोपी कमरुल ने खुद को कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। लेकिन पुलिस इन्हीं फरार तीन आरोपियों की तलाश कर रही थी। आरोपियों के कुछ साथी पहले ही जेल जा चुके हैं।

आरोपियों को पकड़ने में थाना प्रभारी समेत 11 पुलिसकर्मी रहे शामिल

गोवंशीय पशु की हत्या के मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों को पकड़ने में थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार रावत समेत करीब 11 पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस पार्टी ने कड़ी मशक्कत के बाद आरोपियों को पकड़े पाई। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र कुमार रावत, दरोगा अनुज चौधरी, विवेक सिंह, सोहनलाल, सिपाही विद्यासागर, अमित दुबे, जोनी कुमार, अरविंद कुमार शामिल रहे।

किशोरी बरामद आरोपी युवक को किया गिरफ्तार

तिलहर, अमृत विचार: किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने किशोरी को बरामद कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। एक व्यक्ति ने बताया था कि 18 नवंबर की रात विशेष समुदाय के कुछ लोग उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर ले गए थे। इस मामले में चार किशोरियों सहित छह लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने जांच के दौरान किशोरी को बरामद कर लिया और हिंदू पट्टी मोहल्ला निवासी मुन्ने खां के पुत्र हसनैन को हिरासत में ले लिया। आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के अन्य साथियों को पुलिस तलाश कर रही है। जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा। बताया कि मेडिकल परीक्षण में जैसा भी होगा। उस आधार धाराओं को बढ़ाया जाएगा। घटना से पीड़िता के परिजनों में आक्रोश व्याप्त है। पीड़िता के पिता ने बताया कि आरोपी धमकी दे रहे हैं।

तिलक में दी जाने वाली बाइक बनी काल, दो चचेरे भाइयों की मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर/जलालाबाद

शाहजहांपुर /जलालाबाद, अमृत विचार: तिलक कार्यक्रम को मातम में बदल देने वाला दिल दहला देने वाला हादसा रविवार देर रात कोला पुल पर हो गया। जिस अपाचे बाइक को दूल्हे को तिलक में चढ़ाया जाना था, वही बाइक मौत की सवारी बन गई। इस दर्दनाक हादसे में दो चचेरे भाइयों ने मौके पर ही जिंदगी गंवा दी। हादसे के बाद तिलक समारोह स्थगित कर दिया गया है और पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

ढकिया रघा निवासी रविन्द्र सिंह (30) की बहन अरुणा देवी का तिलक कलान थाना क्षेत्र के जखिया गांव में होना था। इसके लिए रविन्द्र ने चार दिन पहले ही दूल्हे को देने के लिए नई बाइक खरीदी थी। रविवार रात वह अपने चचेरे भाई मोनू (30) के साथ उसी बाइक से तिलक में शामिल होने निकल पड़ा। परिवार के अन्य सदस्य चार पहिया वाहन से आगे बढ़ चुके थे। रात करीब नौ बजे जलालाबाद थाना क्षेत्र में कोला पुल पर अंधेरा गहरा चुका था। पुल पर पड़े बड़े-बड़े पत्थर दिखाई नहीं दिए और बाइक तेज रफ्तार में पत्थरों से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक कई मीटर दूर जाकर गिरी और दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक राजीव तोमर फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को सीएचसी भेजा, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। नई बाइक, जो दहेज में चढ़नी थी, पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना जैसे ही परिवार तक पहुंची, शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। तिलक कार्यक्रम तत्काल स्थगित कर दिया गया है। प्रभारी निरीक्षक राजीव तोमर ने बताया कि पुल पर पड़े पत्थरों से टकराने के कारण हादसा हुआ है। दो युवकों की हुई यह आकस्मिक मौत पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल छोड़ गई है।

रविंद्र और मोनू का फाइल फोटो।

- पत्थर से टकराने के बाद काफी दूर गिरी जाकर बाइक, घटना से पूरा गांव गमगीन

दो भाइयों की मौत की खबर सुन रो पड़ा गांव

ढकिया रघा के रवीन्द्र सिंह बुधवार की शाम अपनी बहन का तिलक चढ़ाने की खुशी में घर से निकले थे। माहौल उल्लास भरा था, महिलाएं ढोलक की थाप पर मंगलगीत गा रही थीं। रवीन्द्र ने घरवालों से मुस्कराकर कहा था तिलक में देने वाली बाइक मैं खुद ले जाऊंगा। साथ में चचेरा भाई मोनू भी बैठ गया। दोनों कलान की ओर चल दिए रास्ते भर हंसी-मज़ाक, बहन की शादी की बातें और आने वाले खुशियों के सपने। घरवालों ने जाते-जाते बस इतना कहा था तिलक चढ़ जाए तो फोन कर देना। जब परिजनों को घटना की सूचना मिली तो पूरे परिवार में कोहराम मच गया। खुशियां मातम में बदल गईं।

मंगलगीत की जगह गूंजने लगीं मातम की चीखें

रात करीब पौने दस बजे मोबाइल की घंटी बजी। दूसरी तरफ से टूटी हुई आवाज़ आई हादसा हो गया है, दोनों नहीं रहे। बस इतना सुनते ही ढोलक की थाप थम गई। मंगलगीत की जगह मातम की चीखें गूंज उठीं। खुशियों से भरा घर पल में मातम में बदल गया। जिस बहन के तिलक के लिए भाई निकले थे, उसी बहन की गोद भाई के बिछड़ने से सूनी हो गई। इधर लड़के वालों के घर भी तैयारी सन्नाटे में बदल गई। तिलक की जगह गम का बादल छा गया। दोनों परिवारों ने कभी सोचा भी नहीं था कि तिलक की हल्दी में मौत की कालिख लग जाएगी। यह हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं यह दो परिवारों की खुशियों का ऐसा टूटना है, जिसकी प्रतिध्वनि बरसों तक दिलों में गूंजती रहेगी। पोस्टमार्टम के बाद रवीन्द्र और मोनू के शव घर पर पहुंचे। शव पहुंचते ही परिवार में रोना पीटना मच गया और गांव वालों की भीड़ लग गयी। हर एक जुबान से निकल रहा था, बहुंत बुरा हुआ। दोनों की अर्थी एक साथ उठी और अत्येष्टि हुई। रवीन्द्र की शादी नहीं हुई थी। छह भाइयों में चौथे नंबर का था और दो बहने है। मोनू की तीन साल पहले शादी नीतू से हुई थी। उसका एक बेटा और एक बेटी है। दोनों चचेरे भाई खेतीबाड़ी करते थे। दोनो की मौत से पूरे परिवार में मातम छा गया है।

पुल पर लाइट की व्यवस्था नहीं

कोला पुल पर लाइट की समुचित व्यवस्था नहीं है। बताते है कि पुल पर डेढ़ साल से बड़े-बड़े पत्थर पड़े है। क्यों कि पुल बनकर तैयार हुआ था। पुल पर वाहन शुरुआत में वाहनों के लिए ट्रायल के लिए बड़े वाहनों का आवागमन रोकने के लिए बेरीकेडिंग के लिए पत्थर लगाए गए थे। ठेकेदार ने पत्थर को न हटाकर,बल्कि सड़क के किनारे कर दिए थे। जिस कारण आए दिन हादसे होते रहते है। परिवार वालों ने इसके लिए जिला प्रशासन और ठेकेदार को दोषी ठहराया है, पत्थरों क्यों नहीं हटाया गया। लोगों ने बताया कि कोहरे में यह पत्थर और अधिक घातक हो सकते हैं। लोगों ने पत्थर हटाने की मांग की है।

ससुराल में रह रहे युवक का शव पेड़ से लटका मिला

संवाददाता, शाहजहांपुर/पुवायां

- भैया दूज पर पत्नी मायके गयी थी पिता ने हत्या की आशंका जतायी

अमृत विचार: ससुराल में रह रहे युवक का शव घर के बाहर पेड़ से गमछे से लटका मिला। एक दिन पहले हरियाणा से युवक आया था। उसकी पत्नी भैयादूज से मायके में रह रही थी। मृतक के पिता ने हत्या का आरोप लगाया है।

पुवायां थाना क्षेत्र के गांव भिलावा निवासी 25 वर्षीय देवेश कुमार की शादी साढ़े तीन साल पहले सरोजनी निवासी उदारा थाना पुवायां के साथ हुई थी। वह अपनी पत्नी को लेकर भैयादूज पर ससुराल गया था। उसकी पत्नी दोबारा ससुराल लौटकर नहीं आयी। वह पत्नी को छोड़कर हरियाणा में काम करने के लिए चला गया था। वह हरियाणा से रविवार की दोपहर अपनी ससुराल आया था। ससुराल में उसने रात नौ बजे खाना खाया और एक कमरे में सोने के लिए चला गया। उसकी पत्नी अलग कमरे में सोने के लिए चली गयी। सोमवार की सुबह छह बजे ससुराल वालों ने उसका शव मकान के पीछे एक पेड़ से गमछे से लटका हुआ देखा। उसका शव मिलने से गांव वालों की भीड़ लग गयी। ससुराल वालों ने मृतक के पिता करन सिंह को सूचना दी। वह परिवार वालों के साथ बेटे देवेंश की ससुराल गए। उन्होंने देखा कि उसके बेटे के घुटने जमीन में छू रहे थे। उन्होंने बताया कि उसका बेटा भैयादूज पर ससुराल गया था और लौटकर नहीं आया था। तीन दिन पूर्व उसकी मां से फोन पर बात हुई थी। उसने मोबाइल से तीन लाख रुपये डाल दिए थे। करन सिंह ने हत्या की आशंका जताई है। पुवायां प्रभारी निरीक्षक फोर्स के साथ मौके पर गए और शव को नीचे उतार लिया। उन्होंने बताया कि मृतक के परिवार वालों की तरफ से कोई तहरीर नहीं आयी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घर में लगी आग, बाइक समेत लाखों का सामान राख

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार : खुटार थाना क्षेत्र के एक गांव में सोमवार शाम को अचानक छप्परदार घर में आग लग गई। घर में मौजूद लोगों ने किसी तरह घर से निकलकर जान बचाई। आग लगने से नगदी, घरेलू सामान और बाइक समेत करीब दो लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों की मदद से किसी तरह आग पर काबू पाया जा सका।

खुटार ब्लॉक के गांव कुर्रेया खानपुर निवासी राजू सिंह ने बताया कि गांव के बाहर खेत की तरफ छप्पर डालकर अपनी पत्नी, एक बच्चें के साथ रहते है। सोमवार रात करीब 7.30 बजे अचानक छप्पर में आग लग गई। आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। बाद में तेज लपटे उठी तो घटना का पता चला। उन्होंने अपनी पत्नी, बच्चें के साथ किसी तरह से घर से बाहर निकले और जान बचाई। राजू ने बताया कि वह घर में रखी नगदी, घरेलू सामान और बाइक निकालने में असफल रहे। आग लगने से 10 से 12 हजार रुपये की नगदी, बाइक, गेहूं, आटा, चावल, बिस्तर, चारपाई आदि घरेलू सामान जल गया है। करीब दो लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

आग लगने से उठती लपटें।

बक्सा में कुछ तलाश करती महिला।

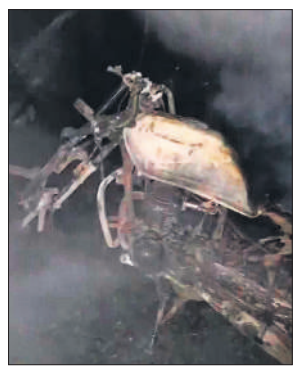

आग लगने से क्षतिग्रस्त हुई बाइक।

- सोमवार शाम 7.30 बजे के करीब अचानक लग गई आग
- नकदी समेत करीब दो लाख रुपये का हुआ नुकसान
- ग्रामीणों की मदद से पाया जा सका आग पर काबू

गांव के लोगों के प्रयास से बुझी आग

राजू ने बताय कि आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर पहुंच गई। लोगों ने आग बुझाने में उनकी काफी मदद की है। तब जाकर आग पर काबू पाया जा सका। बताया कि आग लगने से उनके घर में रखे रजाई गद्दे और कपड़े भी जल गए हैं। ठंड से बचने में दिक्कत आ रही है। पीड़ित ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। बताया कि अनाज जलने से भी पेट भरने की दिक्कत सामने खड़ी हो गई है।

वर्दीधारी और युवक के बीच मारपीट का वीडियो वायरल

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सदर बाजार थाना क्षेत्र के कचहरी ओवरब्रिज का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो में दिख रहा है कि पुलिस की वर्दी पहने व्यक्ति और युवक के बीच मारपीट हो रही है। मारपीट के दौरान वर्दीधारी व्यक्ति सड़क पर गिर गया। युवक उसे पकड़कर मार रहा। जबकि वर्दीधारी व्यक्ति उठने की कोशिश कर रहा है और उठ नहीं पा रहा है। बताते है कि वदीधारी व्यक्ति शराब के नशे में था। यह वीडियो रविवार की शाम आठ बजे का है। लोग वीडियो बनाते रहे, लेकिन वर्दीधारी को बचाया नहीं। यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश सिंह ने बताया कि उनको विवाद की जानकारी मिली है और वीडियो वायरल होने की बात उनको नहीं पता है।

पुलिस ने आरोपियों को छोड़ा, रोष

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: दलित सब्जी विक्रेता के साथ मारपीट के मामले में पालिटिकल जस्टिस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पदाधिकारियों के साथ एसपी आफिस का पहुंचकर शिकातयी पत्र दिया। उनका आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के बाद थाने से छोड़ दिया, आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। उनकी मांग है कि पीड़ित परिवार को सुरक्षा दी जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि मांग पूरी नही हुई तो एक सप्ताह बाद बड़ा आन्दोलन किया जाएगा।

सिंधौली थाना क्षेत्र के पैना बुजुर्ग के रहने वाले दलित समाज के अचल ठेली पर सब्जी बेचने का काम करते हैं। 17 नवंबर को दूसरे गांव के दबंगों ने उनको घेरकर लाठी-डंडो से मारपीट की थी। जिसमे अचल घायल हुए थे। तब वीडियो वायरल होने के बाद सिंधौली पुलिस ने दबंगों का शांतिभंग में चालान किया था। पुलिस की कार्रवाई में लापरवाही का आरोप लगाते हुए पालिटिकल जस्टिस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश कुमार सिद्धार्थ पदाधिकारियों के साथ उनके गांव पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली। उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एसपी आफिस पहुंचकर शिकायती पत्र दिया। इस दौरान सीओ सदर प्रयांक जैन ने उनसे मुलाकात कर कार्रवाई से अवगत कराया। पार्टी पदाधिकारियों ने मारपीट करने वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के बाद थाने से छोड़ दिया। कार्यकर्ताओं ने सिंधौली पुलिस पर भी आरोपियों से मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। चेतावनी दी है कि अगर एक सप्ताह में आरोपियों को जेल नही भेजा गया तो पालिटिकल जस्टिस पार्टी दलित समाज के साथ बड़ा आंदोलन करेगी।

ज्ञापन देते पॉलिटिकल जस्टिस पार्टी के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- पालिटिकल जस्टिस पार्टी ने एसपी को दिया ज्ञापन

कोचिंग पढ़कर लौट रहा छात्र चाइनीज मांझा से घायल

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: शहर में जिला प्रशासन चाइनीज मांझा बेचने पर शिकंजा नहीं कस पा रहा है। कोचिंग पढ़कर बाइक से घर लोट रहे छात्र के हाथ में चाइनीज मांझा हाथ में लिपट जाने से जख्मी हो गया। एक दिन पहले ककरा पुल पर बाइक सवार की गर्दन में चाइनीज मांझा लिपट जाने से घायल हो गया था।

छात्र शशांक मिश्रा।

सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला बीबीजई हद्दफ निवासी शंशाक मिश्रा कक्षा 12 का छात्र है। रविवार की शाम छात्र कोचिंग पढ़कर बाइक से अपने घर जा रहा था। एसपी कालेज रोड पर चाइनीज मांझा उसके हाथ और गले में लिपट गया। चाइनीज मांझा से हाथ कट गया। परिवार वाले मौके पर पहुंचे और घायल छात्र को एक निजी अस्पताल ले गए। एक दिन पहले ककरा पुल रोड पर चाइनीज मांझे से कांट क्षेत्र के ऋषिपाल घायल हो गए थे। चाइनीज मांझा से एक सिपाही और एक युवक की मौत हो चुकी है। चाइनीज मांझा से पहले भी कई लोग घायल हो चुके है।

डीएम ने सेंटर का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट के प्रथम तल पर कक्ष संख्या 13 में डिस्ट्रिक्ट कान्टेक्ट सेन्टर की स्थापना की गयी है। ये सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक क्रियाशील है। डीएम ने सोमवार को डिस्ट्रिक्ट कॉन्टेक्ट सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने डीसीसी में व्यवस्थाओं को परखा तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। डीएम ने प्राप्त शिकायतों तथा उनके निस्तारण के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्राप्त सभी शिकायतों का ससमय निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

डीएम ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट कान्टेक्ट सेन्टर का टोल फ्री दूरभाष नम्बर 05842-1950 है तथा डीसीसी पर कंप्यूटर ऑपरेटर नियुक्त हैं। डीसीसी की प्रभारी एसडीएम न्यायिक प्रियंका चौधरी के मोबाइल नम्बर 7408724550 को नामित किया गया है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के संबंध में किसी भी जानकारी अथवा शिकायत हेतु जनसामान्य द्वारा सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक दिए गए, दूरभाष नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

निरीक्षण करते जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह। ● अमृत विचार

पति के खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

सिधौली, अमृत विचार: गांव पसिगनपुर निवासी छाया देवी ने तहरीर देकर पुलिस को बताया कि उसकी शादी थाना निगोही क्षेत्र के घाटबोझ निवासी अंकुल के साथ हुई थी। महिला ने पति पर गंभीर आरोप लगाते हुए मारपीट की बात कही है। आरोप है कि पति ने जबरन कोई नशीला पदार्थ खिलाया, जिससे वह बेहोश हो गई। अगले दिन जब होश आया तो उसके पिता उसे अपने घर ले गए। विवाद को लेकर कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन इसके बावजूद उसके ससुराल पक्ष के लोग उसे लगातार परेशान और प्रताड़ित करते रहे। शिकायत पर सिंधौली पुलिस ने रिपोर्टदर्ज कर ली है।

हाईवे पर गैस लीक होने से मचा हड़कंप, लगा जाम

संवाददाता, तिलहर

- नगरिया मोड़ के पास डीसीएम में लोड सिलेंडर हुए लीक

अमृत विचार: लखनऊ-दिल्ली राजमार्ग पर नगरिया मोड़ के पास सोमवार को सीएनजी गैस सिलेंडरों से लदी डीसीएम में अचानक गैस लीक होने से हड़कंप मच गया। गैस रिसाव शुरू होते ही वाहन के आसपास धुआं-सा फैलने लगा, जिसके कारण हाईवे से गुजर रहे वाहन चालक दहशत में आ गए। सड़क पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। करीब आधा घंटे तक हाईवे पर जाम लगा रहा।

जानकारी के अनुसार खानपुर स्थित सीएनजी प्लांट से गैस सिलेंडरों से भरी डीसीएम बरेली के लिए निकली थी। नगरिया मोड़ के पास पहुंचते ही लोड सिलेंडरों में अचानक गैस रिसाव शुरू हो गया। रिसाव बढ़ने पर चालक ने वाहन को किनारे लगा दिया। स्थिति बिगड़ती देख राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एहतियातन डीसीएम को वापस प्लांट भेज दिया गया, ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना को रोका जा सके। गैस लीक बंद होने के बाद ही मार्ग पर यातायात सामान्य हो सका।

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 25 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसंबर को

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिले में 13 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह लोक अदालत जिले के साथ सभी तहसीलों में एक साथ आयोजित होगी। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिव कुमार सिंह के निर्देशानुसार तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं अपर जिला जज/नोडल अधिकारी अभिषेक कुमार श्रीवास्तव एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अपर जिला जज/सचिव वीरेंद्र नाथ पांडेय ने बताया कि इस लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निस्तारण का लक्ष्य रखा है। लोक अदालत में यातायात और लघु आपराधिक प्रकरण, नगर पालिका से जुड़े विवाद, बैंक वाद, विद्युत एवं जल विवाद, विशेषकर चोरी संबंधी मामले, राजस्व वाद, पारिवारिक एवं व्यवहारिक मामले, उत्तराधिकार व अन्य समझौतापरक वाद मामलों को प्राथमिकता से सुना जाएगा।

भंडारे में शामिल होंगे खीरी के श्रद्धालु

मैगलगंज, अमृत विचार : जयगुरुदेव आश्रम मथुरा में आयोजित होने वाले वार्षिक भंडारा महोत्सव में लखीमपुर खीरी से हजारों की संख्या में भक्त पहुंचेंगे। जयगुरुदेव संगत के जिला अध्यक्ष मनोहर सिंह ने बताया कि वार्षिक भंडारा मेला 28 नवंबर से 2 दिसंबर तक आयोजित होगा। मेला अवधि के दौरान जिले के हर ब्लॉक से भक्त विशेष ट्रेनों और निजी बसों से मथुरा पहुंचेंगे। लखीमपुर खीरी की ओर से चार नि:शुल्क भोजन भंडारे चलाए जाएंगे। जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज जी महाराज का मुख्य प्रवचन 30 नवंबर को सुबह 7 बजे होगा।

लंबे समय से फरार आरोपी गिरफ्तार

मझगईं, अमृत विचार : प्रभारी निरीक्षक राजू राव ने बताया कि सोमवार को पुलिस ने गांव डोरा खास निवासी सुखदेव उर्फ नेता पुत्र डोरा लाल को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ वन अधिनियम के तहत कोर्ट से वारंट जारी था। पुलिस उसकी काफी समय से तलाश कर रही थी। गिरफ्तार आरोपी का चालान भेजा गया है।

प्रबुद्धजनों ने भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों को किया नमन

एबीवीपी के अधिवेशन उपलक्ष्य में निकली यात्रा का गर्मजोशी से अभिनंदन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

भगवान बिरसा मुंडा रथ यात्रा का स्वागत करते कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शाहजहांपुर महानगर द्वारा एबीवीपी के 71वें राष्ट्रीय अधिवेशन (देहरादून, उत्तराखंड) के उपलक्ष्य में निकाली जा रही भगवान बिरसा मुंडा रथ यात्रा का नगर में भव्य स्वागत किया गया। रथ यात्रा के महानगर पहुंचने पर जगह-जगह पुष्प वर्षा, नारों और स्वागत मंचों के माध्यम से छात्र-छात्राओं, कार्यकर्ताओं और समाज के प्रबुद्धजनों ने बिरसा मुंडा के आदर्शों को नमन किया।

कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने राष्ट्र निर्माण और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण का संकल्प लिया। एबीवीपी पदाधिकारियों ने बताया कि यह यात्रा युवाओं को जननायकों के बलिदान और प्रेरणादायी जीवन से जोड़ने का कार्य कर रही है। विभाग संगठन मंत्री राहुल गंगवार ने कहा कि

● यह यात्रा इतिहास और संस्कृति से जोड़ने का कार्य करती है

● युवाओं ने लिया राष्ट्र निर्माण का संकल्प

यह रथ यात्रा केवल सम्मान नहीं बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणा का माध्यम है, जो उन्हें जननायकों की स्मृति और संदेश से जोड़ती है। जिला संगठन मंत्री संदीप ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जैसे महान योद्धाओं के विचार आज की युवा पीढ़ी को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हैं। महानगर मंत्री आयुष श्रीवास्तव ने कहा कि यह यात्रा इतिहास और संस्कृति से जोड़ने का कार्य करती है तथा एबीवीपी विद्यार्थियों में राष्ट्र चेतना जागृत करने हेतु निरंतर सक्रिय है। कार्यक्रम में विभाग संगठन मंत्री राहुल गंगवार, विभाग प्रमुख मचकेन्द्र सिंह, जिला संगठन मंत्री संदीप, महानगर मंत्री आयुष श्रीवास्तव, जिला एसएफडी संयोजक वैभव सक्सैना, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य आयुष्मान चौहान, जिला संयोजक योगेंद्र मिश्रा, कॉलेज अध्यक्ष अभिनेंद्र त्रिपाठी, आशुतोष मिश्रा, जितेंद्र पाल, संजय गुप्ता, सुजल गुप्ता, अनुज दिक्षित, अनु सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छात्रों को सड़क सुरक्षा के नियम बताए

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जीएफ कॉलेज में 24 नवंबर को यातायात माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थाना सदर बाजार कैंट चौकी प्रभारी इंस्पेक्टर अक्षय पवार ने छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन के लिए जागरूक किया।

उन्होंने कहा कि वाहन चलाते समय हेल्मेट व सीटबेल्ट पहनना, नशे की हालत में या मोबाइल इस्तेमाल करते हुए वाहन न चलाना, ओवरटेक करते समय सावधानी बरतना, लेन अनुशासन बनाए रखना, गति सीमा का पालन करना और आपातकालीन वाहनों को रास्ता देना आवश्यक है। इसके साथ ही सभी को यातायात संकेतों का पालन करने की हिदायत दी। प्रो फैयाज अहमद ने कहा कि सड़क सुरक्षा का मुख्य उद्देश्य जीवन की रक्षा करना, सड़क पर व्यवस्था बनाए रखना और जन-धन की सुरक्षा करना है। नियमों का पालन कर दुर्घटनाओं को काफी हद तक रोका जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ निज़ामुद्दीन खान ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ समन ज़ेहरा ज़ैदी, डॉ रज़ा रसूल, डॉ जमाल अख्तर सिद्दीकी, डॉ स्वेता मल्होत्रा समेत अन्य रहे।

लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में डाली आहुतियां

लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में सामूहिक हवन करते श्रद्धालु और यज्ञाचार्य।

संवाददाता, तिलहर

● लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में 21 परिवारों ने दी आहुति

अमृत विचार: नगर में चल रहे 21 कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में रविवार को 21 परिवारों ने सामूहिक हवन में आहुति दी। प्रातःकाल आयोजक मंडल और श्रद्धालुओं ने यज्ञाचार्य रामकिशोर दीक्षित एवं आचार्य राम शुक्ला के सानिध्य में वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ वैदिक रीति से हवन की शुरुआत की।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना और पूजन के बाद अग्नि प्रज्वलन से हुई। श्रद्धालुओं ने हवन कुण्ड में आहुति देकर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और शांति की कामना की। यज्ञाचार्य रामकिशोर दीक्षित ने बताया कि लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का उद्देश्य समाज में शांति, समृद्धि और आध्यात्मिक जागृति का संदेश देना है। वैदिक परंपराओं के अनुसार यह महायज्ञ धन, धर्म, अर्थ और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि माता लक्ष्मी समृद्धि और वैभव की अधिष्ठात्री हैं, जबकि भगवान नारायण सृष्टि के पालनहार और धर्म के आधार हैं। दोनों की संयुक्त उपासना जीवन में संतुलन और सफलता प्रदान करती है। उन्होंने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से वातावरण शुद्ध होता है, नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। साथ ही समाज में एकता, भक्ति और सद्भाव की भावना भी प्रबल होती है। हवन के अंत में सामूहिक प्रार्थना कर देश और समाज की उन्नति की कामना की।

समाजसेवी दया शंकर शर्मा के निधन पर जताया शोक

तिलहर, अमृत विचार : समाजसेवी दया शंकर शर्मा का सोमवार को सुबह निधन हो गया। उनके पुत्र पत्रकार विवेक शर्मा अंशु ने बताया कि पिता को सुबह सांस लेने में दिक्कत हुई थी जिसके बाद वह उन्हें अस्पताल ले गए जहां उनका निधन हो गया। दोदराजपुर श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन पर विधायक सलोना कुशवाहा, सौरभ गुप्ता रवि, अनिरुद्ध यादव पहलवान, धर्मेंद्र वर्मा पप्पू, अनुराग मिश्रा, कुलदेव मिश्रा, राजा राम गुप्ता, अनुज यादव, वीनू सिंह, शीलेंद्र मोहन मिश्रा, विनोद सेठी विक्की, वारिस समेत अन्य रहे।

खेल स्पर्धा में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

संवाददाता, तिलहर

खेल स्पर्धा के दौरान भिड़ते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

● प्रतियोगिता में वालीबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, कुश्ती, जूडो आदि खेलों का हुआ आयोजन

अमृत विचार: युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से सोमवार को द रेनेसां एकेडमी स्कूल में विधायक खेल स्पर्धा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक सलोना कुशवाहा रहीं। छात्राओं ने ढोल-नगाड़ों व पुष्पवर्षा से उनका स्वागत किया।

विधायक ने छात्र-छात्राओं द्वारा प्रदर्शित कौशल की सराहना करते हुए कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, कुश्ती, जूडो और फुटबॉल सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर दमखम दिखाया। पूरे कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय युवक कल्याण अधिकारी शुभम सिंह ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक अशोक अग्रवाल, भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष संजय गुप्ता सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक व आमजन मौजूद रहे।

शारदा बैराज में कूदा युवक गोताखोरों ने बचाई जान

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● घर वालों से नाराज होकर जान देने के इरादे से निकला था युवक

अमृत विचार: थाना शारदा नगर के गांव कोठिया निवासी आदित्य वर्मा किसी घरेलू विवाद के कारण मानसिक रूप से परेशान था। वह सुबह बैराज पर पहुंच गया और उसने अचानक नदी में छलांग लगा दी।

लोगों ने उसे कूदते देखा तो आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। शारदा नदी के गहरे और तेज बहाव को देखते हुए मौके पर मौजूद लोगों को आशंका थी कि युवक बहाव में बह जाएगा, लेकिन किस्मत से वह बैराज के एक गेट में अटक गया। इस वजह से उसके डूबने की आशंका कम हुई। मौके पर मौजूद गोताखोरों ने तेजी दिखाते हुए बैराज में छलांग लगा दी और उसे रस्सा और बल्ली डालकर सावधानीपूर्वक युवक को कुछ मिनट के प्रयास के बाद बाहर निकाल लिया। प्रभारी निरीक्षक शारदानगर मनोज सिंह ने बताया कि युवक घरवालों से किसी बात से नाराज होकर बैराज में कूद गया था। समय रहते सूचना मिल गई और टीम ने उसे सुरक्षित निकाल लिया। अब उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

हादसे में युवक की मौत, पत्नी घायल

खमरिया, अमृत विचार: बहराइच जिले के सम्पतपुरवा नौगना थाना मूर्तिहा निवासी कुलदीप (30) पुत्र कैलाश अपनी पत्नी के साथ बाइक से कहीं जा रहे थे।

पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर थाना महरिया के निकट ही सोमवार को अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सवार छिटक कर दूर जा गिरे। हादसे में बाइक चला रहे कुलदीप की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर तमाम लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

अमृत विचार
MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गूदू का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

छात्रों को गुरु तेग बहादुर के बारे में दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: संजय कुमार सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में गुरु तेग बहादुर का 350वां बलिदान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, आचार्यों और अतिथियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में गुरुद्वारा श्री सिंह सभा जमौर से सतनाम सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महानगर कार्यवाह नवनीत त्रिपाठी तथा सह महानगर कार्यवाह रामकुमार उपस्थित रहे। उप प्रधानाचार्य बसंत कुमार त्रिवेदी ने गुरु तेग बहादुर का परिचय देते हुए उनके जीवन के प्रमुख प्रसंगों और औरंगज़ेब के अत्याचारों के विरुद्ध दिए गए अद्वितीय बलिदान का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार गुरु तेग बहादुर ने निर्भीक होकर देश की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा की। विद्यालय में बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसका संचालन आचार्य अनिल गौड़ और दिव्या मिश्रा ने किया। विद्यार्थियों ने अपने चित्रों के माध्यम से गुरु तेग बहादुर के त्याग, साहस और मानवता के संदेश को दर्शाया। कार्यक्रम का उद्देश्य गुरु तेग बहादुर की शिक्षाओं, बलिदान, साहस और देशभक्ति की भावना को विद्यार्थियों तक पहुंचाना रहा। अंत में नवनीत त्रिपाठी ने सभी का आभार जताया।

यूथ-इलेवन ने चौथे मुकाबले में जीत दर्ज की

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

मुमुक्षु क्रिकेट लीग के चौथे मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद ट्रॉफी लेते खिलाड़ी और उपस्थित शिक्षक। ● अमृत विचार

● मुमुक्षु क्रिकेट लीग में साइंस-इलेवन पर 37 रन से मिली बढ़त

अमृत विचार: स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज में चल रही मुमुक्षु क्रिकेट लीग के चौथे मुकाबले में यूथ-इलेवन ने साइंस-इलेवन को 37 रन से हराकर शानदार जीत अपने नाम की। स्थानीय मैदान पर खेले गए इस रोमांचक मैच में आखिर तक कड़ी टक्कर देखने को मिली।

टॉस यूथ-इलेवन ने जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। निर्धारित ओवरों में टीम 15.4 ओवर में 156 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में साइंस-इलेवन की टीम ने भी संघर्षपूर्ण खेल दिखाया, लेकिन 16 ओवर में 7 विकेट खोकर मात्र 119 रन ही बना सकी। इस प्रकार यूथ-इलेवन ने मुकाबला 37 रन से जीत लिया। मैच के दौरान कमेंट्रेटर की भूमिका में डॉ आलोक कुमार सिंह रहे। यूथ-इलेवन के खिलाड़ी वरुण कुमार ने 26 गेंदों पर 57 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली और गेंदबाजी में 4 ओवर में केवल 16 रन देकर 2 विकेट भी झटके। उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के चलते उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव डॉ अवनीश मिश्र, प्रो आलोक मिश्र, प्रो आदित्य कुमार सिंह, प्रो प्रभात शुक्ला, डॉ जयशंकर ओझा, प्रो देवेंद्र सिंह, प्रो अजीत सिंह चारग, डॉ मृदुल पटेल और डॉ प्रांजल शाही सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने ली सेवा की शपथ

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

कैडेवरिक ओथ सेरेमनी के दौरान मृत देह को श्रद्धांजलि अर्पित करते छात्र और संकाय सदस्य। ● अमृत विचार

● वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज में नवप्रवेशी छात्रों ने मृत देह को प्रथम गुरु मानकर किया नमन

● वक्ताओं ने छात्रों को मानव शरीर के प्रति सम्मान और करुणा का दिया संदेश

अमृत विचार: वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रुहेलखंड अस्पताल, बंथरा में 24 नवंबर को अत्यंत गरिमामय वातावरण में कैडेवरिक ओथ सेरेमनी का आयोजन किया गया। एनाटॉमी विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम एमबीबीएस सत्र 2025-26 के नव प्रवेशी छात्रों के लिए उनके चिकित्सा जीवन का पहला और महत्वपूर्ण अध्याय साबित हुआ, जहां उन्होंने अपने प्रथम गुरु यानी कैडेवर के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने की शपथ ली।

विच्छेदन कक्ष को इस अवसर पर पूर्णतः पवित्र स्थल का रूप दिया गया था। धूप, पुष्प और मौन श्रद्धा के बीच छात्रों ने उन देह दानियों को नमन किया जिन्होंने मृत्यु के बाद भी चिकित्सा विज्ञान और समाज के लिए अपना शरीर समर्पित किया। कार्यक्रम वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज के डीन और प्रधानाचार्य डॉ कर्नल आरएन शुक्ला तथा एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ के पी निराला के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

समारोह में वाइस प्रिंसिपल डॉ संथाना कृष्णन, बायोकेमिस्ट्री विभागाध्यक्ष डॉ तिम्माराजू और फिजियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ जे के वाजपेयी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने छात्रों को चिकित्सा क्षेत्र में नैतिकता, करुणा और मानवीय गरिमा को सर्वोपरि रखने का संदेश दिया। एनाटॉमी विभाग की प्रोफेसर डॉ अमृता गुप्ता ने देहदान के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का मुख्य क्षण तब आया जब सभी छात्रों ने एक साथ खड़े होकर कैडेवरिक ओथ ली। छात्रों ने अनुशासन, सम्मान, गोपनीयता और मानवता की भलाई के लिए ज्ञान का उपयोग करने का संकल्प दोहराया। पूरे हॉल में गंभीरता और भावनात्मक शांति का वातावरण व्याप्त रहा। समापन पर सभी छात्रों, संकाय सदस्यों और अतिथियों ने कैडेवर पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। यह दृश्य अत्यंत भावुक था, जिसमें छात्रों की आंखों में कृतज्ञता और मन में सेवा का संकल्प स्पष्ट दिखाई दिया। यह आयोजन न केवल भावी चिकित्सकों की शिक्षा का प्रारंभिक संस्कार बना, बल्कि उन्हें अच्छे इंसान बनने की दिशा में भी प्रेरित करता रहा।

सपा जिला अध्यक्ष ने लोगों को किया जागरूक

मतदाता शिविर में पहुंचकर जागरुक करते सपा जिला अध्यक्ष तनवीर खान।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश में 4 नवंबर से शुरू हुई विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत महानगर के कई क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसी क्रम में सपा जिला अध्यक्ष और पूर्व चेयरमैन तनवीर खान ने मोहल्ला महमन्द जलालनगर, महमन्द हदफ़, चौकाला खां, तारीन टिकली और झंडा कला में पहुंचकर विभिन्न बूथों के बीएलओ से मुलाकात की और कैंपों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदाताओं को सूची में नाम जोड़ने, संशोधन कराने और पात्र नागरिकों को मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में सपा अल्पसंख्या सभा के प्रदेश प्रमुख महासचिव सैयद रिजवान अहमद, सपा नगर विधानसभा अध्यक्ष अतिउल्ला सिद्दीकी, पूर्व सभासद हाजी कमर अख्तर शब्बू खान, अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव नाजिम फारुकी समेत अन्य रहे।

न्यूज ब्रीफ

मारपीट कर मोबाइल व रुपये लूटने का आरोप

सहसवान, अमृत विचार : सहसवान कोतवाली क्षेत्र के गांव सिलहरी निवासी बृजेश भारद्वाज पुत्र भगवानदास शर्मा ने सीओ और प्रभारी निरीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह अपने गांव से गांव काकसी जा रहे थे। रास्ते में एक व्यक्ति ने अपने दो बेटों के साथ उन्हें घेर लिया। गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। उनका मोबाइल फोन और 22 हजार रुपये लूट लिए। शिकायत के बाद भी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई न होने पर वह मुख्यमंत्री के सामने पेश होकर शिकायत करेंगे।

पंचायत घर का इनवर्टर और बैटरी चोरी

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के सिमर्रा भोजपुर स्थित पंचायत घर का चोरों ने ताला तोड़ा और इनवर्टर, बैटरी और अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया। रविवार रात हुई इस वारदात का पता सोमवार सुबह चला जब ग्राम प्रधान और ग्रामीण पंचायत भवन पहुंचे। ग्राम प्रधान पति हरिनंदन शाक्य ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

घर में घुसकर मारपीट एसएसपी से शिकायत

विजय नगला, अमृत विचार : कुछ लोगों ने घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट की। पीड़िता ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देकर दिया है। थाना बिनावर क्षेत्र के गांव बिनावर निवासी मोरकली पत्नी रूपराम उर्फ रामरतन ने बताया कि पति टेंपो चलाकर परिवार का पालन पोषण करते हैं। 14 नवंबर को सुबह करीब 7 बजे घर पर अकेली थी। इसी दौरान पांच लोग लाठी-डंडे लेकर घर में घुस आए। गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। महिला चोटिल हो गई। उसके कपड़े भी फट गए। शोर सुनकर महिला का बेटा आ गया। आरोपी अगली बार देख लेने की धमकी देकर भाग गए। शिकायत के बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। जिसकी वजह से आरोपियों के हौसले बुलंद हैं। वह आए दिन महिला को गाली देते हैं।

शहर में दिन भर लगता रहा जाम

रेंगते रहे वाहन, यातायात व्यवस्था चौपट, ट्रैफिक पुलिस को करनी पड़ी कड़ी मशक्कत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : पूरा शहर सोमवार को जाम के झाम में फंसा रहा। बाहर से आने वाले वाहन शहर में जाम के चलते रेंगते नजर आए। कुछ सड़कों पर जाम घंटों तक रहा। इससे ट्रैफिक पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। जाम के चलते शहरी यातायात भी प्रभावित हुआ।

आज 8 आठ बजे से सड़कों पर वाहनों को रेला शुरू हो गया। 9 बजे तक स्कूली वाहनों के चलते फर्रुखाबाद रोड पर ओवरब्रिज के निकट जाम लगा। दर्जनों बसें जाम में फंसी रहीं। जाम के चलते स्कूलों बसों को काफी देर बाद निकाला जा सका। पुलिस लाइन चौराहे से इंदिरा चौक तक पूरा रोड जाम रहा। सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक वाहन रेंगते हुए आगे बढ़ रहे थे। जाम से रोडवेज की बसों को अधिक परेशानी हुई। ऑटो और ई-रिक्शा चालकों ने जगह जगह अपने वाहन बेतरतीब खड़े कर दिए जिस कारण यातायात बाधित रहा। इंदिरा चौक पर ट्रैफिक पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर जाम खुलवाया। यहां पर बरेली, मुरादाबाद व आंवला जाने वाली बसें जाम में करीब 40 मिनट तक फंसी रहीं। शहरी लोगों को भी इधर से उधर आने जाने में परेशानी हुई। इसी तरह रोडवेज से कलेक्ट्रेट तक बसों को रोक रोक कर निकाला गया। सड़क पर मिट्टी का ढेर लगा होने से जगह कम थी इसलिए पुलिस ने रोड पर एक एक वाहन को पास कराय। इस रोड पर सबसे अधिक शहरी लोगों को परेशानी हुई। हालांकि आगरा कासगंज दिल्ली जाने वाली बसों को जाम से दिक्कत हुई। कलेक्ट्रेट से लालपुल पुलिस चौकी तक भी रोड पर भीड़ के चलते वाहन रेंगते रहे। इससे बाइक चालक शहर के अंदर की गलियों से इधर उधर निकल सके। लालपुल चौराहे तक दोपहर तक जाम की स्थिति बनी रही।

इंदिरा चौक-पुलिस लाइन के बीच लगा जाम। ● अमृत विचार

बेलगाम दौड़ते रहे ऑटो और ई-रिक्शा

सोमवार को शहर के बाजारों में भी भीड़ रहती है जिससे सड़कों पर ऑटो और ई रिक्शा परेशानी पैदा करते हैं। ऑटो ई रिक्शा बेतरतीब सड़कों पर इधर उधर खड़े कर दिए जाते हैं जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अब शहर के सभी बाजारों के अंदर तक ऑटो दौड़ रहे हैं जिससे बाजार आने जाने वालों को परेशानी होती है।

दातागंज चौराहे से इंदिरा चौक तक करीब एक किलो मीटर रास्ता आधा घंटे में तय किया गया। बस चालकों ने बताया कि हर ओर जाम की दिक्कत रही। जिससे वह एक से डेढ़ घंटा देरी से गंतव्य तक पहुंच सके। बरेली रोड पर नवादा चौकी के सामने पुलिस ने सुबह से ही मुस्तैदी से वाहनों को रोक कर पास कराया। जिससे बरेली और मुरादाबाद को जाने वाली रोडवेज की बसें निकल सकीं।

स्वावलंबी बनाने का संकल्प है आत्मनिर्भर भारत अभियान : जिला पंचायत अध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

सम्मेलन मे मातृ शक्ति को संबोधित करतीं जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव।

● उझानी व कछला में आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी संकल्प महिला मोर्चा सम्मेलन का किया आयोजन

अमृत विचार : विकास खंड उझानी और नगर पंचायत कछला में आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी संकल्प महिला मोर्चा सम्मेलनों का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए मातृ शक्ति को जागरूक किया। कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान देश को आर्थिक और तकनीकी रूप से स्वावलंबी बनाने का संकल्प है। स्वदेशी संकल्प स्थानीय उत्पादों, कौशल और उद्योगों को बढ़ावा देने की प्रेरणा देता है।

कहा कि अभियान का उद्देश्य देश की उत्पादन क्षमता बढ़ाना, रोजगार सृजित करना और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत को मजबूत बनाना है। आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी संकल्प देश को आत्मविश्वास, स्वावलंबन और विकास की राह पर आगे बढ़ाते हैं। स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर और स्थानीय उद्योगों को समर्थन देकर हम आर्थिक मजबूती में योगदान देते हैं। अगर हर नागरिक लोकल को वोकल बनाए तो भारत निश्चित ही आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र बन सकता है। ब्लॉक प्रमुख उझानी शिशुपाल शाक्य, पूनम शर्मा, राधिका गुप्ता, सीमा उपाध्याय, बीना यादव, ललिता यादव, चंद्रकला यादव आदि उपस्थित रहे।

कचहरी रोड पर खोदाई से यातायात बाधित

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : चैंबर में बैठने वाले प्रत्येक वकील को बिजली का कनेक्शन दिया जाएगा। बिजली पहुंचाने के लिए विभाग के कर्मचारी केवल डाल रहे है। केवल डालने के लिए डिवाइडर के निकट नाली खोदने का काम शुरू कर दिया गया है। जिस कारण सोमवार को यातायात बाधित रहा।

कचहरी स्थित पुरानी बिल्डिंग के सामने करीब 50 से अधिक वकीलों ने चैंबर बना लिए हैं, लेकिन इन चैंबरों में बिजली नहीं होने से उन्हें परेशानी होती है। जिन वकीलों ने महाराणा प्रताप चौक से लेकर रजिस्ट्री कार्यालय तक अपने चैंबर बना लिए हैं उनमें बिजली कनेक्शन नहीं है। वकीलों ने विद्युत विभाग से कनेक्शन लेने को प्रार्थना पत्र दिए थे। बिजली विभाग ने इस रोड पर बिजली कनेक्शन देने के लिए अंडर लाइन केबल डालने का निर्णय लिया। इसके लिए सोमवार को डिवाइडर के निकट सड़क की खुदाई की गई और नाली बनाई गई है। विद्युत कर्मियों के अनुसार इसी नाली में बिजली का केबल डाला जाएगा और उसी से प्रत्येक चैंबर तक बिजली पहुंचाई जाएगी। विभाग का कहना है कि केबल पड़ जाने के बाद वकीलों को कनेक्शन देने में दिक्कत नहीं होगी। उधर, कलेक्ट्रेट चौराहे से मुख्य डाकघर तक बने चैंबरों में बिजली कनेक्शन हैं जिससे उधर के वकीलों को अपने लैपटॉप कम्प्यूटर प्रिंटर चलाने में कोई दिक्कत नहीं होती है। करीब दो दर्जन से अधिक चैंबर इधर बने हैं जिनमें पिछले साल केबल डाल कर कनेक्शन दिए गए थे। इस बार जिला अस्पताल रोड पर बने चैम्बरों को बिजली देने का काम किया जा रहा है। बिजली विभाग का कहना है कि दो दिन के अंदर केबल डाल दी जाएगी और नाली को बंद कर दिया जाएगा। नाली की खुदाई होने से नाली की मिट्टी सड़क पर ही पड़ी रही जिससे इस रोड का यातायात बाधित रहा। जगह कम होने के कारण वाहन दिन भर रेंगते रहे।

कचहरी रोड पर खुदाई कर बनाई नाली।

कर्मियों ने पानी का पाइप किया ठीक

रजिस्ट्री कार्यालय के निकट बीच सड़क पर नगर पालिका के पानी का पाइप लीक हो गया जिससे पानी बहता रहा। पालिका कर्मियों ने सोमवार को सड़क की खुदाई कर पाइप की लीकेज बंद की जिससे रोड पर आने जाने वालों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। पालिका कर्मियों ने कहा कि पाइप की लीकेज बंद कर दी गई है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

पुलिस हिरासत में आरोपी।

बिल्सी, अमृत विचार : बिल्सी पुलिस ने सोमवार को नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना तकरीबन डेढ़ महीने पहले हुई थी। तब से पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। सोमवार को महिला उपनिरीक्षक रचना देशवाल ने उसे बिल्सी में बदायूं स्टैंड के पास से पकड़ा।

कोतवाल मनोज कुमार सिंह ने बताया कि नगर की रहने वाली एक नाबालिग लड़की को थाना मुजरिया क्षेत्र के गांव मिश्रीपुर मुकईया निवासी विक्की उर्फ नवाब सिंह बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। आरोप है कि उसने नाबालिग के साथ दुष्कर्म भी किया। घटना के बाद से ही पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। मुखबिर की सूचना पर सोमवार को आरोपी पकड़ा गया है।

कुत्तों को बचाने में खंती में गिरी कार, तीन घायल

संवाददाता, बितरोई

हादसे के बाद मौजूद पर लगी राहगीरों की भीड़ और कार को बाहर निकालता ट्रैक्टर।

● मुजरिया-बितरोई मार्ग स्थित गांव ज्योरा के पास हुआ हादसा

अमृत विचार : सड़क पर आए कुत्तों को बचाने के चक्कर में सोमवार सुबह लगभग साढे.9 बजे मुजरिया-बितरोई मार्ग स्थित गांव ज्योरा के पास एक कार अनियंत्रित होकर खंती में पेड़ से टकरा गई। हादसे में तीन लोग घायल हो गए।

हरिद्वार निवासी जसवंत पुत्र छोटे लाल बहनोई के निधन पर गमी में शामिल होने के लिए बेटे जसवंत सिंह और लाडली देवी के साथ से ग्वालियर जा रहे थे। गांव ज्योरा के पास पहुंचे पर सड़क पर कुत्तों का झुंड आ गया। कुत्तों को बचाने के चक्कर में मोड़ने के दौरान कार अनियंत्रित हो गई। सड़क से नीचे जाकर जामुन के पेड़ में जा घुसी। कार सवार तीनों लोग घायल हो गए। कार का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। राहगीरों ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। कुछ ही समय के बाद मुजरिया पुलिस मौके पर पहुंची। ट्रैक्टर की मदद से कार को खंती से बाहर निकाला। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग पर छुट्टा पशुओं और कुत्तों के झुंड की वजह से अक्सर ही हादसे होते रहते हैं। मुजरिया की प्रभारी निरीक्षक ज्योति सिंह ने बताया घायलों का उपचार करा दिया गया है।

बंदरों के डर से छत से गिरी महिला घायल

बदायूं, अमृत विचार : बंदरों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। बंदरों की वजह से लोग आए दिन हादसे का शिकार बनते जा रहे हैं। रविवार को बंदरों की वजह से एक महिला छत से नीचे गिर गई। उझानी के मोहल्ला बहादुरगंज निवासी नईमां कपड़े सुखाने के लिए छत पर गई थीं। इसी दौरान बंदरों का झुंड छत पर आ गया। वह डर गईं और बंदरों से बचने के लिए छत से भागी। सीढ़ी से उतरते समय उनका पैर फिसल गया। वह नीचे जा गिरी और गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजन उन्हें सीएचसी ले गए। हालत जहां से जिला अस्पताल भेजा गया है।

कादरचौक नखासे में पशु क्रूरता पर सख्ती

पुलिस की मौजूदगी में वाहन में पशुओं को भरते व्यापारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, कादरचौक

● पशु चिकित्साधिकारी और थाना प्रभारी ने किया निरीक्षण

अमृत विचार : पशु नखासों से खरीदे गए पशुओं पर हो रही क्रूरता को गंभीरता से लेते हुए पशु चिकित्सा प्रभारी नेमपाल गंगवार ने सोमवार को पशु नखासा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पशुओं से भरे वाहनों को चेक कर वाहन स्वामियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नियमों का पालन करते हुए ही पशुओं का वाहनों में भरें।

कादरचौक में सोमवार को पशु नखासा लगता है। नखासे में बाहर के व्यापारी पशुओं को खरीद कर वाहनों में ठूंस कर ले जाते हैं जिससे पशु घायल भी हो जाते हैं। इसको लेकर पशु प्रेमियों ने पिछले दिनों नखासा मालिक और पुलिस से बात की थी। साथ ही अधिकारियों को भी पशु क्रूरता के बारे में अवगत कराया था। इसको लेकर सोमवार को थाना पुलिस और पशु चिकित्सा अधीक्षक ने नखासे का निरीक्षण किया। वाहनों में भरे जा रहे पशुओं को चेक किया। पशु चिकित्सा प्रभारी ने नेमपाल ने बताया कि एक मालवाहक वाहन में छह से अधिक मवेशी नहीं ले जाए जा सकते। वाहन के आगे और पीछे एनिमल करियर (पशु वाहक) लिखा होना अनिवार्य है। बीमार, घायल, नवजात, अंधे या अत्यधिक थके हुए पशुओं को ले जाना प्रतिबंधित है। हर पशु के लिए कम से कम 2 मीटर स्थान होना चाहिए। कादरचौक थाना प्रभारी विक्रम सिंह ने कहा कि यदि किसी वाहन में पशुओं को क्रूरता से ठूंसकर ले जाता पाया गया, तो वाहन स्वामी और संचालक पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट बरेली

सार्वजनिक सूचना
यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सुश्री विनीता देवी पत्नी श्रीपाल एक आवासीय भवन क्रय कर रही है, जो मौज़ा नवादा जोगियाँ, तहसील एवं जनपद बरेली में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 63.54 वर्ग मीटर है। उक्त संपत्ति की खरीद हेतु ऋण गृह ऋण लिमिटेड से लिया जा रहा है। इस संबंध में एक विक्रय विलेख श्री सोहन पाल पुत्र श्री खमानी लाल द्वारा श्री रंजीत सिंह राठौर पुत्र श्री वीरेंद्र स्वरूप के पक्ष में निष्पादित की गई थी, जो कि उप पंजीयक, सदर द्वितीय बरेली के दिनांक 21.11.2024 वही संख्या 1 जिल्द संख्या 15960 पेज संख्या 335 से 350 क्रमांक 18469 में रजिस्ट्री हुई। यदि किसी व्यक्ति या संस्था को उपर्युक्त संपत्ति, विलेख या स्वामित्व से संबंधित कोई आपत्ति, दावा या अधिकार हो, तो इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में अवगत कराएं। नियत अवधि के बाद आपत्तियों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जाएगा।
Sonu Singh Yadav, Advocate, Sewa Grih Rin Ltd., Contact No. 9324585156

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मो. ताज व पुत्रवधु नेहा को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **नूर जहाँ पत्नी अकील अहमद निवासी मोहल्ला हजियापुर चाँद साबरी कब्बाल गली थाना बारादरी जिला बरेली।**

D.EL.ED (BTC) सीधे प्रवेश
राफ़िआह कॉलेज ऑफ एजुकेशन
पताः- निकट डाक बंगला बिसौली रोड, सहसवान (बदायूं)
शासनादेश सं0 1169/ अरसठ- 4-2025-2067/2013 बेसिक शिक्षा अनुभाग- 4 - दिनांक 12 नवम्बर 2025 प्रवेश की कार्यवाही हेतु शासनादेश संख्या-828 अरसठ- 4- 2025- 2067 2025 बेसिक शिक्षा अनुभाग-4 D.EL.ED पूर्व (BTC) प्रशिक्षण सत्र-2025-27, में सीधे प्रवेश हेतु अल्पसंख्यक अभ्यार्थी संस्थान की वेबसाइट www.rcegroup.org पर आवेदन आमंत्रित है।
सम्पर्क सूत्र- 9999736330, 8859563997, 9999098111

सूचना
मैनें एक प्लाट ग्रेटर नोएडा इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी से क्रय किया था। प्लाट नं. 41 ब्लॉक-ए, सेक्टर- पी4 और एलॉटमेंट नं. UPG0158137 है। उक्त प्लाट का लीज़ डीड क्र0- 12846/07 है। उक्त प्लाट के लीज़ डीड के मूल अभिलेख मुझसे कहीं खो गये हैं। जिसमें एलॉटमेंट पत्र भी खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिले। **दिनेश चन्द्र पुत्र श्री सुरेश चन्द्र वर्मा निवासी बी-5, जगदीश विहार, राजेन्द्र नगर, जिला बरेली**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल
विशाल चिकित्सा शिविर
हड्डी रोग विभाग | स्त्री रोग विभाग | बाल रोग विभाग
शल्य रोग (सर्जरी) विभाग | मेडिसिन विभाग | चेस्ट एवं टी.बी. विभाग
नेत्र रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | चर्म रोग विभाग | नाक, कान, गला रोग विभाग
यह सुविधा 10 नवम्बर 2025 से प्रारंभ
समस्त रोगों के इलाज की उच्च स्तरीय सुविधाएं
रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 50/- रुपये
डॉक्टर द्वारा परामर्श मुफ्त
भर्ती एवं पलंग मुफ्त
मुफ्त सामान्य ऑपरेशन (दवाओं का खर्च अतिरिक्त)
नार्मल व सिजेरियन डिलीवरी मुफ्त (दवाओं का खर्च अतिरिक्त)
भर्ती मरीजों का एक्स-रे मुफ्त
भर्ती मरीजों की सामान्य जांचें मुफ्त
भर्ती मरीजों का अल्ट्रासाउंड मुफ्त
भर्ती मरीजों का एमआरआई ब्रेन- रु. 2000/- एमआरआई स्पाईन- रु. 3000/- सीटी हेड- रु. 800/-
भर्ती मरीजों की दवाईयां भारी छूट पर
70 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों के लिए मुफ्त आयुष्मान कार्ड बनवाने एवं मुफ्त उपचार की सुविधा।
(आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के लिए निःशुल्क कार्ड एवं निःशुल्क चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध)
परिवार स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा मात्र 200 रुपए में 1 वर्ष के लिए उपलब्ध।
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल
NH-30, बन्थरा, शाहजहाँपुर, उ.प्र.-242307
मो.नं : 05842-297260, 05842-297360, 7521001988, 7521001989

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल
N.H.-30, बंथरा, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश
Radiation Oncology Department
Cancer Facilities (कैंसर उपचार एवं सुविधाएं)
कैंसर की सटीक जाँच (Accurate Diagnosis)
नवीनतम तकनीक द्वारा कैंसर की प्रारंभिक एवं सटीक पहचान की सुविधा
● बायोप्सी
● रेडियो इमेजिंग (CT, MRI)
● ब्लड मार्कर जाँच

कीमोथेरेपी (Chemotherapy)
● सभी प्रकार के कैंसर की कीमीथेरेपी द्वारा उपचार की पूर्ण व्यवस्था
कैंसर की पूर्ण देखभाल (Comprehensive Cancer Care)
● कैंसर रोगियों के लिए पोषण, काउंसलिंग एवं पुर्नवास सहायता
● व्यक्तिगत (Individualised) उपचार योजना
रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट परामर्श उपलब्ध
● कैंसर के हर चरण के लिए सही मार्गदर्शन व उपचार योजना उपलब्ध।
(प्रतिदिन ओ.पी.डी. कमरा नं. 171 में प्रातः 9:00 से सायं 4:00 बजे तक)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- 7521001988, 7521001989

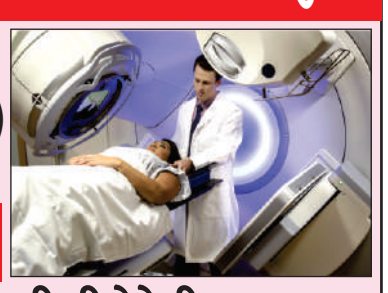

अमृत विचार
बरेली, मंगलवार 25 नवंबर 2025

अलविदा वीरू...

जन्म: 8 दिसबंर 1935 ■ निधन: 24 नवंबर 2025

तोड़ेंगे दम मगर, तेरा साथ न छोड़ेंगे...

विशेष डेस्क

अमृत विचार। मुंबई के फिल्म स्टूडियो की चमकती रोशनियों ने कई चेहरों को स्टारडम दिया, लेकिन कुछ नाम ऐसे हैं जो सिर्फ सितारा नहीं बने, बल्कि कई पीढ़ियों के दिलो-दिमाग में गहरे उतर गए। धर्मेंद्र एक ऐसे ही अलेबेले अभिनेता थे। ही-मैन के नाम से मशहूर बॉलीवुड के इस सुपर स्टार की मुस्कान में अगर गांव की मिट्टी की महक थी, तो चाल में पंजाब के किसी फौजी जैसी चौकसी और आंखों में एक ऐसा अपनापन कि दर्शक उनके किरदार में खुद को परदे पर खोजने लगते थे। संवाद अदायगी का उनका अपना अंदाज, अभिनय में सादगी के साथ मर्दानगी की मिसाल ने लोगों को धर्मेंद्र का दीवाना बना दिया था।

बॉलीवुड के बीते छह दशक से ज्यादा के सफर में पांच दशक तक 300 से ज्यादा फिल्मों वाले शानदार करियर की बदौलत किसी बादशाह की तरह लोगों के दिलों पर राज करने वाले दिलदार स्वभाव और बेजोड़ शख्सियत वाले धर्मेंद्र ने अभी 8 नवंबर को ही अपना 89वां जन्मदिन मनाया था। इसके दो दिन बाद ही उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन फिल्म शोले में बसंती के लिए पानी की टंकी पर चढ़कर जान देने की जानदार एक्टिंग करने वाले धर्मेंद्र जिस तरह फिल्म में मरना कैसिंल करके टंकी से नीचे उतर आए थे, उसी तरह मौत को मात देकर घर आ गए थे। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था, जिसने हिंदी सिनेमा के इस लेजेंड को 24 नवंबर को दुनिया को अलविदा कहने के लिए मजबूर कर दिया।

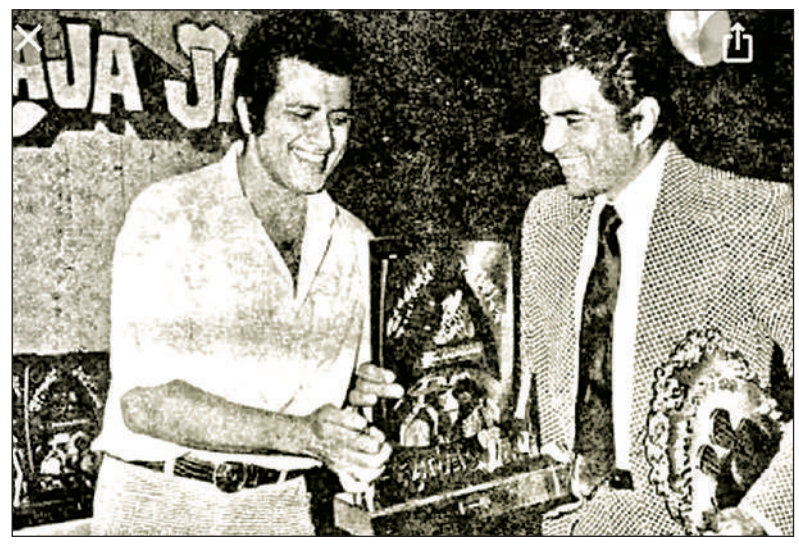

मनोज कुमार न रोकते तो पंजाबी जट्ट धर्मेंद्र नहीं बन पाते

धर्मेंद्र के फिल्मी हीरो बनने की कहानी बड़ी दिलचस्प है। बात साल 1960 की है। पंजाब के एक छोटे से गांव का एक सीधा-सादा लड़का स्क्रीन पर दिलीप कुमार को देखकर हीरो बनने का सपना पाल बैठा था। लेकिन एक स्कूल मास्टर के बेटे के लिए ये सपना पूरा करना आसान नहीं था, यह जानते हुए भी इस पंजाबी जट्ट ने अटैची उठाई और पहुंच गया मायानगरी मुंबई। यह वह दौर था जब फिल्म इंडस्ट्री में "हीरो" की परिभाषा सिर्फ खूबसूरत चेहरे और नपे-तुले एक्शन तक सीमित थी। लेकिन धर्मेंद्र ने जल्दी ही इसे बदल दिया। उन्होंने हीरो को इंसान बनाया, और इंसान को हीरो की ऊंचाई दी। लेकिन इससे पहले उन्हें मुंबई में खासा संघर्ष करना पड़ा। उस समय फिल्म स्टूडियो के बाहर काम मिलने के इंतजार में लाइन लगानी पड़ती थी। कई बार सड़क पर सोने की नौबत आ जाती थी। ऐसे में थक-हारकर धर्मेंद्र ने एक दिन ट्रेन पकड़कर वापस पंजाब जाने का फैसला ले लिया। लेकिन किस्मत को तो कुछ और ही मंजूर था। पंजाब से ही अभिनेता बनने आए मनोज कुमार से मुलाकात हो गई। उन्होंने वापस जाने से रोक लिया और हौसला बढ़ाया तो धर्मेंद्र ने कुछ दिन और रुकने का फैसला किया। इसके बाद निर्देशक बिमल रॉय ने सबसे पहले धर्मेंद्र को स्पॉट किया। फिर तो एक दिन जिस अभिनेता देव आनंद को धर्मेंद्र पर्दे पर देखते थे, उन्होंने उन्हें अपने मेकअप रूम में बुलाया और आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट किया।

- **बिमल रॉय की बंदिनी से मिला ऐसा ब्रेक फिर रुका नहीं सफर** अर्जुन हिंगोरानी ने अपनी फिल्म 'दिल भी तेरा, हम भी तेरे' से धर्मेंद्र को ब्रेक दिया। लेकिन उनकी यह पहली फिल्म बस आई-गई जैसी हो गई। हालांकि उनकी दूसरी फिल्म 'शोला और शबनम' कामयाबी की कहानी लेकर आई। इसके बाद उनकी कुछ और फिल्में भी चलीं, लेकिन बड़ा कमाल हुआ उन्हीं बिमल रॉय की फिल्म से, जिन्होंने धर्मेंद्र को अपनी अभिनेता प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में स्पॉट किया था। अपने जमाने के आइकॉनिक फिल्ममेकर बिमल ने धर्मेंद्र को 'बंदिनी' (1963) में कास्ट किया। अशोक कुमार और नूतन के लीड वाली इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड मिला और लोगों ने धर्मेंद्र के काम को भी जमकर सराहा।
- **आई मिलन की बेला, हकीकत, काजल फूल और पत्थर से दिलों में बनाई जगह:** 'आई मिलन की बेला' (1964) के लिए धर्मेंद्र को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में नॉमिनेशन मिला। उसी साल आई देश की चीन के साथ युद्ध पर बनी पहली फिल्म 'हकीकत' से बड़ी पहचान मिली। 1965 में मल्टीस्टारर 'काजल' हिट होने का धर्मेंद्र को बड़ा फायदा मिला। 'फूल और पत्थर' (1966) में उन्हें लीड रोल मिला और फिल्म खूब चली। इसी साल उनकी 'देवर', 'ममता', 'आए दिन बहार के' और 'अनुपमा' भी बाक्स आफिस पर हिट साबित हुईं। 70 का दशक शुरू होने तक धर्मेंद्र स्टार बन चुके थे। अब जैसे सुपरस्टारडम उनका इंतजार कर रहा था।
- **और 70 तथा 80 के दशक ने बना दिया सुपरस्टार:** 70-80 के दशक में धर्मेंद्र बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार थे। इस दौर में उन्होंने कई हिट और यादगार फिल्में दीं, जैसे 'मेरा गांव मेरा देश', 'शोले', 'धरमवीर', 'यादों की बारात', 'लोफर', जुगनू, 'यादों की बारात' और 'प्रतिज्ञा' आदि। इस समय वह इंडस्ट्री के सबसे रोमांटिक और एक्शन हीरो में से एक थे और उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफलता की गारंटी थीं। इस दौर में हर निर्देशक और अभिनेत्री उनके साथ काम करना चाहती थीं।

कुछ यादगार फिल्में

- फूल और पत्थर (1966): जिसने उन्हें स्टार बना दिया
- सत्यकाम (1969) को सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस में गिना जाता है
- शोले (1975): भारतीय सिनेमा का यादगार स्तंभ
- चुपके-चुपके (1975): हिंदी कॉमेडी का स्वर्ण अध्याय
- धर्मवीर, काला सोना, सीता और गीता, यकीन, रजिया सुल्तान

1987 में सात हिट फिल्में

- साल 1987 धर्मेंद्र के लिए सबसे लकी साबित हुआ। इस साल उनकी सात फिल्में हिट हुईं। इसके चलते धर्मेंद्र डायरेक्टर्स के फेवरेट बन गए थे। 1987 में हिट हुई इन 7 फिल्मों ने धर्मेंद्र को एक नई पहचान दी थी। ये 7 फिल्में थीं, 'इंसानियत के दुश्मन', 'हुकूमत', 'लोहा', 'आग ही आग', 'मर्द की जुबान', 'वतन के रखवाले' और 'दादागिरी', इन सभी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी।

भाजपा से खुद और पुत्र सांसद रहे ,हेमा मालिनी तीसरी बार चुनी गईं

- हेमा मालिनी ने 2004 में भाजपा की सदस्यता ली तो कुछ दिनों बाद धर्मेंद्र भी भाजपा में आ गए। पार्टी ने उन्हें बीकानेर से टिकट दिया। धर्मेंद्र ने 15वीं लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी से राजस्थान के बीकानेर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। संसद में वो दिखते कम थे, इस बात की आलोचना हुई। आखिरकार, 2009 में उन्होंने पॉलिटिक्स छोड़ दी। बाद में धर्मेंद्र ने कहा कि उन्हें पॉलिटिक्स की ए-बी-सी-डी भी नहीं आती है। राजनीति की भाषा, उसके तौर-तरीके और उसके लोग उन्हें रास नहीं आए। उन्हें 2012 में भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उनके पुत्र सनी देओल भी सांसद रह चुके हैं, उन्होंने 2019 से 2024 तक भाजपा सदस्य के रूप में पंजाब के गुरदासपुर का प्रतिनिधित्व किया था, जबकि धर्मेंद्र की पत्नी उत्तरप्रदेश के मथुरा से भाजपा सासंद के रूप में तीसरी बार पिछले साल चुनी गई थीं।

"शोले" का वीरू जो रोता भी है, टूटता भी है, प्यार भी करता है

- धर्मेंद्र ने परदे पर सिर्फ किरदार नहीं निभाए, उन्होंने भारतीय दर्शक के दिल के भीतर अपना घर बनाया। उनकी फिल्मों में मजबूती है, पर उनकी आंखों में नरमी। उनके संवाद दमदार हैं, पर व्यवहार में, यही कारण है कि धर्मेंद्र सिर्फ हिंदी सिनेमा के अभिनेता नहीं, एक ऐसा युग हैं, जिसे कोई बदल नहीं सकता। "अनुपमा" में उनकी संवेदनशीलता, "सत्यकाम" में नैतिकता की आग, "चुपके-चुपके" में मासूम कॉमेडी और "शोले" का वीरू—जो रोता भी है, टूटता भी है, प्यार भी करता है, भला कौन भूल सकता है। हेमा मालिनी के साथ तो उनकी केमिस्ट्री इतनी स्वाभाविक थी कि परदे पर आते ही जैसे कहानी खुद-ब-खुद खिल उठती थी।

प्रकाश कौर से हुई थी पहली शादी, जिनसे दो बेटे और दो बेटियां

- धर्मेंद्र की पहली शादी 1954 में 19 साल की उम्र में प्रकाश कौर से हुई थी। इस शादी से उनके दो बेटे हुए, सनी देओल और बॉबी देओल। इनके साथ ही दो बेटियां विजेता और अजिता भी हैं। अभिनेता अभय देओल उनके भतीजे हैं। 1880 में धर्मेंद्र ने अभिनेत्री हेमा मालिनी से शादी कर ली थी। इस शादी से उन्हें दो बेटियां ईशा देओल और आहाना देओल हैं।

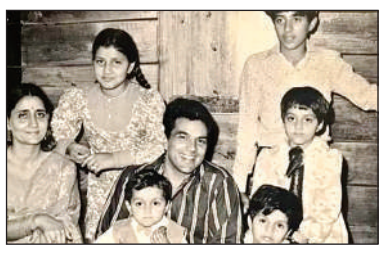

धरम पाजी के साथ एक युग का जाना

- धर्मेंद्र की फिल्मों को देखकर हमने सीखा कि हीरो होना सिर्फ लड़ने की कला नहीं, बल्कि इंसान की अच्छाई की जीत है। धर्मेंद्र वह सितारा हैं जिनकी चमक सिर्फ परदे तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों की यादों, कहानियों और मोहब्बतों में रच-बस चुकी है। इसलिए धर्मेंद्र जैसे सितारे कभी खत्म नहीं होते, वे हर पीढ़ी के दिलों में दोबारा जन्म लेते हैं।

प्रदेश

जंबूरी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव

भारत स्काउट एंड गाइड की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का राज्यपाल ने उद्घाटन कर बच्चों की हौसलाअफजाई की

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भारत स्काउट एंड गाइड की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का उद्घाटन सोमवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। राज्यपाल ने डिफेंस एक्सपो ग्राउंड वृंदावन योजना में आयोजित उद्घाटन समारोह में देश-विदेश से आये स्काउट-गाइड्स के उत्साह, अनुशासन और प्रस्तुतियों की सराहना की।

राज्यपाल ने बच्चों की हौसलाअफजाई की और कहा कि आपकी ऊर्जा गर्व का अनुभव कराती है। बच्चों की प्रस्तुतियों को देख प्रफुल्लित हुईं राज्यपाल ने कहा कि आप सभी को देखकर बहुत खुशी होती है। मन में इच्छा होती है कि ईश्वर हमें फिर से छोटा बच्चा बना दे। आप देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड संस्थाएं बच्चों में सेवा, नेतृत्व, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम जैसे मूल्यों को सुदृढ़ करती हैं।

लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आयोजित राष्ट्रीय जंबूरी में स्काउट गान के दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, साथ में राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त डॉ. केके खंडेलवाल व प्रादेशिक मुख्य आयुक्त डॉ. प्रभात कुमार व अन्य।

- **कहा- बच्चों की प्रतिभा देखकर मन करता है, फिर से बच्चा बन जाऊं**

उन्होंने कहा कि भारत स्काउट एंड गाइड की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी, हीरक जयंती जंबूरी, संगठन के 75 गौरवशाली वर्षों की पूर्णता का उत्सव है। आयोजन में देश-विदेश के 33,000 से अधिक स्काउट-गाइड प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान ऊर्जा, अनुशासन और सांस्कृतिक उत्साह से भरा वातावरण ''भारत माता की जय'' और वंदे मातरम् के नारों से गुंजायमान रहा।

राज्यपाल ने विभिन्न प्रदेशों और विदेशों से आए स्काउट-गाइड प्रतिभागियों, शिक्षकों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि जंबूरी बच्चों के लिए सीखने, अनुभव साझा करने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच है। उन्होंने आयोजन को भारत की एकता और विविधता का सशक्त प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, उनके व्यक्तित्व का विकास करते हैं और समाज के प्रति कर्तव्यबोध जागृत करते हैं। यह जंबूरी न केवल महोत्सव है, बल्कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव भी है।

देश-विदेश से आए प्रतिनिधियों और अभिभावकों ने आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं और विशाल स्तर पर हुई तैयारियों की सराहना की। कार्यक्रम में लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, भारत स्काउट एंड गाइड के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार जैन, चीफ नेशनल कमिश्नर डॉ. केके खंडेलवाल, उत्तर प्रदेश संगठन के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह, जंबूरी महासचिव एवं प्रादेशिक मुख्य आयुक्त प्रशांत कुमार, उत्तर प्रदेश के चीफ पोस्टमास्टर जनरल प्रणव कुमार आदि मौजूद रहे।

जिले में ही हर शिकायत का समाधान करें अधिकारी : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित 'जनता दर्शन' में प्रदेशभर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और मौके पर मौजूद अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। योगी ने कहा कि जिले में ही डीएम-एसएसपी हर शिकायत का समाधान करें। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता, अवैध कब्जे, पुलिस एवं बिजली-शिक्षा से जुड़े मामलों की अनदेखी न की जाए।

मुख्यमंत्री ने 52 से अधिक फरियादियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और आश्वस्त किया कि सरकार हर पीड़ित के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनें और तय समयावधि के भीतर उनका समाधान कराएं। अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में होने वाली जनसुनवाई को प्रभावी बनाते हुए किसी भी पीड़ित को समाधान के लिए लंबी प्रतीक्षा न करनी पड़े। जनता दर्शन में गोरखपुर, शामली, झांसी, कन्नौज सहित कई जिलों से लोग अपनी समस्याओं के साथ पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने सभी की बातें विस्तार से सुनीं और संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की सेवा और सुरक्षा ही इस सरकार का मूल संकल्प है। हर जरूरतमंद की सहायता सुनिश्चित की जाएगी और हर उचित परेशानी का समाधान लगातार कराया जा रहा है।

अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

बच्चों को मिला दुलार, चॉकलेट और पढ़ाई की नसीहत

मुख्यमंत्री ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों को भी आशीर्वाद दिया। बच्चों से उनके नाम पूछे, उन्हें चॉकलेट दी और मन लगाकर पढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश का भविष्य इन बच्चों के उज्ज्वल सपनों से ही मजबूत होगा। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री का सरल व आत्मीय व्यवहार लोगों में भरोसा जगाता रहा। फरियादियों ने अपनी समस्याएं सीधे मुख्यमंत्री के सामने रखीं और समाधान की उम्मीद के साथ लौटे।

एसआईआर में गड़बड़ियों का आरोप

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

- **सपा ने राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, केंद्रीय निर्वाचन आयोग से की उच्च स्तरीय जांच की मांग**

अमृत विचार : सपा ने मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं और तकनीकी खामियों का आरोप लगाते हुए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। सपा प्रदेश अध्यक्ष की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि 4 नवंबर 2025 से शुरू एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 403 विधानसभा क्षेत्रों के 1,62,486 मतदेय स्थलों पर 15.44 करोड़ मतदाताओं के गणना प्रपत्रों को गलत तरीके से बीएलओ ऐप में अपलोड किया जा रहा है, जिसे अब एडिट भी नहीं किया जा सकता। वहीं, भारत निर्वाचन आयोग से तत्काल उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

प्रदेश अध्यक्ष ने सोमवार को सौंपे ज्ञापन में बताया कि इस गलत अपलोडिंग का सीधा असर 9 दिसंबर 2025 को जारी होने वाली मतदाता सूची पर पड़ेगा, जिसके बाद बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं को ईआरओ द्वारा नोटिस भेजे जाएंगे और दस्तावेज सत्यापन के अभाव में उनके नाम 7 फरवरी 2026 की अंतिम सूची से हट सकते हैं। साथ ही कहा गया कि 2025 व 2003 की मतदाता सूची दोनों में नाम वाले लाखों मतदाताओं ने सही प्रपत्र भरकर जमा किए पर ऐप में 2003 वाली प्रविष्टि "नॉट फाउंड" बताती है। कई स्थानों पर ईआरओ और सुपरवाइजर बीएलओ पर दबाव बनाकर गणना प्रपत्रों को "तृतीय विकल्प" में जबरन सबमिट करा रहे हैं, जिससे मतदाता सूची की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है। सपा मांग करती है कि इन गंभीर गड़बड़ियों की उच्च स्तरीय जांच कर तत्काल सुधार कराया जाए, ताकि करोड़ों मतदाताओं के अधिकार सुरक्षित रह सकें।

पंचायत आगे आएंगी तभी मिलेगी टीबी से मुक्ति

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी संभव है, जब पंचायतें टीबी विरोधी प्रयासों का नेतृत्व अपने हाथ में लें। उन्होंने कहा, "पंचायत स्तर पर समन्वित प्रयास और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी के बिना टीबी उन्मूलन संभव नहीं। अपर मुख्य सचिव, सोमवार को क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन को पंचायत स्तर तक लेकर जाने और इसे जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से उत्तर भारत के सात राज्यों के स्वास्थ्य एवं पंचायती राज विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला में संबोधित कर रहे थे।

6 तक जमा होंगे छात्रवृत्ति के आवेदन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **पूर्वदशम-दशमोत्तर छात्रवृत्ति 2025-26 की संशोधित समय सारणी जारी**

अमृत विचार : समाज कल्याण विभाग ने सत्र 2025-26 के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं की संशोधित समय-सारणी जारी कर दी है। यह समय-सारणी अनुसूचित जाति-जनजाति, सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के कक्षा 9-10 (पूर्वदशम) और कक्षा 11-12 (दशमोत्तर) दोनों पर लागू होगी।

यह जानकारी समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक एवं योजनाधिकारी आनंद कुमार सिंह ने सोमवार को दी, उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों द्वारा मास्टर डेटा लॉक करने की प्रक्रिया 25 नवंबर से 1 दिसंबर 2025 तक चलेगी। इसके उपरांत जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) द्वारा विद्यालयों के डेटा का सत्यापन 25 नवंबर से 8 दिसंबर तक किया जाएगा। इसके अलावा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के ऑनलाइन आवेदन 25 नवंबर से 6 दिसंबर तक स्वीकार किए जाएंगे, जबकि आवेदन का अंतिम प्रिंट 7 दिसंबर तक निकाल सकेंगे। आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन की हार्डकॉपी 9 दिसंबर तक विद्यालय में जमा करनी होगी।उपनिदेशक ने बताया कि विद्यालयों द्वारा ऑनलाइन सत्यापन की अंतिम तिथि 13 दिसंबर तय की गई है। डीआईओएस द्वारा वास्तविक छात्रों की संख्या की जांच 15 से 20 दिसंबर तक होगी। एनआईसी द्वारा डेटा मिलान 15 से 23 दिसंबर, तथा छात्र-स्तर त्रुटियों का निस्तारण 23 से 28 दिसंबर तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय समिति द्वारा स्वीकृति एवं डेटा लॉकिंग 23 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 के बीच की जाएगी। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद छात्रवृत्ति की धनराशि 9 फरवरी 2026 तक छात्रों के बैंक खातों में भेज दी जाएगी।

मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन में जीएम की सेवा समाप्त

लखनऊ, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन (यूपीएमएससीएल) में संविदा पर तैनात महाप्रबंधक उपकरण उज्जवल कुमार की सेवा समाप्त कर दी गई है। यह कार्रवाई सोमवार को कार्पोरेशन के एमडी उज्जवल कुमार (आईएएस) ने विभाग में महिला कर्मचारियों द्वारा प्राप्त शिकायतों और वेंडरों की समस्याओं को लेकर की है। महाप्रबन्धक उज्जवल कुमार पर टेंडर प्रक्रिया में भ्रष्टाचार कर करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने और महिला कर्मचारियों के साथ अनुचित व्यवहार करने सहित कई गंभीर आरोप थे।

मैं बरेली हूं, रोहिलखंड का गौरवशाली शहर। मैंने अपने भीतर चिकित्सा सुविधाओं के क्षेत्र में एक शांत, लेकिन क्रांतिकारी परिवर्तन देखा है। यह बदलाव इतना गहरा है कि मुझे अब अपने निवासियों को इलाज के लिए लखनऊ या दिल्ली की लंबी यात्राएं करते हुए देखना नहीं पड़ता, बल्कि इसके विपरीत, अब मैं गर्व से देखता हूँकि पड़ोसी जिलों और अन्य राज्यों से भी लोग यहाँ आकर अपना इलाज करा रहे हैं।

मेरी चिकित्सा यात्रा की शुरुआत 1870 के दशक में हुई, जब अमेरिकी मेडिकल मिशनरी डॉ. क्लारा स्वैन ने यहां कदम रखा। उस समय, मैं चिकित्सा सुविधाओं से लगभग अछूता था, खासकर महिलाओं के लिए। डॉ. स्वाइन ने जो किया वह एक चमत्कार से कम नहीं था - उन्होंने एशिया का पहला महिला अस्पताल स्थापित किया। नई पीढ़ी को बताना चाहता हूं कि यहां का उपचार केवल दवाइयों तक सीमित नहीं था, इसमें सेवा और करुणा की भावना थी। यह उत्तरी भारत में नर्सिंग शिक्षा का एक प्रमुख संस्थान भी बना। क्लारा स्वाइन अस्पताल ने उस नींव को रखा जिस पर आज की आधुनिक इमारत खड़ी है।

आज़ादी के बाद और 21वीं सदी की शुरुआत तक, मेरी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मुख्य रूप से सरकारी जिला अस्पतालों पर निर्भर थी, जिनमें अक्सर संसाधनों की कमी होती थी। यही कारण था कि मेरे निवासी, जो थोड़ा भी खर्च कर सकते थे, गंभीर बीमारियों के लिए लखनऊ के पीजीआई या दिल्ली के एम्स की ओर रुख करते थे। यह मेरे लिए निराशाजनक था। फिर बदलाव की बयार आई। निजी क्षेत्र ने इस खालीपन को भरा और स्वास्थ्य सेवा के मेरे परिदृश्य को पूरी तरह से बदल दिया। रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज, श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और राजश्री मेडिकल कॉलेजों जैसे संस्थानों ने मुझे एक नया रूप दिया। ये सिर्फ अस्पताल नहीं... अत्याधुनिक उपकरणों, समर्पित आघात इकाइयों, और सुपर-स्पेशियलिटी विभागों के साथ पूर्ण चिकित्सा केंद्र हैं। अब जटिल ऑपरेशन, एमआरआई, सीटी स्कैन और कैथ लैब जैसी सुविधाएं मेरे अपने आंगन में उपलब्ध हैं। इलाज के लिए मेरे लोगों को अब बाहर जाने की ज़रूरत महसूस नहीं होती थी।

आज, मैं बरेली हूं, एक ऐसा शहर जो अपनी चिकित्सा क्षमताओं पर गर्व करता है। मैं एक मेडिकल एजूकेशन हब बन गया हूं। अब यहां न केवल स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं हैं, बल्कि यहां से पढ़कर डॉक्टर गांव देहात से लेकर बड़े शहरों तक बेहतर इलाज उपलब्ध करा रहे हैं। मेडिकल जांच के लिए मुंबई और दिल्ली जितनी सुविधाएं भी मेरे यहां है। ये प्रगति रुकी नहीं है, धीरे धीरे और मेडिकल कॉलेज बनेंगे और विश्वस्तरीय सुविधाएं भी स्थापित होंगी। मैं विकसित हुआ हूं, मैंने बदलाव अपनाया है, और मैं अपने निवासियों के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल करने के लिए तैयार हूं।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

...बरेली यू नहीं बना मेडिकल हब

बरेली की सरजमीं पर मरीजों को संजीवनी देने के लिए रखी गई थी मिशन अस्पताल की नींव

बरेली शहर की पहचान आध्यात्मिकता और शिक्षा से बनती है, तो चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में इस पहचान को सबसे मजबूत आधार देने वाला नाम है, बरेली का क्लारा स्वैन मिशन अस्पताल। करीब 140 वर्ष का इतिहास संजोए ये अस्पताल करुणा, निष्ठा और मानवता का वास्तविक परिचायक तो बना ही लेकिन अन्य के अंदर भी बरेली को चिकित्सा क्षेत्र में नया आयाम स्थापित करने के लिए किसी प्रेरणा से कम साबित नहीं हुआ। इसका ही परिणाम है कि अब बरेली जिला 100 नहीं बल्कि तीन मेडिकल कॉलेजों के साथ ही अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण 625 निजी अस्पतालों का हब बन गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, पहले जहां सरकारी अस्पतालों में भर्ती होने पर मरीजों को खुद उनके तीमारदार ही जीवन की डोर टूटने जैसी बातें करने लगते थे लेकिन अब सरकारी अस्पतालों की तस्वीर भी साफ हो रही है। जिसका परिणाम है कि जिले में 100 बेड का जिला महिला अस्पताल, 326 बेड का जिला अस्पताल और देहात के सभी 15 ब्लॉक पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही गांव के निकट ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित हैं।

इलाज ही नहीं निदान से भी है पहचान : गौर करने वाली बात ये है कि जिले में सिर्फ अस्पतालों में मरीजों को बेहतर इलाज से संजीवनी मिलने का विषय नहीं है बल्कि इलाज से पूर्व उपयोगी साबित होने वाली इलाज पूर्व निदान के लिए भी बरेली किसी मायने में कम नहीं हैं। यहां 300 से अधिक पैथोलॉजी लैब, 682 अल्ट्रासाउंड जांच सेंटर और दस से अधिक सीटी व एमआरआई जांच सेंटर हैं। जहां रोजाना सैंकड़ों मरीज समय पर जांच कराकर उचित इलाज से नई जिंदगी जी रहे हैं।

03 मेडिकल कॉलेज,
08 आयुर्वेदिक कॉलेज
12 नर्सिंग कॉलेज

शहर की दौड़ खत्म, घर के पास ही गूंज रही किलकारी

■ पांच साल पहले तक देहात क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के हाल बेहाल थे, डॉक्टरों की कमी व संसाधन न होने पर लोगों को आर्थिक हानि का सामना करते हुए निजी अस्पतालों में इलाज कराना पड़ रहा था, लेकिन अब स्थिति बदल गई। नवाबगंज, बिथरी, मीरगंज, भमौरा समेत अन्य सीएचसी पर इस साल से ही प्रसव शुरू हो गए है।

नशे की लत से मुक्ति दिला रहा ओएसटी : जिले में अभी तंबाकू, शराब व दवाओं से नशा करने वाले मरीजों के लिए निजी व एनजीओ के माध्यम से संचालित नशा मुक्ति केंद्र ही सहारा बन रहे थे लेकिन अब जिला अस्पताल में ही इंजेक्टेबल ड्रग यूजर्स यानि इंजेक्शन से नशा करने वाले मरीजों का इलाज के लिए ओएसटी केंद्र की स्थापना हो गई है।

आरएमसीएच से बीआईयू तक का सफर... जो रहेगा जारी

2006 में स्थापित हुआ था रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
लेकिन उच्च स्तरीय सेवाएं देने पर 2016 में बन गया बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का हिस्सा

बरेली। बात उस दौर की है जब चिकित्सा सेवा के नाम पर बरेली में चंद अस्पताल ही थे, मरीजों को जटिल बीमारियों के इलाज के लिए दूर-दराज जैसे लखनऊ और दिल्ली के चक्कर लगाने पड़ रहे थे लेकिन वर्ष 2006 में मरीजों के लिए संजीवनी रुपी किरण के रुप में रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (आरएमसीएच) की स्थापना हुई।

इसके स्थापित होने से सिर्फ बरेली ही नहीं बल्कि उत्तराखंड के साथ ही नेपाल के मरीजों को भी काफी सहूलियत मिली। यहां मरीजों को मिल रहे उच्च स्तरीय इलाज के चलते ही इसकी चमक शासन प्रशासन तक भी पहुंची इसका ही परिणाम रहा है कि वर्ष 2016 के 16 सितंबर को यूजीसी अधिनियम 1956 के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे विश्व विद्यालय की मान्यता प्रदान की। ये विश्वविद्यालय रोहिलखंड चैरिटेबल एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा प्रवर्तित है। अब यहां डॉक्टरी डिग्री, नर्सिंग, पैरा मेडिकल व फार्मेसी के साथ ही टेक्नीकल और मैनेजमेंट कोर्स भी संचालित हो रहे हैं।

ये है प्रबंधन का ध्येय : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक अग्रवाल, कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, प्रति कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। प्रबंधन का प्रयास विश्व स्तरीय संकायों, अवसंरचना, सुविधाओं और प्रौद्योगिकी के समुचित सहयोग से उन्नत शिक्षण और अनुसंधान वातावरण प्रदान करके अपने विद्यार्थियों को व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए ज्ञान प्रदान करना और कौशल विकसित करना है।

स्वास्थ्य सेवा में 24वें वर्ष में प्रवेश

शिक्षा, चिकित्सा और सेवा में बड़ा नाम एसआरएमएस

बरेली। न्यूनतम खर्च पर विश्वस्तरीय इलाज लेना हो तो आज सभी के जेहन में एक ही नाम आता है। और वह है एसआरएमएस मेडिकल कालेज। साल दर साल एसआरएमएस में बढ़ती मरीजों की संख्या, इस पर बढ़ते विश्वास को बयान करने के लिए काफी है और यही मरीजों का विश्वास इसकी उपलब्धि है। इमरजेंसी और गंभीर बीमारियों में बरेली और आसपास के मरीज दिल्ली या लखनऊ जाने के बजाय उपचार के लिए एसआरएमएस आते हैं। स्वस्थ होकर घर वापस जाते हैं। यह भरोसा किसी उपलब्धि से कम नहीं। इसी विश्वास और उपलब्धियों के सहारे एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज चार जुलाई को स्वास्थ्य सेवा में 24वें वर्ष में प्रवेश किया।

बरेली स्थित भोजीपुरा में श्रीराम मूर्ति स्मारक मेडिकल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एसआरएमएस आईएमएस) की स्थापना एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से चार जुलाई वर्ष 2002 में की गई। ट्रस्ट के संस्थापक, चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी ने अपने पिता स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री स्वर्गीय राम मूर्ति जी के आदर्श, सबको शिक्षा और सबको स्वास्थ्य को जन जन तक पहुंचाने के लिए विश्वस्तरीय सुविधा युक्त हास्पिटल खोलने का संकल्प लिया। 2001 में वसंत पंचमी के दिन (29 जनवरी) को ट्रस्ट परिवार के सदस्यों के साथ नींव पूजन के बाद सपनों की इमारत ने आकार लेना शुरू किया। करीब डेढ़ वर्ष वर्ष बाद, बीस साल पहले, चार जुलाई 2002 को देव मूर्ति जी की मां आदरणीय रामरखी जी के सानिध्य और आशीर्वाद से क्रिटिकल केयर और आई बैंक के साथ 30 एकड़ में बने एसआरएमएस हास्पिटल का उद्घाटन हुआ। अगले ही वर्ष मरीजों के लिए यहां कार्डियोलाजी ओपीडी के साथ एमआरआई की सुविधा भी उपलब्ध हो गई। वर्ष 2005 में एमबीबीएस के पहले बैच के साथ मेडिकल कालेज भी आरंभ हो गया। एसआरएमएस आईएमएस आज लखनऊ और दिल्ली के बीच स्थित पूर्वी उत्तर प्रदेश का अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त मल्टी सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल है। प्री क्लीनिकल, पैरा क्लीनिकल और क्लीनिकल डिपार्टमेंट सम्पन्न इस मेडिकल कालेज में रेडियोथेरेपी, कार्डियक साइंसेज, रीनल साइंसेज, न्यूरो साइंसेज और प्लास्टिक सर्जरी विभाग और इनकी ओपीडी भी सफलतापूर्वक संचालित हैं। इन विभागों में सबसे ज्यादा मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। जिनकी संख्या प्रतिदिन 12 सौ से ज्यादा हो जाती है। अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों में भी इन्हीं विभागों के 85 फीसद मरीज होते हैं50 से ज्यादा मरीजों की रेडियोथेरेपी और छह सौ से ज्यादा मरीजों की मेजर सर्जरी को यहां सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा रहा है। यहां पर 3 .0 टेस्ला एमआरआई, हाई एनर्जी लीनियर एस्सेलेरेटर- ब्रेकी थेरेपी यूनिट, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, इंटरवेंशनल एंजियोग्राफी के लिए कैथ लैब, एंजियोप्लास्टी और हार्ट की दूसरी जांचें, अत्याधुनिक 20 मेजर ओटी जैसे तमाम उपकरण और सुविधाएं मौजूद हैं। मरीजों के लिए सभी डॉक्टर व अन्य स्टाफ पूरे सेवाभाव के साथ कार्य कर रहा है।

हमने पहले दिन से ही हेल्थ फॉर आल, हॉस्पिटल फार आल को अपना आदर्श बनाया। हम सभी मरीजों को कम खर्च में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। यही वजह है कि एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज पर बरेली और आसपास के मरीजों का भी भरोसा बढ़ा है। इन 23 वर्षों में मरीजों के विश्वास के साथ ही एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज ने कई उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इनमें 100 बेड का आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट, इनफर्टिलिटी सेंटर, अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ 110 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट का स्थापित होना अहम है। -**आदित्य मूर्ति**, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज

परदादा ने जेल में कैदियों की सेवा की प्रपौत्र सेना के जवानों को रख रहा स्वस्थ

बरेली के स्वास्थ्य जगत में धर्मदत्त वैध एक सम्मानित नाम हैं। अंग्रेजों के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जेल में रहकर उन्होंने कैदियों की सेवा की और रिहाई के बाद जीवन पर्यंत लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल को अपना ध्येय बनाया। आज उन्हीं की विरासत को आगे बढ़ाते हुए उनके पोते डॉ. अनुपम शर्मा पत्नी डॉ. मृदुला शर्मा और प्रपौत्र डॉ. राघव शर्मा-पत्नी डॉ. निकिता, जो भारतीय सेना में हैं, उत्तम चिकित्सीय सेवा में समर्पित हैं। 1937 में भिवाड़ी (हरियाणा) से आयुर्वेदाचार्य की शिक्षा प्राप्त कर उन्होंने बरेली के बड़ा बाज़ार, मदारी गेट पर तिलक फार्मेसी की स्थापना की। यहां वे स्वयं आयुर्वेदिक दवाओं का निर्माण कर मरीजों का उपचार करते थे। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गिरफ्तारी के बाद चार साल की जेल हुई। जेल में कैदियों को साधारण इलाज भी न मिलता देख उन्होंने जेलर से अनुमति लेकर परिसर में जड़ी-बूटियां उगाईं और उनसे तैयार दवाओं से कैदियों का इलाज शुरू किया-यह सेवा पूरे चार वर्षों तक जारी रही। रिहा होने के बाद वे पुन: तिलक फार्मेसी में बैठकर लोगों की सेवा करते रहे।1953 में उन्होंने धर्मदत्त आयुर्वेदिक चिकित्सालय की स्थापना की। 1989 में उन्होंने सेवाभाव से भरा जीवन पूर्ण किया। उनकी शुरू की गई संस्था आज भी बरेली आयुर्वेद कॉलेज के सहयोग से समाज को सेवा दे रही है।

प्रपौत्र लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. राघव शर्मा पत्नी के साथ कर रहे जवानों का इलाज : परदादा और पिता की प्रेरणा से लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) राघव शर्मा ने भी चिकित्सा को ही अपना कर्मक्षेत्र चुना। राममूर्ति कॉलेज बरेली से एमबीबीएस और देश के अग्रिणी मेडिकल कॉलेज एएफएमसी,पुणे से एमडी करने के बाद वे असम स्थित गुवाहाटी आर्मी हॉस्पिटल में सैनिकों की सेवा में जुटे हैं। उनकी पत्नी लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ) निकिता, जिन्होंने उनके साथ ही एमबीबीएस और एमडी किया, वही सेना के कर्मियों की चिकित्सा सेवा में समान रूप से योगदान दे रही हैं।

पोते डॉ. अनुपम शर्मा - धर्मदत वैध की सेवा परंपरा का आधुनिक रूप : 1980 में एमबीबीएस और 1990 में एमडी करने के बाद डॉ. अनुपम शर्मा ने दिल्ली के सफदरजंग, राममनोहर लोहिया जैसे प्रतिष्ठित अस्पतालों में सेवा दी। एक वर्ष तक भारत सरकार के विशेष अनुबंध पर ईरान में कार्य किया। 1998 में उन्होंने बरेली में दादा व पिता भूपेंद्र नाथ शर्मा जो मीरगंज से विधायक रहे से प्रेरित हो धर्मदत सिटी हॉस्पिटल की स्थापना कर स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी। आज यह अस्पताल गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए जाना जाता है। वे वर्तमान में एपीआई (एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया) 2025, बरेली के अध्यक्ष हैं। उनकी पत्नी डॉ. मृदुला शर्मा, दिल्ली से प्रशिक्षित स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, 2024 में फोगसी बरेली ब्रांच की अध्यक्ष रहीं। दोनों के 20 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं और देश-विदेश के मेडिकल कांफ्रेंस में व्याख्यान दे चुके हैं। दोनों शिक्षा जगत में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं, ब्रह्मा देवी इंटर कॉलेज, मीरगंज सहित चार शिक्षण संस्थानों का संचालन देख रहें हैं।

आरसीआई में पाया इलाज... कैंसर को दी मात अब खिलखिला रही जिंदगी

बरेली। बीते वर्षों में कैंसर का नाम सुनते ही लोगों की आंखों के सामने मौत नाचने लगती थी, वर्ष 2022 से बड़ी संख्या में गंभीर रोगियों ने कैंसर को मात दी है और अब जिंदगी खिलखिला रही है उनको ये नई जिंदगी देने के लिए ढाल बना है बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट (आरसीआई)।

रोहिलखंड कैंसर संस्थान मध्य में स्थित 200 बेड का अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कैंसर संस्थान है। जिसकी स्थापना वर्ष 2022 में प्रतिष्ठित रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में की गई थी। इसका उद्देश्य रोहिलखंड क्षेत्र और आसपास के जिलों के कैंसर रोगियों की अपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति करना था। यह लखनऊ से 245 किलोमीटर और दिल्ली से 255 किलोमीटर दूर है। यह हवाई और रेल मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। बरेली हवाई अड्डा केवल 2 किलोमीटर और रेलवे जंक्शन 5 किलोमीटर दूर है।

इन सुविधाओं से कैंसर से मिल रही मात : आरसीआई के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल बताते हैं कि यहां जर्मन की कोबाल्ट आधारित सैगिनोवा 25 चैनल वाली अत्याधुनिक ब्रैकी थेरेपी इकाई, रेडियोथेरेपी सिमुलेशन और योजना के लिए एक समर्पित वाइड बोर सीटी स्कैन मशीन उपलब्ध है। इतना ही नहीं रोहिलखंड कैंसर संस्थान इस क्षेत्र में पीईटी-सीटी सेवाएं प्रदान करने वाला पहला संस्थान है। वहीं डीएम मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट के तहत साइटोटॉक्सिक कीमोथेरेपी रोगियों को किफायती और मामूली शुल्क पर व्यापक कैंसर देखभाल के साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों की अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी

■ डॉ. अर्जुन अग्रवाल ने बताया कि इंस्टीट्यूट में गामा कैमरा हाई डोज थैरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर की नींव दो माह पूर्व रखी गई है। यूनिट का निर्माण आरंभ है। इस आधुनिक तकनीक से गंभीर रोगियों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। अभी तक पैट स्कैन, गामा कैमरा थैरेपी के लिए मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। लेकिन अब ही बरेली मंडल में पैट स्कैन और गामा थैरेपी का आरंभ होना किसी गौरव से कम नहीं है।

सुविधा के साथ ही बाह्य बीम रेडियोथेरेपी के लिए अत्याधुनिक टू बीम एसटीएक्स लिनैक मशीन उपलब्ध है। यह एसआरएस, एसबीआरटी, आईजीआरटी, आईएमआरटी, वीएमएटी, 3डी सीआरटी जैसी फोटॉन थेरेपी पद्धतियों से भी मरीजों को इलाज दिया जा रहा है। पूर्व में मरीजों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भटकना पड़ता था लेकिन संस्थान में एक ही छत के नीचे जांच के साथ ही इलाज की सभी सुविधाएं मिल सकेंगी।

प्रस्तुति : अंकित चौहान (भाग-1)

अमृत विचार

मंगलवार, 25 नवंबर 2025

एक राजा को अपनी प्रजा के प्रति पिता के समान होना चाहिए।
–श्री रामचंद्र जी

अत्यावश्यक अपील

जी–20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोगों को रोकने के लिए एक वैश्विक समझौते की अपील वर्तमान भू–राजनीतिक और तकनीकी परिस्थितियों में अत्यंत महत्वपूर्ण और समयोचित है। एआई आधारित प्रणालियों को दुनिया जिस तेजी से अपना रही है, उसी गति से दुरुपयोग की आशंकाएं भी बढ़ी हैं। चाहे वह चुनावी हस्तक्षेप हो, साइबर हमले, डीपफेक प्रोपगेंडा या आर्थिक अपराध। ऐसे में इस मुद्दे को जी–20 के उच्चतम राजनीतिक मंच पर उठाना साबित करता है कि भारत तकनीकी नैतिकता और मानव सुरक्षा को लेकर वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में आना चाहता है।

जी–20 के देश, अमेरिका से लेकर यूरोप, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया तक सभी डीपफेक, डेटा चोरी, साइबर फ्रॉड और डिजिटल चुनावी हेरफेर जैसी तमाम चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। भारत खुद सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में डीपफेक के जोखिमों को झेल रहा है। मतलब यह समस्या सार्वभौमिक है और इसे राष्ट्रीय सीमाओं के भीतर रहकर हल नहीं किया जा सकता। साइबर युद्ध में एआई हथियार बन रहा है। आतंकवादी संगठन एआई मॉडल्स का उपयोग भर्ती, फेक आइडेंटिटी, हैकिंग और ड्रोन ऑपरेशन के लिए करने लगे हैं। यदि संयुक्त नियम नहीं बनाए गए, तो तकनीकी अराजकता वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा बन सकती है, इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा डेटा सुरक्षा, एआई डेवलपमेंट, एथिक्स और डीपफेक नियंत्रण जैसे मानकों पर वैश्विक संधि का प्रस्ताव एक निर्णायक कदम हो सकता है, क्योंकि यह तकनीकी समाधान के साथ-साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति का भी प्रश्न है। जी–20 देश मिलकर ग्लोबल एआई रिस्क रजिस्टर, क्रॉस–बॉर्डर साइबर अटैक प्रोटोकॉल और डीपफेक ट्रैकिंग नेटवर्क जैसे कई मॉडल विकसित कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां वित्त-केंद्रित की जगह मानव–केंद्रित होनी चाहिए, बहुत दूरगामी सोच है। यह मुनाफे को प्राथमिकता देने वाली पूंजी संचालित टेक–इकोसिस्टम कंपनियों की उन खामियों की ओर इशारा है, जिसका दुष्प्रभाव समाज, गोपनीयता तथा नैतिकता पर पड़ता है। मानव–केंद्रित तकनीक का मतलब है, समावेशी डिज़ाइन, डिजिटल सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक हित को सर्वोपरि रखना। बदल चुके भू-राजनीतिक परिदृश्य में प्रधानमंत्री का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की अनिवार्यता पर जोर उचित है। भारत जैसे देशों की आर्थिक, जनसांख्यिकीय और रणनीतिक भूमिका आज पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली है, लेकिन वैश्विक छवि मजबूत होने के बावजूद भारत की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता आसान नहीं, क्योंकि यह मौजूदा शक्तियों, विशेषकर चीन की राजनीति और वीटो संरचना से जुड़ा सवाल बन जाता है। प्रधानमंत्री ने इब्सा यानी भारत–ब्राज़ील–दक्षिण अफ्रीका की भूमिका भी रेखांकित की, ये मिलकर ग्लोबल साउथ की आवाज़ को मजबूत कर सकते हैं और संयुक्त राष्ट्र सुधार पर सामूहिक दबाव बढ़ा सकते हैं। तीनों देशों की लोकतांत्रिक साख और उभरती अर्थव्यवस्थाएं इस दिशा में नैतिक और राजनीतिक जोर प्रदान कर सकती हैं।

प्रसंगवश

तेग बहादुर सी क्रिया करी न किनहूं आन

संसार भर के इतिहास में ऐसी कोई मिसाल नहीं मिलती कि किसी महापुरुष ने दूसरे धर्म के लिए अपनी कुर्बानी दी हो। सिखों के नौवें गुरु साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश (जन्म) माता नानकी जी की कोख से सिखों के छठे गुरु मीरी पीरी के मालिक गुरु हरि गोबिन्द साहिब जी के घर पहली अप्रैल 1621 को अमृतसर साहिब में हुआ। बचपन उनका राजकुमार जैसा ही व्यतीत हुआ। शस्त्र विद्या उन्होंने बचपन में ही सीख ली थी, बहुत उदार होने के बावजूद शस्त्र विद्या विशेष कर तलवार चलाने में उनको महारत हासिल थी। तलवार के धनी होने के कारण पिता गुरु हरिगोबिंद जी ने इनका नाम तेग बहादुर रखा।

जब हिंदू संस्कृति मुगलों के हमलों की मार सहारने में असमर्थ महसूस करने लगी, तत्कालीन बादशाह औरंगजेब की जिद थी कि वह भारत में केवल इस्लाम धर्म ही रहने देगा। कश्मीरी पंडितों पर बढ़ते दबाव के कारण पंडित कृपा राम की अगुआई में औरंगजेब द्वारा मिली कुछ समय की मोहलत लेकर उसके अत्याचार से दुखी होकर अपने साथियों के जत्थे के साथ सभी आनंदपुर साहिब श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की शरण में पहुंच गए। उन्होंने हिंदू धर्म की रक्षा करने की उनसे फरियाद की।

मालिक सिंह कालड़ा
अध्यक्ष, गुरुद्वारा मॉडल टाउन, बरेली

बातचीत के दौरान ही गुरु तेग बहादुर साहिब के नौ वर्षीय पुत्र गोबिंद राय जी भी आ गए। माहौल गमगीन देखकर उन्होंने गुरु पिता से इसका कारण पूछा। गुरु तेग बहादुर जी ने कहा कि सनातन धर्म बहुत खतरे में है। बादशाह औरंगजेब सबको इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर कर रहा है। गोबिंद राय जी ने जब गुरु पिता से इसका समस्या का हल पूछा तो गुरु जी ने बताया कि इसका हल भी एक ही है कि कोई महान पुरुष अपना बलिदान दे, तभी सनातन धर्म बच सकता है। इस पर गोबिन्दराय ने कहा, फिर देरी किस बात की। आप से अधिक महान शख्सियत और कौन हो सकता है। आप अपना बलिदान देकर इनके धर्म की रक्षा करें।

यह सुनकर गुरु-पिता बहुत प्रसन्न हुए और पंडित जी से कहा कि जाओ औरंगजेब से कह दो कि अगर गुरु तेग बहादुर ने इस्लाम कबूल कर लिया तो हम सब भी इस्लाम कबूल कर लेंगे। अपने नौ वर्षीय पुत्र गोबिंदराय को औपचारिक रूप से गुरता गद्दी प्रदान कर गुरु तेग बगदुर जी पांच सिखों भाई मतीदास जी भाई, सती दास जी, भाई दयाला जी, भाई गुरदित्ता जी एवं भाई ऊदा जी के साथ दिल्ली की ओर कूच कर गए।

औरंगजेब को जब इस बात का पता चला, उसने तुरंत गुरु तेग बहादुर जी की गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया। गुरु तेग बहादुर जी भी इधर आगरा होते हुए औरंगजेब के दरबार दिल्ली पहुंच गए। बादशाह ने बहुत नरमी से उन्हें चंदन की चौकी पर बिठाया। अपने कर्मचारियों द्वारा किए गए नावाजिब सलूक के लिए उसने माफी भी मांगी और कहा कि आप बाबा नानक के गद्दी-नशीं हो। आप इस्लाम धर्म कबूल कर लो, ताकि आप हिंदुओं के साथ मुसलमानों के भी पीर बन जाओगे। इस पर गुरु जी ने कहा कि उस परमात्मा/खुदा के बनाए तौर-तरीकों को बदलने का प्रयास करना तुम्हारा गलत है। यदि उस खुदा की भी यही चाहत होती तो वह अलग-अलग धर्म बनाता ही क्यों? उसकी रजा में दखल का तुम्हें कोई अधिकार नहीं है। हर एक को अपना ही धर्म प्यारा है। बादशाह प्रजा का पिता होता है। उसकी जिम्मेदारी है। सबको एक सा समझे। हर धर्म के लोगों को उनके हिसाब से ही उनकी आराधना करने दी जाए। आपके मत के प्रचार-प्रसार से यदि कोई इस्लाम कबूल करे तो कोई एतराज नहीं, लेकिन जबरिया धर्म परिवर्तन करना महापाप है।

दुनिया के अन्य मंदिरों से भिन्न है राम मंदिर

राजेंद्र कुमार पांडेय
अयोध्या

श्री राम मंदिर कई मायनों में दुनिया के अन्य मंदिरों से भिन्न है। मंदिर विश्वव्यापी श्री राम की जन्म भूमि पर बनना, समाज को एक सूत्र में बांधने वाला मंदिर होना, इसे विश्व के दूसरे मंदिरों से अलग करता है। दुनिया का शायद यह ऐसा पहला मंदिर है, जहां समाज में तुच्छ समझी जाने वाली गिलहरी अपनी कथा कह रही है। सामाजिक एकता के सूत्रधार समाज को प्रेरणा देने वाले और ईश्वरत्व को प्राप्त राम के मंदिर परिसर में उनके लीला सहचरों के विग्रह भी इसे अन्य मंदिरों से अलग करता है।

क्षेत्रफल और बनावट की दृष्टि से दुनिया में अन्य बहुत से हिंदू मंदिर हैं। क्षेत्रफल की दृष्टि कंबोडिया का अंकोरवाट मंदिर दुनिया का सबसे बड़ा 402 एकड़ में फैला मंदिर है। अमेरिका के न्यू जर्सी में स्थापित बीएपीएस स्वामी नारायण अक्षरधाम मंदिर 183 एकड़ में फैला है। तमिलनाडु के चिरुचिरापल्ली में 156 एकड़ में फैला श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर का फैलाव 156 एकड़ में है। इसी राज्य के वेल्लोर में श्री लक्ष्मी नारायण देवी मंदिर श्री पुरम् का मंदिर 40 एकड़ में फैला है। इंडोनेशिया का परब्रह्मनन मंदिर, भारत का प्रेम मंदिर वृंदावन जैसे तमाम ऐसे मंदिर हैं, जो श्रद्धा के केंद्र होने के साथ ही बड़े क्षेत्रफल में फैले हैं।

कंबोडिया के अंकोरवाट मंदिर भगवान महाविष्णु को समर्पित है। इसी तरह तमिलनाडु का श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर में भी महाविष्णु ही हैं। वेल्लोर के थिरूमलाईकोडी स्थित श्री लक्ष्मी नारायणी देवी मंदिर में लक्ष्मी नारायण विराजते हैं। इंडोनेशिया के ब्रंबनन मंदिर में ब्रह्मा, विष्णु और महेश के विग्रह हैं। दिल्ली के छत्तरपुर में 70 एकड़ में फैले मंदिर में भगवती कात्यायनी का विग्रह है। इसी तरह न्यू जर्सी और दिल्ली के मंदिर में भगवान स्वामी नारायण की मूर्तियां हैं।

खास बात है यह कि इन बड़े मंदिरों में ज्यादातर वैष्णव संप्रदाय के भगवान महाविष्णु के मंदिर हैं। महाविष्णु के ही अवतार श्री राम हैं। श्री राम का जन्म अयोध्या में हुआ। दुनिया में भगवान महाविष्णु की तरह श्री राम भी व्याप्त हैं। इंडोनेशिया, मलेशिया, मारीशस जैसे दुनिया के विभिन्न देशों में श्री राम आस्था और विश्वास के प्रतीक हैं। इंडोनेशिया में राजा उनके नाम की उपाधि धारण करते हैं। नगरों के नाम श्री राम और रामायण के पात्रों पर हैं। हिंदुओं में अयोध्या को पवित्र स्थल माना जाता है। यह सृष्टि के उदभव काल से ही माना जा रहा है।

अयोध्या में श्री राम के पांच हजार से भी ज्यादा मंदिर हैं। पवित्र अयोध्या में हर घर में श्री राम का मंदिर है, लेकिन उनके जन्म स्थान पर अब तक विवाद के चलते वैसा मंदिर नहीं था, जिसकी गणना दुनिया के इन मंदिरों के साथ की जा सके। मंदिर की दृष्टि से पूरी दुनिया को संस्कृति और संस्कार की रोशनी देने वाले श्रीराम की जन्मभूमि पर अंधेरा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ध्वज आरोहण के साथ राम मंदिर अपनी पूर्णता को प्राप्त कर रहा है।

राम मंदिर का क्षेत्रफल 70 एकड़ है। 2.7 एकड़ के गर्भगृह में राम लला के मंदिर का निर्माण है। राम लला का विग्रह यहीं स्थापित है। राम मंदिर के लिए दुनिया के लोगों का आकर्षण सबसे ज्यादा अनुभव किया जा रहा है। आने वाले श्रद्धालुओं के आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं। अयोध्या में उनके जन्म स्थान पर बने श्री राम मंदिर की बड़ी खासियत है कि यह श्री राम की तरह समाज का प्रतिनिधित्व करता है। यह शायद अकेला मंदिर है, जहां देवी-देवताओं के साथ मानव, ऋषि-मुनियों से लेकर पशु-पक्षियों तक को स्थान मिला।

यह वही ऋषि-मुनि हैं, जिन्होंने समाज को धर्म और अध्यात्म विज्ञान का ज्ञान दिया। समाज को संस्कृति और संस्कार दिया। स्वयं श्री राम को इन्हीं ऋषि-मुनियों ने अयोध्या के राम लला से वैश्विक श्री राम बनाया। भले ही वह महाविष्णु के अवतार थे, लेकिन मानव रूप में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम बनाने का श्रेय भी इन्हीं ऋषियों को है, जिनके विग्रह अब अयोध्या के श्री राम मंदिर में प्रतिष्ठित किए गए हैं। यह केवल श्री राम की लीला सहचर ही नहीं थे। समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके मंदिर तो अलग-अलग स्थानों पर मिल सकते हैं, लेकिन श्री राम के साथ उनके मंदिर शायद कहीं और उन्हें नहीं मिला। यह दुनिया का पहला मंदिर है, जहां सप्तर्षियों में शामिल महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। ऋषियों के साथ श्री राम का विराजना विशिष्ट है।

राम मंदिर में राम लला, श्री राम दरबार में सीता, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के विग्रह हैं। इनके साथ ही हनुमान जी और माता अन्नपूर्णा की मूर्तियां स्थापित हैं। लक्ष्मण का शेषावतार मंदिर, कुबेर टीला पर भगवान भोले का मंदिर है। मंदिर की एक विशिष्टता यह भी है कि श्री राम के जन्म स्थान पर अन्य हिंदू देवी देवताओं के साथ पंचायतन गणपति, सूर्य, शिव, जगदंबा, राम के मंदिर भी हैं।

अयोध्या का श्री राम मंदिर अतीत से भविष्य के समाज को जोड़ने की दृष्टि से भी खास है। इस दौर में जब विभिन्न तरह से समाज को तोड़ने के प्रयास किए जा रहे हों, यहां श्री राम मंदिर में समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली अहिल्या, माता शबरी, निषादराज गुह की मूर्तियां समाज को जोड़ने में सहायक होंगी।

राम लला और देवी-देवताओं के साथ अधम की श्रेणी में माने जाने वाले जटायु और समाज में तुच्छ समझी जाने वाली गिलहरी की मूर्ति की स्थापना से जीवों के प्रति प्रेम की भावना समाज में जागेगी। श्री राम मंदिर, श्री राम के विराट व्यक्तित्व के साथ समाज का प्रतिनिधित्व करेगा। यहां पहुंचे नासिक के संत स्वामी नारायणदास कहते हैं, "राम लला के मंदिर का आकर्षण राम लला तो हैं ही, लेकिन यहां ऋषि, मुनि के साथ पशु पक्षियों से मानवता के प्रति प्रेम का संदेश मिलता है। यह श्री राम की वैश्विक छवि के अनुरूप है।"

राम मंदिर की बड़ी खासियत यह है कि यह श्रीराम की तरह समाज का प्रतिनिधित्व करता है। यह शायद अकेला मंदिर है, जहां देवी-देवताओं के साथ मानव, ऋषि मुनियों से पशु-पक्षियों तक को परिसर में स्थान मिला है।

आमने

बिहार में 65 लाख लोगों का नाम काट दिया गया। उनसे पहचान छीन ली गई। मैं आप सबसे कहना चाहता हूं, अगर कोई आपका नाम काटने लिए आए तो उसे बंद करो और मुझे फोन कर दो। मेरे आने के बाद ही ताला खोलना।

–इरफान अंसारी
झारखंड के मंत्री

सामने

मंत्री सरकारी अधिकारियों को बंधक बनाने की बात कर रहे हैं। यह अराजकता को बढ़ावा देना है। मंत्री ने संविधान और कानून को बनाए रखने की शपथ ली है और जब वह इस तरह संवैधानिक नियमों के खिलाफ बोलते हैं, तो उन्हें निकाल देना चाहिए।

–प्रतुलनाथ शाहदेव
भाजपा प्रवक्ता

संघ के संकल्प से सिद्ध हुआ राम मंदिर निर्माण

सर्वेश कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का ये लक्ष्य क्या इतनी ही आसानी से प्राप्त हो गया। इस दिन को देखने और स्वप्न को साकार करने के लिए विधिवत योजना बनी और यह योजना बनाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने। इसके लिए संघ के तत्कालीन सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस (बाला साहब देवरस) ने सभी परिस्थितियों, संघ की सामर्थ्य, समाज की आकांक्षा और मनोदशा का गहन अध्ययन, विश्लेषण कर उन कार्यकर्ताओं को श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को आगे बढ़ाने और लक्ष्य तक पहुंचने की अनुमति दी, जो इस आंदोलन को स्थानीय स्तर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खासकर मुरादाबाद, मेरठ और कुमायूं मंडलों में चला रहे थे।

संघ के सरसंघचालक से आंदोलन की सफलता और संघ का मार्गदर्शन मांगने वालों में मुरादाबाद निवासी दो सूत्रधार थे, एक मुरादाबाद के पूर्व विभाग प्रचारक और तत्कालीन हिंदू जागरण मंच के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संयोजक दिनेश चंद्र त्यागी (शिक्षा एम एससी फिजिक्स), दूसरे कांग्रेस के प्रखर नेता पूर्व मंत्री, तीन बार कांग्रेस से विधायक रहे मुरादाबाद निवासी दाऊ दयाल खन्ना। बाला साहब से आंदोलन की योजना और विस्तार के लिए यह चर्चा बदायूं में 26 दिसंबर 1983 को लगे संघ के शीत शिविर में हुई। यहां बाला साहब देवरस दो दिन के प्रवास पर शिविर में आए थे।

इस वार्ता में संघ के सरसंघचालक ने कहा कि आंदोलन को संघ को चलाना चाहिए अथवा नहीं इस पर गंभीरता से विचार आवश्यक है। यदि आंदोलन को चलाना है तो यह मानकर आगे बढ़ाया जाए कि इसे हर हाल में सफल करना है, चाहे फिर कितना भी संघर्ष और त्याग क्यों ने करना पड़े। साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि लक्ष्य प्राप्ति में कम से कम 30 से 40 वर्ष लगेंगे, इसलिए संघ को विचार करना पड़ेगा। उन्होंने अपने सहयोगियों से भी विचार विमर्श किया। उनका मानना था कि यदि संघ इसे अपने हाथ में ले तो सफलता तक संघर्ष जारी रखना पड़ेगा। इसके बाद बाला साहब ने दाऊ दयाल खन्ना और दिनेश चंद्र त्यागी से कहा कि आंदोलन चलाइए संघ सहयोग करेगा।

आगे चलकर आंदोलन की प्रखरता और लोकप्रियता को देखते हुए इसे संघ ने अपने समविचार परिवार के संगठन विश्व हिंदू परिषद् को आंदोलन चलाने के लिए कहा। दिल्ली के विज्ञान भवन में सात और आठ अप्रैल 1984 को हुई धर्म संसद में विश्व हिंदू परिषद् ने आंदोलन अपने हाथ में ले लिया। यही विहिप की देखरेख में श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन किया गया। इसके अध्यक्ष गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ और महामंत्री दाऊ दयाल खन्ना को बनाया गया। आगे का आंदोलन इस समिति के नेतृत्व में आरंभ हुआ।

राम मंदिर के संकल्प को साकार करने के लिए संघ ने व्यापक योजना बनाई। आंदोलन के लिए लगभग एक दर्जन से अधिक प्रचारकों को विश्व हिंदू परिषद् में भेजा गया। इन प्रचारकों ने अपने जीवन को इस लक्ष्य के लिए समर्पित कर दिया। बंगलौर में 1981 में हुई संघ की बैठक में दिल्ली प्रांत प्रचारक अशोक सिंघल को दायित्व से मुक्त कर विश्व हिंदू परिषद् में नया दायित्व दिया गया। आंदोलन की पूरी सांगठनिक संचरचना के मूल केंद्र रहे चंपतराय को भी 1986 में पश्चिम उत्तर प्रदेश में मेरठ विभाग प्रचारक से विश्व हिंदू परिषद में भेज दिया।

वर्ष 1984 में संघ ने आंदोलन की कमान विश्व हिंदू परिषद को सौंपने का महत्वपूर्ण और दूरगामी लक्ष्य प्राप्ति के संकल्प के लिए निर्णय लिया। यह निर्णय आसान नहीं था, क्योंकि संघ ने अपने एक महत्वपूर्ण संगठन को एक ऐसे आंदोलन के लिए दांव पर लगा दिया था, जिसकी सफलता की राह बहुत कठिन थी। संघर्ष बहुत लंबा था। सुयोग्य, साहसी, समर्पित प्रचारकों की एक बड़ी टीम की आवश्यकता थी, लेकिन संघ ने हिंदू समाज के स्वाभिमान की रक्षा के लिए ये निर्णय किया।

प्रचारक गिरिराज किशोर, ओंकार भावे, सूर्यकृष्ण, श्यामजी गुप्त, राजेंद्र सिंह पंकज, उमाशंकर, पुरुषोत्तम नारायण सिंह, तुलसीराम नाना भागवत, सदानंद काकडे, गुरुजन सिंह, सूबेदार सिंह सरीखे प्रखर प्रचारकों की एक बड़ी टीम संघ से विहिप में भेजी गई। बाद में भी कई प्रमुख प्रचारक संघ से आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए विश्व हिंदू परिषद् में भेजे गए। इनमें दिल्ली के क्षेत्र प्रचारक बड़े दिनेश कुमार जी का नाम प्रमुख है।

संघ में ही रहकर वरिष्ठ प्रचारक मोरोपंत पिंगले ने आंदोलन की योजना और रचना की। वे विहिप के मार्गदर्शक बनाए गए। मोरोपंत जी की ही योजना से विहिप ने एकात्मकता यात्राएं निकाल कर जन जागरण किया। राम ज्योति और शिला पूजन जैसे आयोजन हुए। इन कार्यक्रमों ने हिंदू समाज की सुप्तावस्था में रही शाश्वत चेतना और स्वाभिमान को जगा दिया। फलस्वरूप जागरूक समाज ने वर्ष 1990 और 1992 में अपने इष्ट के मंदिर निर्माण के लिए कूच कर दिया। दो बार कारसेवा संपन्न हुई। आंदोलन में दो अलग-अलग मोर्चों पर संघर्ष की रणनीति विहिप ने बनाई। एक थी प्रत्यक्ष आंदोलन, यानी सभा, सम्मेलन, प्रदर्शन, गोष्ठी, धार्मिक आयोजन, धर्म संसद, संत सम्मेलन आदि। दूसरी न्यायालय में विचाराधीन वादों की सुव्यवस्थित ढंग से पैरवी करना।

मंदिर निर्माण का ये लक्ष्य क्या इतनी ही आसानी से प्राप्त हो गया? इस दिन को देखने और स्वप्न को साकार करने के लिए विधिवत योजना बनी और यह योजना बनाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने।

सोशल फोरम

तुम्हें क्या? कोई तुम्हारे लिए बेहाल हो जाए!

इमरोज़ ने अमृता को ख़त लिखा- किसी चीज़ में मन नहीं लगता, घर ख़ाली लगता है। कोई क्यों इतना पागल हो जाता है किसी के लिए? क्यों? पर तुम्हें क्या? ओ, चुप हो जाने वाली! ओ, ख़त न लिखने वाली! ओ, मेरी सेबों वाली! तुम्हें क्या? कोई तुम्हारे लिए हाल से बेहाल हो जाए! अच्छा, तुम एक बार आओ तो सही। मैं अपनी बदनसीबी से दो-दो हाथ कर लूंगा।

सुजाता चोखेरबाली
ब्लॉगर

एक ख़त में लिखते हैं- ऐ मेरी दौलत आओ जितनी ख़र्ची जाए, उतनी जीने के लिए ख़र्च लें। आओ, एक-दूसरे का नोट भुना लें।

दोनों पागल थे एक दूसरे के प्यार में। कभी किसी नाम से संबोधित करते, कभी किसी तरह से। इमरोज़ ने समूची अमृता को प्यार किया। स्टेशन पर इंतज़ार किया तो अमृता की नज़्में, साड़ियां, कुर्ते, चूड़ियां सबके साथ उसके लिए इंतज़ार किया। उसकी बेटी को अपनी बेटी की तरह पालते हुए इंतज़ार किया। उसकी रचनाओं के लिए इंतज़ार किया। अमृता ने भी इमरोज़ के दराज में पड़े रंगों को सहलाया, पोंछा और यह चाहत की कि वह पेंटिंग करता रहे, जिनमें वह अर्थ तलाशती रहे। अमृता ने इमरोज़ को टूटकर प्यार किया।

उसने लिखा- जी करता है तुम अभी कहीं से उजागर हो जाओ। चाहे धरती से उगो चाहे अंबर से गिरो। कभी लिखा- तुम्हारी कला को सौ-सौ नमस्कार! तुम्हारे हाथों के आगे मस्तक झुकाती हूं। कलाकार के हाथ उसकी कोख होते हैं।

दोनों के ख़तों में मिलता है बेइंतहा प्यार, बेक़रारी, साथ न हो पाने की मजबूरी और ख़लिश, साथ होने की बेसब्री, नाराज़गी और मनाना। मैं पढ़ रही थी और सब बहुत अच्छा चल रहा था कि अचानक इमरोज़ लिखते हैं एक ख़त में- कल रात सपने में देखा तुम गोभी के पराठे बना रही थीं, मैं और सैली दाएं-बाएं बैठे खा रहे थे। आज दिन भर भूख नहीं लगी। कल रात ज़्यादा खा लिया था न!

मेरा फेमिनिस्ट मन अभी चिढ़ने ही वाला था कि कि हंस पड़ा, मुझे बाक़ी ख़त याद आ गए। अमृता अक्सर विदेशी यात्राओं पर रहती थीं। उन्हें ख़ूब न्यौते आते थे। इमरोज़ लिखते हैं- ये तीन महीने अमृता के अमृता के साथ हैं, तीन महीने के लिए घर की ज़िम्मेदारियां हमारे ऊपर छोड़ दो। भोपी (अमृता की बेटी) के इस अंकल में मम्मी भी शामिल जो गई हैं। मैं तुम्हारी तरह दिन भर काम करता हूं और दिन भर घर पर रहता हूं। घर के लिए और अपनी दोनों बेटियों के लिए। मेरा हर ख़त तुम्हारे नाम एक टोस्ट होगा।

सामयिकी

ग्रामीण इलाकों की पहली जरूरत हैं अस्पताल

गांव की चौपाल पर बैठे बुजुर्ग अक्सर कहा करते हैं कि लहलहाती फसल जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी स्वास्थ्य और उसको बनाए रखने के लिए अस्पताल भी हैं। खेती से अनाज मिलता है, लेकिन अस्पताल से जीवन सुरक्षित होता है। जब बच्चे बीमार पड़ते हैं, गर्भवती महिलाओं को देखभाल की जरूरत होती है या बुजुर्ग अचानक बीमार हो जाते हैं, तब घर-परिवार की सारी चिंता सिर्फ एक सवाल पर टिक जाती है कि कैसे जल्दी अस्पताल पहुंच कर मरीज़ को समय पर इलाज मिल जाए। यही चिंता आज भी देश के लाखों गांवों की है।

अक्सर गांवों से अस्पताल काफी दूर होत हैं। वहां तक जाने के लिए सुगम रास्ते न होना सबसे बड़ी समस्या है। गांव के कच्चे रास्तों, धूल-भरी हवाओं और तेज़ गर्मी में यह यात्रा कठिन हो जाती है। वहीं मानसून में ये कच्चे रास्ते कीचड़ से भर जाते हैं, जिससे होकर गुज़रना किसी भी गाड़ी के लिए मुश्किल हो जाता है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह दूरी सबसे बड़ा संकट बन जाती है। कई बार सड़कें टूटी होने से सफर लंबा हो जाता है और महिलाओं की रास्ते में ही डिलीवरी हो जाती है। इससे मां और बच्चे दोनों का जीवन दांव पर लग जाता है।

कोमल
एक्टिविस्ट

कई बार साधारण खांसी और बुखार भी बिगड़कर बड़ी समस्या बन जाती है। गांव के बुजुर्ग अक्सर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या सांस की बीमारियों से जूझते हैं। ऐसी बीमारियों में नियमित दवा और समय-समय पर जांच बहुत जरूरी होती है। मगर जब जांच और दवा के लिए भी दूसरे गांव जाना पड़े तो बुजुर्ग अक्सर इलाज टाल देते हैं। धीरे-धीरे उनकी हालत बिगड़ती जाती है और परिवार को अचानक किसी गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति इसी तरह की चुनौतियों से घिरी हुई है। भारत सरकार की Rural Health Statistics 2021-22 रिपोर्ट बताती है कि देश में उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचे की रीढ़ है। रिपोर्ट के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में विशेषज्ञ देखभाल प्रदान करने वाले बुनियादी ढांचे में भारी खामियां थीं। सीएचसी में 83.2 प्रतिशत आवश्यक सर्जन, 74.2 प्रतिशत आवश्यक प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, 79.1 प्रतिशत चिकित्सक और 81.6 प्रतिशत आवश्यक बाल रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं थे। कुल मिलाकर मौजूदा सीएचसी की आवश्यकता की तुलना में 79.5 प्रतिशत विशेषज्ञों की कमी थी। रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च, 2022 तक भारत में 161,829 उप स्वास्थ्य केंद्र थे जिनमें से 157,935 ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत थे। लगभग 24,935 पीएचसी ग्रामीण क्षेत्रों में और 6,118 शहरी क्षेत्रों में स्थित थे।

वर्ष 2005 से देश में उप स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या में 11,909 की वृद्धि हुई है। इनमें सबसे अधिक राजस्थान (3,011), गुजरात (1,858), मध्य प्रदेश (1,413) और छत्तीसगढ़ (1,306) में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट कहती है कि एक उप केंद्र द्वारा कवर की गई औसत ग्रामीण आबादी 5,691 व्यक्ति थी, जबकि औसतन, एक पीएचसी और सीएचसी ने ग्रामीण क्षेत्रों में क्रमशः 36,049 और 164,027 व्यक्तियों को कवर किया था। पांच हज़ार लोगों की आबादी पर एक सब-सेंटर, तीस हज़ार की आबादी पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और एक लाख बीस हज़ार की आबादी पर एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित होने चाहिए। दुर्गम इलाकों में यह मानक और छोटा है, जैसे तीन हज़ार पर एक सब-सेंटर, लेकिन वास्तविक स्थिति इस मानक से बहुत दूर है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

राम नगरी अयोध्या

अलौकिक से अद्भुत हुई

5 00 वर्ष के लंबे संघर्ष और इंतजार के बाद 25 नवंबर को वो शुभ घड़ी आ गई, जब देश-दुनिया के आस्था के केंद्र प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में भव्य राम मंदिर पूर्ण हो जाएगा। बाबर की शह पर 1528 में रामनगरी में जिस मंदिर को तोड़ दिया गया था, वहां भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निमार्ण की पांचवी सदी से चली आ रही प्रतीक्षा समाप्त होने का ऐतिहासिक पल आ गया है। 25 नवंबर मंगलवार को शुभ मुहूर्त दोपहर 12 से 12: 30 बजे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर के 191 फिट ऊंचे शिखर पर सूर्य के मध्य अंकित 'ॐ' व कोविदार वृक्ष का केसरिया ध्वज चढ़ाएंगे और श्रीराम मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने की घोषणा करेंगे। 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की बेंच द्वारा श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला सुनाने के बाद 25 मार्च 2020 को पूरे 28 साल बाद रामलला टेंट से निकलकर फाइबर मंदिर में शिफ्ट हुए थे। इसके बाद 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम जन्मभूमि परिसर में भूमि पूजन कर श्रीराम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को रामलला की मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा हुई। आज करोड़ों लोग भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या आ रहे हैं। आज जो भगवान के दर्शन हो रहे हैं, उसके पीछे दशकों तक चली लंबी कानूनी लड़ाई है। राम मंदिर निर्माण का सफर काफी चुनौतियों भरा रहा है। बाबरी विवाद, अदालतों में चली लंबी लड़ाई और फिर शीर्ष अदालत के फैसले के बाद मंदिर का निर्माण शुरू हुआ।

विवेक सक्सेना
अयोध्या

अब तक के इतिहास के अहम पड़ाव

- 1528 : अयोध्या में राम जन्मभमूमि पर मस्जिद बनने से शुरू हुआ विवाद
  मुगल शासक बाबर के सूबेदार मीरबाकी ने 1528 में अयोध्या में एक मस्जिद बनवाई। यह मस्जिद उसी जगह बनी जहां भगवान राम का जन्म हुआ था। बाबर के सम्मान में मीर बाकी ने इस मस्जिद का नाम बाबरी मस्जिद रखा। 19 वीं सदी में हिंदुओं ने यह मामला उठाया और कहा कि भगवान राम के जन्मस्थान मंदिर को तोड़कर मस्जिद बना ली गई। इसके बाद से रामलला के जन्मस्थल को वापस पाने की लड़ाई शुरू हुई।
- 1858 : बाबरी मस्जिद बनने के 330 साल बाद हुई पहली एफआईआर
  मीरबाकी के मस्जिद बनाने के 330 साल बाद 1858 में लड़ाई कानूनी हो गई, जब पहली बार परिसर में हवन, पूजन करने पर एक एफआईआर हुई। अयोध्या रिविजिटेड किताब के मुताबिक एक दिसंबर 1858 को अवध के थानेदार शीतल दुबे ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि परिसर में चबूतरा बना है। ये पहला कानूनी दस्तावेज है, जिसमें परिसर के अंदर राम के प्रतीक होने के प्रमाण हैं। इसके बाद तारों की एक बाड़ खड़ी कर विवादित भूमि के आंतरिक और बाहरी परिसर में मुस्लिमों और हिंदुओं को अलग-अलग पूजा और नमाज की इजाजत दी गई।
- 1885 : जब अदालत पहुंची राम के लिए पक्के घर की बात
  1858 में हुई लड़ाई के 27 साल बाद 1885 में राम जन्मभूमि के लिए लड़ाई अदालत पहुंची। जब निर्मोही अखाड़े के मंहत रघुबर दास ने फैजाबाद के न्यायालय में स्वामित्व को लेकर दीवानी मुकदमा दायर किया। दास ने बाबरी ढांचे के बाहरी आंगन में स्थित राम चबूतरे पर बने अस्थायी मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की मांग की। जज ने फैसला सुनाया कि वहां हिंदुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार है, लेकिन वे जिलाधिकारी के फैसले के खिलाफ मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की अनुमति नहीं दे सकते।
- 1949 : मूर्तियों का प्रकटीकरण
  देश के आजाद होने के दो साल बाद 22 दिसंबर 1949 को ढांचे के भीतर गुंबद के नीचे रामलला की मूर्तियों का प्रकटीकरण हुआ। हिंदू पक्ष का कहना था कि राम प्रकट हुए हैं, जबकि मुस्लिमों ने आरोप लगाया था कि किसी ने रातों-रात मूर्तियां रख दीं। इसके बाद इसे विवादित ढांचा मानकर ताला लगवा दिया गया था।
- 1950 : आजादी के बाद पहला मुकदमा
  आजादी के बाद पहला मुकदमा हिंदू महासभा के सदस्य गोपाल सिंह विशारद ने 16 जनवरी, 1950 को सिविल जज, फैजाबाद की अदालत में दायर किया। विशारद ने ढांचे के मुख्य गुंबद के नीचे स्थित भगवान की प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना की मांग की। करीब 11 महीने बाद 5 दिसंबर 1950 को ऐसी ही मांग करते हुए महंत रामचंद्र परमहंस ने सिविल जज के यहां मुकदमा दाखिल किया। मुकदमे में दूसरे पक्ष को संबंधित स्थल पर पूजा-अर्चना में बाधा डालने से रोकने की मांग रखी गई। 3 मार्च 1951 को गोपाल सिंह विशारद मामले में न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष को पूजा-अर्चना में बाधा न डालने की हिदायत दी। ऐसा ही आदेश परमहंस की तरफ से दायर मुकदमे में भी दिया गया।
- 1959 : निर्मोही अखाड़े ने मांगी पूजा-अर्चना की अनुमति
  17 दिसंबर 1959 को रामानंद संप्रदाय की तरफ से निर्मोही अखाड़े के छह व्यक्तियों ने मुकदमा दायर कर इस स्थान पर अपना दावा ठोका। साथ ही मांग रखी कि रिसीवर प्रियदत्त राम को हटाकर उन्हें पूजा-अर्चना की अनुमति दी जाए। यह उनका अधिकार है। मुकदमों की कड़ी में एक और मुकदमा 18 दिसंबर 1961 को दर्ज किया गया। ये मुकदमा उत्तर प्रदेश के केंद्रीय सुन्नी वक्फ बोर्ड ने दायर किया। कहा कि यह जगह मुसलमानों की है। ढांचे को हिंदुओं से लेकर मुसलमानों को दे दिया जाए। ढांचे के अंदर से मूर्तियां हटा दी जाएं। ये मामले न्यायालय में चलते रहे।
- 1982 : हिंदू धर्मस्थलों की मुक्ति का अभियान
  1982 वो साल था जब विश्व हिंदू परिषद ने राम, कृष्ण और शिव के स्थलों पर मस्जिदों के निर्माण को साजिश करार दिया और इनकी मुक्ति के लिए अभियान चलाने का एलान किया। दो साल बाद 8 अप्रैल 1984 को दिल्ली में संत-महात्माओं, हिंदू नेताओं ने अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि स्थल की मुक्ति और ताला खुलवाने को आंदोलन का फैसला किया।
- 1986 : परिसर का ताला खुला
  कानूनी लड़ाई में एक फैसला 1 फरवरी 1986 को आया जब फैजाबाद के जिला न्यायाधीश केएम पांडेय ने स्थानीय अधिवक्ता उमेश पांडेय की अर्जी पर इस स्थल का ताला खोलने का आदेश दे दिया। फैसले के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में दायर अपील खारिज हो गई।

इतिहास में दर्ज हो रही है एक-एक तिथि

राम मंदिर शिलान्यास, फिर प्राण प्रतिष्ठा और अब ध्वजारोहण। एक एक तिथि अब इतिहास में दर्ज हो रही है। अयोध्या की अलौकिकता अद्भुत बन गई है। शिलान्यास के बाद से रामनगरी में निरंतर विशिष्ट आयोजनों की श्रृंखला नए कीर्तिमान गढ़ रही है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जहां रामोत्सव के रंग क्षितिज पर छाए थे, वहीं योगी सरकार द्वारा लगातार आठ भव्य दीपोत्सव के आयोजनों ने अयोध्या को विश्व पटल पर आच्छादित कर दिया। अब जब राम मंदिर पूर्ण स्वरूप में अपनी आभा बिखेर रहा है, तो 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा होने वाला ध्वजारोहण अनुष्ठान उत्सव रामनगरी के लिए ही नहीं, बल्कि सनातन समाज को आह्लादित कर देने वाला है।

राम जन्मभूमि पर बने भव्य राम मंदिर ने अब अपना पूर्ण स्वरूप धारण कर लिया है। शिलान्यास के पावन क्षण से शुरू हुई यात्रा अब ध्वजारोहण के साथ एक और स्वर्णिम अध्याय लिखने को तैयार है। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं भगवा ध्वज चढ़ाकर मंदिर को पूर्णता प्रदान करेंगे। यह आयोजन केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पांच सदी के संकल्प की पराकाष्ठा है। 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने जब राम मंदिर का शिलान्यास किया था, तब करोड़ों रामभक्तों की आंखें नम थीं। उस दिन अयोध्या ने सदियों का इंतजार समाप्त होते देखा। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा के साथ रामलला अपने नवीन मंदिर में विराजमान हुए। देश-दुनिया के कोने-कोने से आए श्रद्धालु उस अलौकिक दृश्य के साक्षी बने, जब प्रभु श्रीराम की मूर्ति में प्राण फूंके गए। अब जब मंदिर का गर्भगृह, नृत्य मंडप, सिंह द्वार और भेय खंड पूरे हो चुके हैं, तब ध्वजारोहण का क्षण आया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा ध्वजारोहण को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर लीं गईं हैं। राम मंदिर में ध्वजारोहण को लेकर विशेष अनुष्ठान भी प्रारंभ हो गया है। अनुष्ठान से पहले निकली कलश यात्रा ने नई आध्यात्मिक चेतना का संचार किया है।

अयोध्यावासियों ने ही नहीं संपूर्ण सनातन समाज को प्राण प्रतिष्ठा की तरह ही अब राम मंदिर पर लहराने वाली धर्म ध्वज पताका की प्रतीक्षा है। राष्ट्रीय बौद्धिक परिषद प्रमुख विजयशंकर पांडेय कहते हैं कि यह सनातन समाज के स्वप्नों का पूर्ण साकार रूप हैं, मंदिर पर ध्वजारोहण विश्व में मर्यादा पुरुषोत्तम के प्रति श्रद्धा के नवीन प्रकटीकरण का संवाहक होगा।

योगी सरकार के अयोध्या को आध्यात्मिक राजधानी का संकल्प भी पूर्ण

योगी आदित्यनाथ सरकार ने आठ वर्षों में अयोध्या को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनाने का जो संकल्प लिया था, वह अब साकार हो रहा है। दीपोत्सव के आठ आयोजन तो केवल झांकी थे। 2024 में 28 लाख दीपों ने जब सरयू तट को दुल्हन की तरह सजाया था, तब दुनिया ने देखा कि रामनगरी अब वैभव की नई परिभाषा लिख रही है। चौदह कोसी और पंचकोसी परिक्रमा मार्ग, नव्य सरयू घाट, राम की पैड़ी हर ओर भव्यता का विस्तार हुआ है।

ऐतिहासिक है 25 नवंबर ध्वजारोहण दिवस

25 नवंबर का दिन इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि यह कार्तिक पूर्णिमा के ठीक बाद का दिन है। वैदिक परंपरा में ध्वज को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक माना जाता है। जब 191 फिट ऊंचे ध्वजदंड पर 36 फिट लंबा भगवा

मंदिर में रामलला को प्रणाम कर श्रद्धा निवेदित करते मुख्यमंत्री योगी (फाइल फोटो)

ध्वज फहराया जाएगा, तब ऐसा प्रतीत होगा मानो स्वयं भगवान सूर्य राम मंदिर को अपनी किरणों से अभिनंदन कर रहे हों।

विश्व सांस्कृतिक धरोहर बनी नगरी

अयोध्या अब केवल तीर्थ नहीं, विश्व की सांस्कृतिक धरोहर बन चुकी है। जहां कभी खंडहर थे, वहां आज 67 एकड़ में फैला मंदिर परिसर खड़ा है। तीन मंजिला यह मंदिर नागर शैली में बना है, जिसमें 392 स्तंभ और 44 द्वार हैं। अब ध्वजा की छाया में जब रामलला विराजेंगे, तब सचमुच यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि रामराज्य की पहली किरण फूट पड़ी है। 25 नवंबर को जब प्रधानमंत्री ध्वज चढ़ाएंगे, उस क्षण करोड़ों भारतीयों का हृदय एक ही स्वर में गूंजेगा जय सिया राम। यह ध्वजारोहण केवल एक झंडे का चढ़ाना नहीं होगा, यह 500 वर्षों के तप, त्याग और संघर्ष का विजय पताका होगा, जो सनातन धर्म के पुनर्जागरण का घोष करता हुआ आकाश में लहराएगा।

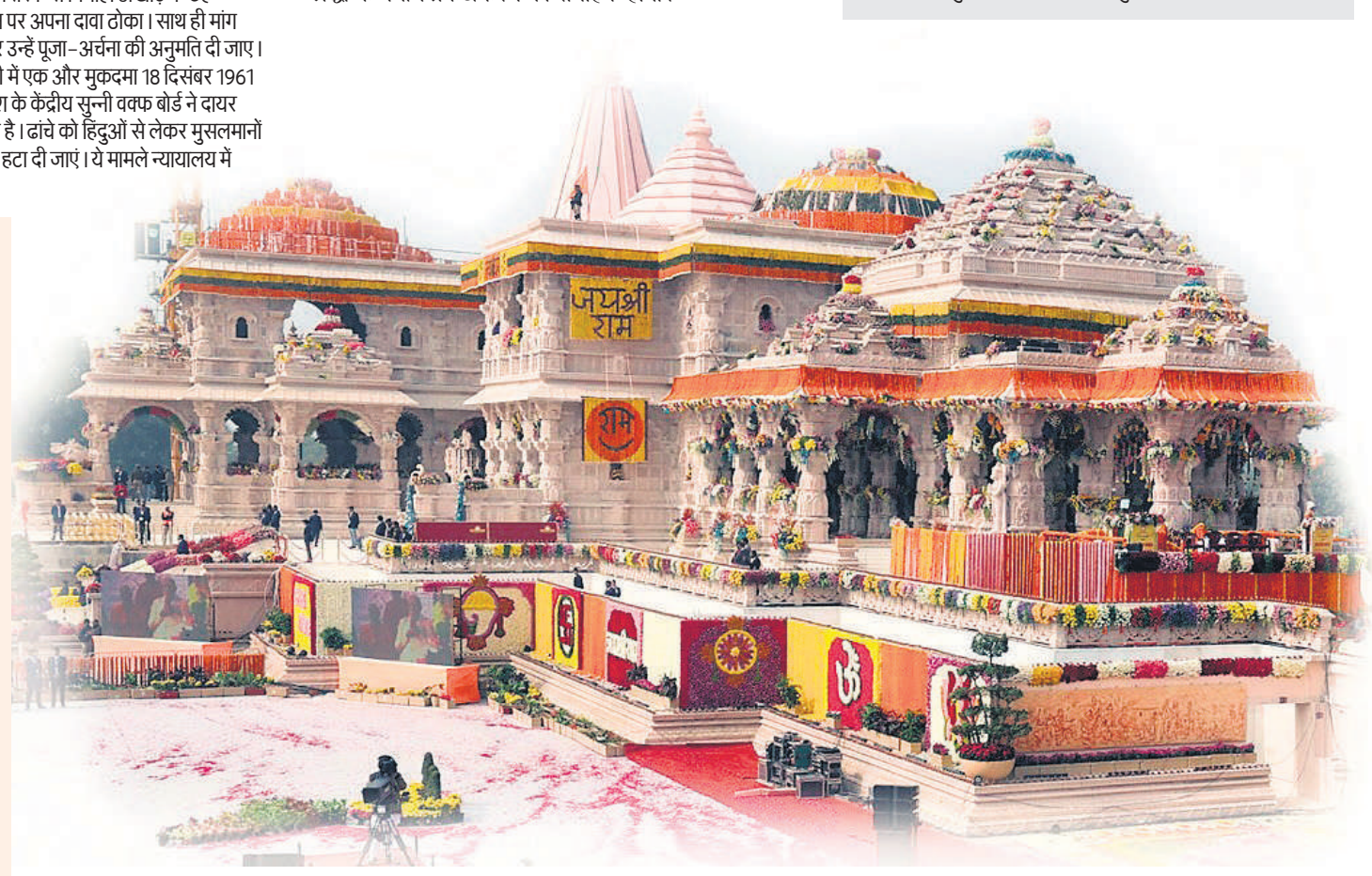

शिलान्यास से भव्य निर्माण तक

1989: राम जन्मभूमि पर मंदिर का शिलान्यास

जनवरी 1989 में प्रयाग में कुंभ मेले के दौरान मंदिर निर्माण के लिए गांव-गांव शिला पूजन कराने का फैसला हुआ। साथ ही 9 नवंबर 1989 को श्रीराम जन्मभूमि स्थल पर मंदिर के शिलान्यास की घोषणा की गई। काफी विवाद और खींचतान के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने शिलान्यास की इजाजत दे दी। बिहार निवासी कामेश्वर चौपाल से शिलान्यास कराया गया।

1990: आडवाणी ने शुरू की रथ यात्रा आंदोलन को दी धार

सितंबर 1990 को लाल कृष्ण आडवाणी रथ यात्रा लेकर निकले। इस यात्रा ने राम जन्मभूमि आंदोलन को और धार दे दी। आडवाणी गिरफ्तार हुए। गिरफ्तारी के साथ केंद्र में सत्ता परिवर्तन भी हुए।

1992: विवादित ढांचा गिरा, कल्याण सरकार बर्खास्त

6 दिसंबर 1992 को अयोध्या पहुंचे हजारों कारसेवकों ने विवादित ढांचा गिरा दिया। इसकी जगह इसी दिन शाम को अस्थायी मंदिर बनाकर पूजा-अर्चना शुरू कर दी। केंद्र की तत्कालीन पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने राज्य की कल्याण सिंह सरकार सहित अन्य राज्यों की भाजपा सरकारों को भी बर्खास्त कर दिया। जन्मभूमि थाना में ढांचा ध्वंस मामले में भाजपा के कई नेताओं समेत हजारों लोगों पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया।

1993: दर्शन-पूजन की मिली अनुमति

बाबरी ढहाए जाने के दो दिन बाद 8 दिसंबर 1992 को अयोध्या में कर्फ्यू लगा था। वकील हरिशंकर जैन ने उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में गुहार लगाई कि भगवान भूखे हैं। राम भोग की अनुमति दी जाए। करीब 25 दिन बाद 1 जनवरी 1993 को न्यायाधीश हरिनाथ तिलहरी ने दर्शन-पूजन की अनुमति दे दी।
7 जनवरी 1993 को केंद्र सरकार ने ढांचे वाले स्थान व कल्याण सिंह सरकार द्वारा न्यास को दी गई भूमि सहित यहां पर कुल 67 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर लिया।

2002: हाईकोर्ट में शुरू हुई मालिकाना हक पर सुनवाई

अप्रैल 2002 में उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने विवादित स्थल का मालिकाना हक तय करने के लिए सुनवाई शुरू हुई। उच्च न्यायालय ने 5 मार्च 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को संबंधित स्थल पर खुदाई का निर्देश दिया। 22 अगस्त 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने न्यायालय को रिपोर्ट सौंपी। इसमें संबंधित स्थल पर जमीन के नीचे एक विशाल हिंदू धार्मिक ढांचा (मंदिर) होने की बात कही गई।

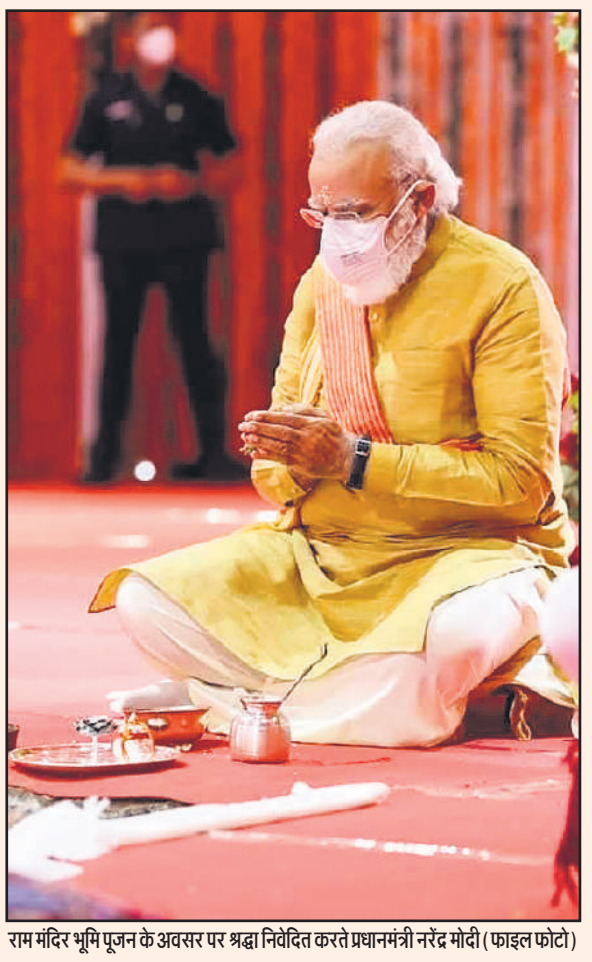

राम मंदिर भूमि पूजन के अवसर पर श्रद्धा निवेदित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (फाइल फोटो)

2010: इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दिया ऐतिहासिक फैसला

30 सितंबर 2010 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस स्थल को तीनों पक्षों श्रीराम लला विराजमान, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में बराबर-बराबर बांटने का आदेश दिया। न्यायाधीशों ने बीच वाले गुंबद के नीचे जहां मूर्तियां थीं, उसे जन्मस्थान माना। इसके बाद मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा।

2017 : सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मध्यस्थता की पेशकश

21 मार्च 2017 को सर्वोच्च न्यायालय ने मध्यस्थता से मामले सुलझाने की पेशकश की। यह भी कहा कि दोनों पक्ष राजी हों, तो वह भी इसके लिए तैयार है।

2019 : सुप्रीम फैसला और मंदिर निर्माण का रास्ता साफ

6 अगस्त 2019 को सर्वोच्च न्यायालय ने प्रतिदिन सुनवाई शुरू की। 16 अक्तूबर 2019 को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई पूरी हुई और कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। इससे पहले 40 दिन तक लगातार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। 9 नवंबर 2019 को 134 साल से चली आ रही लड़ाई में सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित स्थल को श्रीराम जन्मभूमि माना और 2 .77 एकड़ भूमि रामलला के स्वामित्व की मानी। वहीं, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी वक्फ बोर्ड के दावों को खारिज कर दिया गया। इसके साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि मंदिर निर्माण के लिए केंद्र सरकार तीन महीने में ट्रस्ट बनाए और ट्रस्ट निर्मोही अखाड़े के एक प्रतिनिधि को शामिल करे। साथ ही यह भी आदेश दिया कि उत्तर प्रदेश की सरकार मुस्लिम पक्ष को वैकल्पिक रूप से मस्जिद बनाने के लिए 5 एकड़ भूमि किसी उपयुक्त स्थान पर उपलब्ध कराए।

2020: अयोध्या में मंदिर की आधारशिला के साथ निर्माण कार्य शुरू

इसी के साथ दशकों से चली आ रही लंबी कानूनी लड़ाई समाप्त हो गई। 5 फरवरी 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की घोषणा की। इसके छह महीने बाद 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी।

2024: रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

134 साल चली कानूनी लड़ाई के बाद राम जन्मभूमि पर मंदिर के पहले चरण का काम पूरा होने के बाद इसमें रामलला को स्थापित किया गया। 22 जनवरी 2024 की वह ऐतिहासिक तारीख थी, जब मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हुई। 23 जनवरी से मंदिर आम लोगों के लिए खुल गया था।

सोत्र- गजेटियर, हिन्दू चेतना स्मारिका

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 25 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे में घायल महिला की अस्पताल में मौत

बदायूं, अमृत विचार : सड़क हादसे में घायल बुजुर्ग महिला की मुरादाबाद के अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह देखकर परिजनों में चीत्कार मच गया। उघैती थाना क्षेत्र के गांव गंदरौली निवासी शांति देवी (52) अपने परिजनों के साथ 21 नवंबर को खेत से वापस घर लौट रही थीं। सरैरा-रुदायन मार्ग पर रुदायन की ओर से तेज रफ्तार से आई बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजन घायल को चंदौसी के निजी अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सक ने हालत गंभीर बताई तो परिजन घायल को मुरादाबाद के अस्पताल ले गए। जहां रविवार देर शाम महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

चलती कार में लगी आग, चालक कूदा

बदायूं, अमृत विचार : जरीफनगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह संभल जिले की सीमा पर चलती कार में अचानक आग लग गई। चालक ने कार से कूदकर जान बचाई। गांव दांदरा निवासी विजय पुत्र अमर सिंह कार से नोएडा से अपने गांव जा रहे थे। गांव कादराबाद के पास अचानक कार में आग लग गई। सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

शराब के नशे में टावर पर चढ़ा युवक

बदायूं, अमृत विचार : उसावां थाना क्षेत्र के फुलचियाई नगरिया निवासी युवक शराब के नशे में रविवार शाम मोबाइल टावर पर चढ़ गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। युवक को समझाकर नीचे उतारा। युवक से पूछताछ की गई।

धर्मेंद्र के निधन पर कांग्रेस ने जताया शोक

बदायूं, अमृत विचार : अभिनेता धर्मेंद्र के निधन पर जिला कांग्रेस कमेटी ने शोक जताया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने उन्हें भारतीय सिनेमा का महान अभिनेता बताया। कहा कि अपने अद्भुत अभिनय, सादगी और करिश्माई व्यक्तित्व से हिंदी फिल्म जगत को नई दिशा दी। अभिनय की शैली को बदला, हर किरदार में सच्चाई उतारी। उनका निधन फिल्म उद्योग और देश की सांस्कृतिक विरासत की अपूरणीय क्षति है।

सर्वाधिक अंक मिलने पर बनाए जाएंगे परीक्षा केंद्र

जिले में परीक्षा केंद्र बनाने के लिए लागू की अंक प्रणाली

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए केंद्र निर्धारण की चल रही प्रक्रिया

अमृत विचार : हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा निर्धारण की प्रक्रिया जारी है। सत्यापन रिपोर्ट की फीडिंग का कार्य जारी है। बोर्ड निर्धारण के लिए जारी गाइड लाइन के तहत स्कूलों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं के आधार पर अंक दिए जाएंगे। सर्वाधिक अंक वाले विद्यालयों को ही इस बार बोर्ड परीक्षा में केंद्र बनाया जाएगा। अंक निर्धारण होने और सत्यापन रिपोर्ट अपलोड होने के बाद केंद्रों का निर्धारण डीएम की अध्यक्षता वाली कमेटी करेगी।

यूपी बोर्ड हाईस्कूल-इंटरमीडिएट की परीक्षाएं आगामी 18 फरवरी से प्रारंभ होनी है। परीक्षा कार्यक्रम जारी हो चुका है। अब परीक्षा कराने के लिए केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया चल रही है। जिले में हाईस्कूल इंटरमीडिएट के लिए 66 हजार से अधिक परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

> परीक्षा केंद्रों के निर्धारण के लिए विद्यालयों में सुविधाएं और उनकी प्रगति को देखते हुए अंक निर्धारित किए गए हैं। अंकों के आधार पर विद्यालयों को केंद्र बनाया जाएगा। जिसकी प्रक्रिया जारी है। - **लालजी यादव**, डीआईओएस

सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद रिपोर्ट अपलोड की जा रही है। इसे 25 दिसंबर तक अपलोड किया जाना है। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद केंद्र निर्धारण के लिए कॉलेजों को उनमें आधारभूत सुविधाओं के अनुसार अंक आवंटित किए जाएंगे। बोर्ड पटल देख रहे संजीव भारती ने बताया कि 2025 के बोर्ड परीक्षा में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट विद्यालय का परीक्षा परिणाम 90 फीसदी से ऊपर रहने पर 10-10 अंकों निर्धारित किए गए हैं। स्कूल में बच्चों की धारण क्षमता के आधार पर 30 अंकों का निर्धारण किया गया है। इसके अतिरिक्त विद्यालयों की श्रेणी व विद्यालयों के स्तर पर अंक दिए जाएंगे। अलग प्रक्रियाओं के पूरा होने के बाद 30 दिसंबर को केंद्रों की अंतिम सूची जारी होने की संभावना है।

विद्यालयों को इस तरह मिलेंगे अंक

- विद्यालय 2025 में परीक्षा केंद्र होने पर-20 अंक
- राज्य स्तर पर टॉप टेन में छात्र-छात्राओं के शामिल होने पर-20 अंक
- विद्यालय में स्मार्ट कक्षा संचालित होने पर-10 अंक
- सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में शिक्षण कार्य होने पर-10 अंक
- जनपद स्तर पर टॉप टेन में छात्र-छात्राओं के शामिल होने पर-10 अंक
- विद्यालयों की उपस्थित ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करने पर - 10 अंक

राजकीय मेडिकल कर्मचारी ने देहदान का लिया संकल्प

सुरेश चंद्र को देहदान संकल्प प्रमाण पत्र देते मेडिकल कॉलेज अधिकारी।

बदायूं, अमृत विचार : थाना व कस्बा उघैती निवासी 54 वर्षीय सुरेश चंद्र राजकीय मेडिकल कालेज में कर्मचारी हैं। सुरेशचंद्र ने सोमवार को देहदान का संकल्प लिया।

एनाटॉमी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मुकत्याज हुसैन, लैब टेक्नीशियन बॉडी इन्जेक्टर प्रमोद कुमार ने पंजीकरण कराया। प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार के दिशा-निर्देशानुसार एनॉटमी विभागाध्यक्ष डॉ. मुकत्याज हुसैन ने देहदानी सुरेशचन्द्र को देहदान के संकल्प का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य डा. अरुण कुमार ने कहा कि एक मानव देह से सैकड़ो डॉक्टर बनते हैं। इस मौके पर डॉ. एसके मिश्रा, डॉ. अर्जित गंगवार, पुष्पेन्द्र पाल, टिंकू कश्यप, रूबी गुप्ता, राकेश पाल आदि उपस्थित रहे।

जिले के दो कस्तूरबा गांधी विद्यालय होंगे उच्चीकृत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- चयनित विद्यालय में हो रहा निर्माण, अगले साल होंगे प्रवेश
- जिले में संचालित हैं 18 कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय

अमृत विचार : जिले के दो कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय उच्चीकृत होंगे। इसकी स्वीकृति शासन से दी गई है। इनमें निर्माण कार्य शुरू गया है। नए शैक्षिक सत्र में कक्षा नौ में प्रवेश लिए जाएंगे। इससे पूर्व जिले के 16 बा स्कूल उच्चीकृत हो चुके हैं। इनमें कक्षा 12 तक की कक्षाएं संचालित हो रही हैं।

जिले में 18 कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय संचालित हैं। इन स्कूलों को समग्र शिक्षा के तहत उच्चीकृत किया जा रहा है। इससे पूर्व यह विद्यालयों में कक्षा आठ तक की कक्षाएं संचालित होती थी। उच्चीकृत होने के बाद इनमें कक्षा छह से 12 तक की कक्षाएं संचालित हो रही हैं।

18 में 16 विद्यालय उच्चीकृत किए गए थे। दो वजीरगंज और अंबियापुर शेष बचे थे। किन्हीं कारणों से यह विद्यालय उच्चीकृत होने से रह गए थे। अब इन स्कूलों को उच्चीकृत किया जा रहा है। जिसकी शासन स्तर से स्वीकृति मिल गई है। शासन से स्वीकृति मिलने के बाद हॉस्टल आदि का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। बीएसए वीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि दो कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय उच्चीकृत होने के लिए बचे थे। उन्हें भी उच्चीकृत कर दिया गया है। उनमें निर्माण कार्य चल रहा है। नए शैक्षिक सत्र से कक्षा नौ में प्रवेश लिए जाएंगे।

छात्राओं को दी जाती है निशुल्क शिक्षा

कस्तूरबा गांधी आवासीय स्कूलों में छात्राओं को निशुल्क शिक्षा दी जाती है। इन स्कूलों में कक्षा आठ तक 100 छात्राओं को ठहरने सहित अन्य सुविधाओं को मुहैया कराया जाता था। अब 200 छात्राओं को शासन से निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। नए शैक्षिक सत्र में इन स्कूलों में छात्राओं की संख्या 3600 हो जाएगी।

शेखूपुर विधानसभा में पांच प्रतिशत भी नहीं हुआ काम

बदायूं, अमृत विचार: सभी विधानसभा क्षेत्रों में निर्वाचन नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षक का काम चल रहा है, लेकिन शेखूपुर विधानसभा में पांच प्रतिशत भी कार्य पूरा नहीं हुआ है। कार्य में लापरवाही बरतने वाले आंगनवाड़ी वर्कर्स, रोजगार सेवक, शिक्षामित्र, अनुदेशक और सहायक अध्यापकों का वेतन रोकने के आदेश निर्वाचन अधिकारी ने विभागाध्यक्षों को दिए हैं।

एसआईआर कार्य में नामित बीएलओ लापरवाही बरत रहे है। सबसे अधिक लापरवाही शेखूपुर विधानसभा में बीएलओ कर रहे है। अब तक पांच प्रतिशत कार्य भी पूरा नहीं हो सका है। नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षक कार्य में लापरवाही बरतने वाली 34 आंगनबाड़ी कार्यकत्री, 26 रोजगार सेवक, 23 शिक्षामित्र, 19 अनुदेशक और चार सहायक अध्यापकों के वेतन पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने वेतन रोकने के आदेश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। साथ ही कहा है कि उनके द्वारा कार्य में प्रगति न किए जाने पर संबंधित थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी जाए।

ताइक्वांडो : अजय को मिला गोल्ड मेडल

विजेताओं को मेडल देते ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष मेंदीरत्ता।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बरेली स्मार्ट सिटी इंडोर हॉल स्पोर्ट्स स्टेडियम 41वीं ऑफिसियल राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में 22 राज्यों के एक हजार से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। बदायूं के अजय पाल सिंह ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता। बरेली के इज्जतनगर स्थित स्मार्ट सिटी इंडोर हॉल स्पोर्ट्स स्टेडियम में ताइक्वांडो प्रतियोगिता 21 से 23 नवंबर के बीच हुई। 41वीं ऑफिसियल सीनियर एवं 8वीं कैडेट राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो संघ द्वारा आयोजित की गई थी। बदायूं के अजय पाल सिंह ने पूमसे टेबेक में शानदार प्रदर्शन कर 10 में से सर्वाधिक 6.7 अंक प्राप्त किए। प्रदेश के लिए स्वर्ण पदक जीता।

छुट्टी में भी खुलेंगे एक से 12 तक के स्कूल

- सुबह 9 से 5 बजे तक होगा गणना प्रपत्र एकत्रित करने का काम

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : एसआईआर काम 4 दिसंबर तक पूरा किया जाना है। इसके लिए प्रशासन तेजी से कार्य कर रहा है। एसआईआर कार्य को समय पर समाप्त करने के चलते छुट्टी में भी स्कूल कॉलेज खोले जा रहे हैं। मंगलवार को तेग बहादुर जयंती पर अवकाश होने पर डीएम ने सभी स्कूल कॉलेज खोलने के आदेश दिए हैं। जहां शिक्षक गणना प्रपत्र एकत्रित करने में बीएलओ की मदद करेंगे।

तेग बहादुर जयंती का अवकाश कैलेंडर में 24 दिसंबर को अंकित था, लेकिन शासन की ओर से 24 दिसंबर को अवकाश रद्द कर 25 दिसंबर को कर दिया। मंगलवार को सभी विभागों और स्कूल कॉलेजों में छुट्टी रहेगी, लेकिन जिले में चल रहे एसआईआर कार्य के चलते सभी परिषदीय, माध्यमिक स्कूलों के साथ वह भी शिक्षण संस्थान खुलेंगे जहां मतदान केंद्र बना हुआ है। इनमें शिक्षक उपस्थित रहकर बीएलओ की गणना प्रपत्र एकत्रित करने में मदद करेंगे। इनके अलावा डीएम ने स्वास्थ्य अधिकारियों और डीपीआरओ को भी आदेश दिया है कि इस कार्य में शिक्षा मित्र, पंचायत सहायक, रोजगार सेवक, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, आशा, आशा संगिनी, एएनएम भी बीएलओ का सहयोग करेंगी। डीएम ने स्कूलों को सुबह नौ बजे से पांच बजे तक खुले रखने के आदेश बेसिक शिक्षा अधिकारी के साथ जिला विद्यालय निरीक्षक को दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी है कि आदेशों का पालन न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

9 दिसंबर को होगा प्रकाशन: डीएम ने अधिकारियों को बताया कि गणना कार्य पूरा होने के बाद 9 दिसम्बर को निर्वाचक नामावली का आलेख्य प्रकाशन होगा। 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां दाखिल किए जाएंगे। 31 जनवरी 2026 तक नोटिस जारी किये जाने, सुनवाई एवं सत्यापन व दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण एवं गणना प्रपत्रों पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा निर्णय लिए जाएंगे। 7 फरवरी 2026 को निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन होगा।

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम अवनीश कुमार राय। ● अमृत विचार

गणना प्रपत्र समय से भरकर जमा करने की अपील

संवाददाता, बिल्सी

- 9 दिसंबर को जारी की जाएगी ड्राफ्ट सूची, पात्र मतदाताओं के नाम होंगे प्रकाशित

अमृत विचार : तहसील बिल्सी के एसडीएम प्रेमपाल सिंह ने सोमवार को सभी मतदाताओं से विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत गणना प्रपत्र भरकर संबंधित बीएलओ के पास जमा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हर पात्र मतदाता का नाम सूची में दर्ज हो सके इसके लिए समय पर प्रपत्र जमा करना बेहद जरूरी है।

एसडीएम ने बताया कि विशेष मतदाता पुनरीक्षण का कार्य चार नवंबर से शुरू हो चुका है। बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित कर रहे हैं। मतदाताओं से अपील की है कि प्रपत्र प्राप्त होते ही उसे सही-सही भरकर बीएलओ को वापस सौंप दें। उन्होंने प्रपत्र भरने को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश भी दिए। एसडीएम ने कहा कि जिन मतदाताओं का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में दर्ज है, वह प्रपत्र के बाएं हिस्से को भरें। वहीं जिनका नाम 2003 की सूची में दर्ज नहीं है, लेकिन उनके माता-पिता या दादा-दादी का नाम उसमें शामिल है, उन्हें प्रपत्र के दाएं हिस्से में अपने परिजनों की जानकारी भरनी होगी। उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की अफवाहों से दूर रहने और जल्द से जल्द गणना प्रपत्र जमा करने की अपील की। बताया कि नौ दिसंबर को ड्राफ्ट सूची जारी की जाएगी। जिसमें सभी पात्र मतदाताओं के नाम प्रकाशित किए जाएंगे।

एसआईआर शिविर लगाया, कर्मचारियों को किया तैनात

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

फीता काटकर शिविर आरंभ करतीं नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष फात्मा रजा।

अमृत विचार : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत शहर में लोगों की सुविधा के लिए नगर पालिका की ओर से सोमवार को लगाए गए शिविर का आरंभ नगर पालिका अध्यक्ष फात्मा रजा ने फीता काटकर किया। सभासदों, टैक्स कलेक्टरों और पालिका कर्मचारियों को पुनरीक्षण कार्य को शत प्रतिशत सफल बनाने को निर्देशित किया।

पालिका अध्यक्ष ने निर्देश दिए गणना फॉर्म हर घर तक पहुंचे और मतदाता भरे हुए फॉर्म बीएलओ को समय से सौंप दें। बताया कि शहर के हर वार्ड में सभासदों के साथ कर्मचारियों को वार्ड संख्या एक में देवेंद्र सक्सेना, वार्ड दो में गजेंद्र सिंह, वार्ड तीन में राजीव अनेजा, वार्ड चार में राम गोपाल, वार्ड पांच में परवेज, वार्ड छह में अफसर हुसैन, वार्ड सात में नरेंद्र पाल सिंह, वार्ड आठ में साहिल, वार्ड नौ में फिरोज अली, वार्ड 10 में मोहम्मद इमरान, वार्ड 11 में महेश बाबू, वार्ड 12 में शहजाद अली, वार्ड 13 में सुमित सिंह, वार्ड 14 में छुन्नन, वार्ड 15 में रामदेव आर्य को तैनात किया गया है। इनके अलावा वार्ड 16 मुशाहिद अली, वार्ड 17 में राशिद अली, वार्ड 18 में राकेश सोनकर, वार्ड 19 में सुरेंद्र कुमार, वार्ड 20 में साहिर हुसैन, वार्ड 21 में विनोद सोनकर, वार्ड 22 में नारायण दत्त शर्मा, वार्ड 23 में जोगेंद्र सिंह, वार्ड 24 में जहांगीर, वार्ड 25 में अकील अहमद, वार्ड 26 में मोहम्मद मियां, वार्ड 27 में अब्बास अली, वार्ड 28 में परवेज इकबाल, वार्ड 29 में नौमान के अलावा हेल्प डेस्क नगर पालिका

- कार्यालय पर नगर पालिका अध्यक्ष ने फीता काटकर किया शिविर का आरंभ

कार्यालय में खालिद अली, लवी कुमार और सोथा भंडार कुंआ लाइब्रेरी में नवेद इकबाल गनी, केशव गंगवार साथ ही एसके कालेज के सामने पार्किंग फील्ड में चंद्र भूषण और शरीफ अहमद को तैनात किया गया है। सभासदों, टैक्स कलेक्टर, सफाई नायकों से बीएलओ ने पुनरीक्षण कार्य में आ रही समस्याओं का निदान करने के निर्देश दिए गए।

पालिका खालिद अली खां, नवेद इकबाल गनी, सूर्य प्रकाश सक्सेना, सचिन सक्सेना, रजनेश चंद्रा, जहांगीर, विनोद प्रकाश सोनकर, महेश बाबू, मनोज सोनकर, देवेंद्र सक्सेना, मनोज सक्सेना, इमरान, फिरोज अली, नोमान, विकास भारद्वाज मौजूद थे।

पुरानी रंजिश में घर में घुसकर की मारपीट, शिकायत

बदायूं, अमृत विचार : कोतवाली सहसवान क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते कुछ लोगों ने एक घर में घुसकर मारपीट की। घटना में महिला समेत छह लोग घायल हो गए। सूचना पर पुलिस पहुंची। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया।

मामला सहसवान क्षेत्र के गांव इब्राहिमपुर गढ़ी का है। एक पक्ष की महिला आदेश ने तहरीर देकर बताया कि रविवार दरे रात पड़ोस में रहने वाले पांच लोग गाली-गलौज कर रहे थे। उन्होंने गाली देने का विरोध किया। तो वह लोग महिला के घर में घुस आए। लाठी-डंडों से मारपीट करने लगे। महिला के शोर मचाने पर उनका बेटा आया तो उसके साथ भी मारपीट की गई। बचाने आए नीरज और गौरव को भी पीटा। ग्रामीणों को आता देख आरोप धमकाते हुए भाग गए।

बदायूं डायरी

एसके कॉलेज में मनाया एनसीसी दिवस, कैडेट्स ने की परेड

बदायूं, अमृत विचार : एनसीसी बरेली के 21 यूपी वाहिनी कमांडिंग ऑफिसर कर्नल देवाशीष सिंह के निर्देश में श्री कृष्णा इंटर कॉलेज में एनसीसी दिवस मनाया गया। इस मौके पर कैडेट्स ने शानदार परेड की। एनसीसी अधिकारी कैप्टन विजय कुमार गौतम ने कैडेट्स को भ्रष्टाचार उन्मूलन की और अपने संगठन के प्रति सदैव ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ रहने की शपथ दिलाई। केयरटेकर राधेश्याम शर्मा और जूनियर व सीनियर सभी एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे। कैडेट्स के द्वारा शानदार परेड करके राष्ट्रध्वज और एनसीसी ध्वज को सलामी दी गई। एनसीसी गान गाया गया। कैप्टन विजय कुमार गौतम ने बताया कि एनसीसी की स्थापना 15 जुलाई 1948 को हुई थी। यह विश्व का सबसे बड़ा संगठन है जोकि युवाओं को प्रशिक्षित करता है। प्रधानाचार्य डॉ. संदीप भारती ने कैडेट्स को संबोधित किया। अनुशासित रहकर देश सेवा एवं समाज सेवा में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

स्कूलों में यातायात पुलिस ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

बदायूं, अमृत विचार : शहर के रोडवेज बस स्टैंड स्थित पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में यातायात पुलिस ने जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान यातायात प्रभारी ने बच्चों को यातायात नियम की जानकारी दी। यातायात प्रभारी आरएल राजपूत ने बच्चों को यातायात के नियमों का पालन करने की जानकारी दी। कहा कि बच्चों को यातायात के नियमों की जानकारी होनी आवश्यक है। उन्हें इन नियमों के प्रति अपने माता-पिता को भी जागरूक करना चाहिए। यातायात प्रभारी ने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करना चाहिए। अपने वाहन का बीमा, प्रदूषण, आरसी और लाइसेंस लेकर चलना चाहिए। कार चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें। नियमों का पालन चालान से बचने के लिए नहीं बल्कि अपनी सुरक्षा के लिए है। उन्होंने हादसा होने या आगजनी होने पर फायर ब्रिगेड व एंबुलेंस के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

बिल्सी के गेस्ट हाउस में किया महिला सम्मेलन का आयोजन

बिल्सी, अमृत विचार : भाजपा ने संचालित आत्मनिर्भर भारत संकल्प यात्रा के तहत सोमवार को बिल्सी महिला मंडल की ओर से महिला सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम गल्ला मंडी के गेस्ट हाउस पर हुआ। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रही भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अमिता उपाध्याय ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार योजनाएं चला रही है। सरकार की मंशा है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक महिला आर्थिक रूप से मजबूत हो और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। चेयरमैन ज्ञानदेवी सागर ने कहा कि महिलाओं के सामने आज रोजगार, सुरक्षा और शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने सभी महिलाओं से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष पिंकी कावरा, बबली देवी एवं मधु सोनकर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में महिला मोर्चा की टीम सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

महिला सशक्तिकरण और साइबर के प्रति किया जागरूक

बदायूं, अमृत विचार : राजकीय महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण एवं साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं को मिशन शक्ति सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई। कॉलेज प्राचार्य अनिल कुमार ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी, साहित्यिक, सूचना परक एवं अन्य पुस्तकों के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए किया जाना है। डॉ. शशि प्रभा ने छात्र-छात्राओं ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बालिकाओं को जागरूक करने की आवश्यकता है। उन्होंने छात्र- छात्राओं को विभिन्न प्रकार के साइबर खतरों तथा उनसे बचाव के बारे में बताया। डॉ. ज्योति विश्नोई ने छात्राओं को छेड़छाड़ आदि संबंधी कोई समस्या होने पर परिवार तथा अपने आसपास के लोगों को बताने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉ पीके शर्मा, प्रमोद शर्मा, निखिल सिंह चौहान, अनूप कुमार, शिवम कुमार, लायबा, अलीशा, मुस्कान आदि उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल | डॉक्टरों ने चार मरीजों के काला पानी और मोतियाबिंद के 17 ऑपरेशन किए

150 मरीजों की हुई जांच, 35 में निकला मोतियाबिंद

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

मोतियाबिंद के मरीजों को दवा लिखते नेत्र चिकित्सक पीयूष मोहन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सर्दी शुरू होते ही मोतियाबिंद के ऑपरेशन शुरू हो गए हैं। काला पानी बनने के बाद ऑपरेशन कराने वालों को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। उनकी आंख की रोशनी नहीं लौट रही है। नेत्र चिकित्सकों की माने तो जिला अस्पताल आने वाला हर पांचवां व्यक्ति मोतियाबिंद का शिकार है, जबकि पांच साल पहले तक गिने चुने मरीज ही ऑपरेशन को आते थे।

मोतियाबिंद के ऑपरेशन सर्दी के मौसम में अधिक संख्या में होते हैं जबकि गर्मी में बहुत कम मरीज ऑपरेशन करते हैं। मरीजों का कहना है कि गर्मी में ऑपरेशन कराने में परेशानी होती है, जबकि सर्दियों में परेशानी कम होती है इसलिए अब तीन से चार महीने तक मोतियाबिंद के ऑपरेशन हर दिन दर्जनों मरीज कराएंगे। सोमवार को नेत्र विभाग में करीब 150 से अधिक मरीजों ने अपनी आंखें चेक कराया। इसमें 30 से 35 लोगों को मोतियाबिंद निकला। नेत्र रोगियों की भारी भीड़ रही। नेत्र चिकित्सक डॉ. पीयूष मोहन अग्रवाल ने बताया कि अब मोतियाबिंद के ऑपरेशन शुरू हो गए हैं, लेकिन जिन लोगों से समय पर मोतियाबिंद का ऑपरेशन नहीं कराया उनकी आंख में काला पानी बन गया है। उनका ऑपरेशन करने के बाद भी कोई खास लाभ नहीं मिल रहा है। बताया कि सोमवार को चार लोगों की आंख में काला पानी होने पर ऑपरेशन किया गया। इसमें एक मरीज की आंख की रोशनी ठीक हुई, जबकि तीन लोगों को खास लाभ नहीं हुआ है, जबकि मोतियाबिंद के 17 मरीजों के ऑपरेशन किए गए, जो सभी सफल रहे। नेत्र चिकित्सक ने बताया कि मोतियाबिंद बनने के चार माह बाद तक ऑपरेशन कराया जा सकता है। यदि अधिक समय बाद कराया तो आंख की रोशनी वापस आने की उम्मीद बहुत कम हो जाती है। इसलिए नेत्र मरीजों को समय पर ही मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराना चाहिए। नेत्र विभाग से आज तीन लोगों को बाहर ऑपरेशन कराने की सलाह दी गयी। इन तीनों की आंख का मोतियाबिंद पक चुका था। मरीजों को बताया गया कि आंख में दिक्कत अधिक है इसलिए पूरी रोशनी वापस आने की संभावना कम है। इस पर उन मरीजों से स्वयं ही बाहर ऑपरेशन कराने की बात कही।

- अधिक समय बाद ऑपरेशन कराने पर रोशनी वापस आने की उम्मीद हो जाती है कम

अधिक मोबाइल देखने से बच्चों की आंखे हो रही खराब

गर्मियां खत्म होते ही अब छोटे बच्चों की आंख में इन्फेक्शन बहुत कम संख्या में देखने को मिल रहा है, जबकि गर्मी के समय पांच से 10 साल तक के बच्चों की आंखों में इन्फेक्शन हो रहा था। अब कुछ समय से बच्चों को इन्फेक्शन से राहत मिली है। लेकिन आंख में अन्य कई तरह की परेशानियां सामने आ रही हैं। जो अधिक मोबाइल देखने से बन रही है। रात में मोबाइल चलाने वाले बच्चों को चश्मा भी लग रहा है।

न्यूज ब्रीफ

पंचतत्व में खो गए फिल्मों के सरताज

बदायूं, अमृत विचार : अभिनेता धर्मेंद्र के निधन पर हर तरफ शोक की लहर है। वरिष्ठ समाजसेवी व साहित्यकार अशोक खुराना ने शब्दों में दुख व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा कि पंचतत्व में खो गए फिल्मों के सरताज, भारतवासी याद कर बहुत दुखी हैं आज। अभिनय में अव्वल रहे बालीबुड हीमैन, दुखी हुए दर्शक सभी अश्रु भिगोये नैन। कहा कि आज सिने जगत का सितारा अस्त हो गया।

ट्रक चालक की पीटकर हत्या करने का आरोप

बरेली, अमृत विचार : बहेड़ी क्षेत्र में ट्रक ड्राइवर का शव मालिक के ऑफिस के केबिन में पड़ा मिला। परिजनों ने परिजनों ने ट्रक मालिक आशु और उसके ममेरे भाई पंकज पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक की पहचान उधम सिंह नगर के छतरिया थाना क्षेत्र के पुलभट्टा निवासी 22 वर्षीय मुकेश के रूप में हुई है। मृतक के भाई सुनील ने बताया कि मुकेश रविवार को नौगामा गांव से गन्ना लादकर बहेड़ी की ओर आ रहा था। इसी दौरान बहेड़ी फाटक के पास ट्रक की पंकज की गाड़ी से टक्कर हो गई, जिसके बाद मुकेश को पंकज अपनी कार में बैठाकर आशु के ऑफिस ले गया। सुनील का आरोप है कि ऑफिस पहुंचते ही केबिन के अंदर मुकेश की बेरहमी से पिटाई की गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर मामले में जांच शुरू कर दी है। परिजनों के मुताबिक घटना की जानकारी खुद आशु ने फोन करके दी थी। जब परिवार ऑफिस पहुंचा तो मुकेश का शव केबिन में पड़ा था। बहेड़ी थाना प्रभारी पवन कुमार कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट होंगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है।

जूनियर बालिका हैंडबॉल के ट्रायल आज

बरेली, अमृत विचार : क्षेत्रीय कार्यालय अयोध्या की ओर से 29 नवंबर से 2 दिसंबर तक प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए बरेली की टीम का चयन किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तरीय ट्रायल 25 नवंबर और मंडल स्तरीय ट्रायल 26 नवंबर को स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे।

किसान के पास जितनी होगी जमीन उतनी ही मिलेगी खाद

एल वन पीओएस मशीन अपडेट कर रहा कृषि विभाग, कालाबाजारी पर लगेगा अंकुश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : खाद की कालाबाजारी अब नहीं हो पाएगी और न ही किसान जरूरत से अधिक खाद ले जाएंगे। उनके पास जितनी भूमि होगी उतनी ही खाद मिलेगी। इसके लिए कृषि विभाग एल वन पीओएस मशीन को अपडेट कर रहा है। नई व्यवस्था के तहत मशीन पर अंगूठा लगाते ही गलत तरीके से यूरिया और डीएपी प्राप्त करने वाले किसान की पहचान हो जाएगी। कृषि विभाग ने सभी उर्वरक विक्रेताओं को नई पीओएस मशीन पर अंगूठा लगवाने के बाद ही खाद किसानों को उपलब्ध कराने के आदेश दिए हैं।

जिले में खाद को लेकर मारामरी मची हुई है। समितियों पर खाद के लिए किसानों की लंबी लाइन लगी हुई है। किसी को जरूरत से अधिक खाद मिल रही है। तो कोई खाली हाथ लौट जा रहा है। भरपूर खाद होने के बाद भी किसान खाद न मिलने की शिकायत कर रहे हैं। ऐसी स्थित से निपटने के लिए कृषि विभाग एल वन पीओएस मशीन को अपडेट किया जा रहा है। पीओएस मशीन को नए वर्जन 3.3.1 से अपडेट होगी। सिस्टम टीएमएस सर्वर से संचालित किया जाएगा। साथ ही जियो-फेंसिंग व्यवस्था भी लागू की जाएगी। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि अपडेट पीओएस मशीन उसी खाद बिक्री के स्थान पर कार्य करेगी जहां उसे निर्धारित किया गया है। बताया कि पीओएस मशीन ऑन करते ही संबंधित विक्रय केंद्र के अक्षांश और देशांतर (जियो कोऑर्डिनेट) स्वतः अपडेट हो जाएगा। दुकानदार को पुष्टि कर ओके करना होगा।

किसी भी खाद बिक्री केंद्र पर अनियमितता पाई जाती है तो विक्रेता के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 तथा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कार्रवाई की जाएगी। किसानों को भी जोत वहीं आधार पर खाद दी जाएगी। यदि किसी किसान के द्वारा जरूरत से अधिक खाद खरीदी जाती है तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होगी।

- मशीन में अंगूठा लगाते ही गलत तरीके से खाद लेने वाले पकड़े जाएंगे किसान

खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए एल वन पीओएस मशीन को अपडेट किया जा रहा है। मशीन को नए वर्जन 3.3.1 में अपडेट किया जा रहा है। इस मशीन पर अंगूठा लगाने के बाद किसान के पास कितनी जमीन है उसकी जानकारी मिल जाएगी। उसी के आधार पर खाद दी जाएगी। विक्रेताओं को नई व्यवस्था के तहत खाद बिक्री करने के आदेश दिए हैं।

– मनोज रावत, जिला कृषि अधिकारी

रात 8 बजे के बाद नहीं मिलेगी खाद

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि पहले किसी भी खाद का वितरण किया जा सकता था, लेकिन समय निर्धारित कर दिया है। नई व्यवस्था के तहत रात 8 बजे के बाद खाद की बिक्री नहीं होगी। इसकी बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित की जा रही है। पोर्टल पर बिक्री का समय भी दर्ज करना होगा। यदि 8 बजे के बाद बिक्री होना पाया जाता है तो संबंधित दुकानदार या समिति सचिव के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। कृषि अधिकारी ने बताया कि किसान द्वारा उसी माह व सीजन में लिए गए उर्वरक की जानकारी पीओएस मशीन पर दिखाई देगी। उसी के आधार पर निर्धारित मात्रा तक ही बिक्री की अनुमति होगी। अधिक बिक्री करने पर भी खाद विक्रेता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फर्रुखाबाद रोड पर दुकानदारों ने किया अतिक्रमण

बदायूं, अमृत विचार : फरूखाबाद रोड स्थित मंडी समिति के सामने दुकानदारों ने सड़क पर अतिक्रमण शुरू कर दिया है। इससे बसों ट्रकों को आवागमन में दिक्कत हो रही है। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

मंडी समिति के निकट फर्रुखाबाद रोड व मझिया को जाने वाली सड़क पर दुकानदारों ने कब्जा करना शुरू कर दिया है। रोड पर अपनी दुकानों का सामान लगा दिया है जिससे सड़क पर आने जाने वालों को दिक्कत होती है। फर्रुखाबाद रोड स्थित मंडी के ठीक सामने रोड पर फल विक्रेताओं ने कब्जा कर लिया है। सब्जी विक्रेताओं ने अपनी दुकान सड़क पर लगा ली हैं जिससे दिक्कत होती है। यहां रहने वाले लोगों का कहना है कि दुकानदारों ठेले वालों के कारण हर समय परेशानी होती है। यह लोग दुकानों का सामना निकाल कर सुबह को बाहर रख देते हैं और रात नौ बजे तक सड़कों पर ही दुकानदारी करते हैं। पालिका प्रशासन को इस पर रोक लगानी चाहिए।

कादरचौक में बड़े पैमाने पर हो रहा अवैध खनन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : मेला ककोड़ा के समापन के बाद कादरचौक में गंगा से रेत का अवैध खनन तेजी से हो रहा है। वन विभाग ने शनिवार की रात अवैध खनन कर लाए जा रहे रेत से भरे एक ट्रॉली को पकड़ लिया। वनकर्मियों ने वाहन को अपने कब्जे में लेकर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कादरचौक क्षेत्र के गांव ककोड़ा के निकट पिछले दिनों मेला ककोड़ा का आयोजन गंगा किनारे किया गया था। जैसे ही मेले का समापन हुआ वैसे ही अवैध खनन करने वाले फिर से सक्रिय हो गए। शनिवार रात वन विभाग की एक टीम कादरचौक क्षेत्र में अपनी रेंज में गश्त कर रही थी। कादरचौक रोड पर रेत से भरी ट्राली आती हुई दिखी। वन विभाग कर्मियों ने रेत से लदी ट्राली पकड़ ली। चालक को पकड़ कर ट्राली को अपने कब्जे में ले ली। पूछताछ करने पर चालक ने अपना नाम अजय निवासी गंगपुर बताया। सूचना पर सीओ विकास वरुण मौके पर पहुंच गए। पूछताछ करने के बाद रेत से भरी ट्राली वन विभाग परिसर में लाकर खड़ी करवा दी। चालक अचय के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर दी गई। सीओ विकास वरुण ने बताया कि चार टीमें तैनात की हैं जो प्रत्येक वाहन पर नजर रखेंगी। बता दें कि उझानी के आसपास के गांवों में मिट्टी का अवैध खनन बड़े स्तर पर किया जा रहा है। इस क्षेत्र में अवैध खनन पिछले कई माह से सक्रिय हैं। पुलिस और खनन विभाग को ग्रामीणों ने अवैध खनन की जानकारी भी दी है। इसके बाद पुलिस ने कछला और रमजानपुर इलाके में गश्त बढ़ा दी है।

वन विभाग कार्यालय परिसर में खड़ी रेत से भरी ट्रॉली। ● अमृत विचार

- रेत से भरी ट्रॉली पकड़ी, चालक के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

बदायूं के स्काउट-गाइड ने किया शानदार प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : लखनऊ की वृंदावन कॉलोनी के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड स्थित 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी के भव्य आरंभ पर देश-विदेश की सभ्यता और संस्कृति देखने को मिली। कार्यक्रम में बदायूं के स्काउट गाइड ने शानदार प्रदर्शन कर सभी का दिल जीत लिया।

आरंभ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्काउट ध्वज फहराकर किया। प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश चंद्र सक्सेना ने जंबूरी में टेंटों, गैजेट्स आदि का निरीक्षण किया। स्काउट गाइड द्वारा किए गए कार्यक्रमों की सराहना की। पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि जंबूरी में सऊदी अरब, श्रीलंका, मालदीप, नेपाल आदि देशों के अलावा देश के उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, जम्मू कश्मीर, केरल, राजस्थान, गोवा, हरियाणा, छत्तीसगढ़, त्रिपुरा, असम, गुजरात, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, पांडिचेरी, बिहार, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश आदि के स्काउट गाइड ने अपने यहां की संस्कृति और सभ्यता की वेशभूषा में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम मचाई। जंबूरी में जिले के स्काउट गाइड हर गतिविधि में बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं। डीटीसी सत्यपाल गुप्ता के नेतृत्व में स्काउट गाइड ने जिले के तीर्थ स्थलों के साथ भव्य गेट और गैजेट तैयार कर लिए हैं। बच्चों में विभिन्न देशों के स्काउट गाइड से मिलकर नई ऊर्जा देखने को मिल रही है। जिला संगठन कमिश्नर मोहम्मद असरार ने बच्चों के कार्यों की सराहना की। राष्ट्रपति शिक्षक सम्मान प्राप्त शिक्षक कुंवर सेन और उमेश चंद्र के नेतृत्व में संविलियन विद्यालय हर्रायपुर बिसौली के स्काउट गाइड ने कैंप फायर में देशभक्ति कार्यक्रम के दौरान वाहवाही लूटी। जंबूरी में जिले से सुरेश चंद्र मिश्रा, कंवरसेन, उमेश चन्द्र, आशुतोष, मनोज कुमार सिंह, कैलाश चंद्र, चंद्र मोहन, आशुतोष शर्मा, श्रेष्ठ जीत, ज्योति सक्सेना, सरोजिनी गुंजयाल, कंचन सक्सेना आदि मौजूद रहीं।

महेश चंद्र सक्सेना से परिचय प्राप्त करते अनिल कुमार जैन। ● अमृत विचार

राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देते स्काउट।

- राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ में 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का किया आरंभ

बिना अनुमति शिफ्ट किए ट्रांसफार्मर व पोल, नोटिस

बरेली, अमृत विचार : बिजली विभाग के अधिकारियों और ठेकेदारों ने साठगांठ कर स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत बने फुटपाथ को बिना अनुमति तोड़कर ट्रांसफार्मर और पोल शिफ्ट कर दिए। ऐसा एक नहीं बल्कि कई स्थानों पर किया गया है। मामला जब स्मार्ट सिटी के अफसरों के संज्ञान में आया तो अब बिजली विभाग को नोटिस जारी कर दिया गया है। वहीं, मामले की जांच भी आरंभ कर दी गई है।

सर्किट हाउस चौराहा के पास रोड नंबर 11 पर स्थापित ट्रांसफार्मर को बिना अनुमति फुटपाथ तोड़कर शिफ्ट कर दिया गया।

कार्यालय जिला मजिस्ट्रेट, शाहजहाँपुर।

संख्या–1708/ न्याय सह — दिनांक: 07 नवम्बर, 2025

विज्ञप्ति

विशेष सचिव, उ0प्र0 शासन न्याय अनुभाग–3 (नियुक्तिया) लखनऊ के शासन के पत्र दिनाँक 27.10.2025 के कम में जनपद शाहजहाँपुर में सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) के एक रिक्त पद पर विधि परामर्शी निदेशिका में उल्लिखित प्राविधानों के अन्तर्गत आबद्धता हेतु पैनल गठन की कार्यवाही पूर्ण कर शासन को उपलब्ध कराये जाने हेतु निम्न निर्धारित प्रारूप पर आवेदन–पत्र आमंत्रित किया जाता है।

क्र. सं.	रिक्त पद	रिक्त पद की सख्या
1	सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी)	1

आवेदन–पत्र का प्रारूप

स्व प्रमाणित फोटो चस्पा किया जायेगा।

1–पदनाम जिसके लिये आवेदन किया गया–.....
2–आवेदक का नाम.....
3–आवेदक पिता का नाम.....
4–स्थायी / वर्तमान पता.....
5–जन्म तिथि (हाईस्कूल परीक्षा प्रमाण–पत्र की प्रमाणित प्रति सहित)
6–शैक्षिक योग्यत्ता.....
7–व्यवसायिक योग्यता.....
8 अधिवक्ता के रूप में अनुभव..... 9–विधि व्यवसायी के रूप में पंजीयन संख्या.....
(अ) प्रादेशिक (ब) स्थानीय
10–हिन्दी में प्रवीणता–
(स्वयं प्रमाणित फोटो चस्पा किया जायेगा)
11–विगत तीन वर्षो में विधि व्यवसाय की आय पर आयकर की अदायगी का विवरण पैन नम्बर अथवा आयकर रिटर्न की प्रमाणित प्रतियों सहित।, 12–विगत दो वर्षो के दौरान किये गये विधि कार्य का न्यायालय द्वारा सत्यापित विवरण सफलता के प्रतिशत सहित, 13–अन्य विवरण यदि कोई हो
दिनोंक–..

आवेदक का नाम / हस्ताक्षर
दूरभाष/मो0 संख्या–

उक्त पद के लिये अर्हतायें, शर्ते एवं निर्देश– 1. आवेदक को विधि स्नातक के साथ बार का सदस्य होने एवं तत्संबंधी प्रमाण–पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। 2. सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौ0) पद के लिये 07 वर्ष, विधि कार्य का अनुभव अनिवार्य है। 3. आवेदक की हिन्दी में प्रवीणता आवश्यक है। 4. आवेदक को विगत तीन वर्षो में विधि व्यवसाय की आय पर आयकर की अदायगी के संबंध में साक्ष्य देना आवश्यक है। 5. आवेदक के द्वारा विगत दो वर्षो में फौजदारी वादों में किये गये विधि व्यवसाय का न्यायालय द्वारा सत्यापित विवरण आवेदन–पत्र के साथ लगाना होगा। 6 आवेदक की आयु 60 वर्ष से कम होनी चाहिये। 7. सभी तथ्यों के संबंध में प्रमाण–पत्रों की प्रमाणित छायाप्रतियां संलग्न की जाये। 8. आवेदन पत्र स्वच्छ पठनीय लिपि में निर्धारित प्रारूप पर अपेक्षित विवरण / प्रमाणिक अभिलेखों सहित होनाचाहिये तथा पद की अर्हतायें एवं निर्देशों के पालन न होने की दशा में आवेदन–पत्र पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा। 9. आवेदन पत्र, प्रकाशित विज्ञप्ति की तिथि से 15 दिवस के अन्दर कार्यालय जिला मजिस्ट्रेट शाहजहांपुर (न्याय सहायक) को 03 प्रतियों में पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किये जायेंगे। विलम्ब से प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा।

UP – 241206 दिनांक: 21/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(धर्मेन्द्र प्रताप सिंह),
जिला मजिस्ट्रेट, शाहजहाँपुर।

...हम कस्तूरी ढूंढ रहे हैं अब कुत्तों की नाभि में

संवाददाता, उसावां

अमृत विचार : मंदाकिनी साहित्य मंच की ओर से उसावां नगर पंचायत चेयरमैन प्रियंका अनिल सिंह चौहान के आवास पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अनिल सिंह चौहान और मंच के संस्थापक शेर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर आरंभ किया।

गीतकार डॉ. अरविंद धवल ने कहा कि राम नहीं दिखते भैया में सीता दिखे न भाभी में, ताला तोड़ रहे हैं हम विश्वास नहीं है चाबी में, पश्चिम की आंधी में उड़ कर आज यहां आ पहुंचे हैं, हम कस्तूरी ढूंढ रहे हैं अब कुत्तों की नाभि में। छंदकार नंदकिशोर पाठक ने पढ़ा कि इस देश में ही पुनर्जन्म मांगते रसखान, इकबाल का सारे जहां से प्यारा हिंदुस्तान, अब्दुल हमीद जैसे वीर जान दे गए, अशफाक उल्ला खान के सपने नए-नए। इनके अलावा अमित शर्मा, आदेश कुमार सिंह, संतोष कुमार सिंह, रामानंद मिश्रा, मुशीर अहमद मुशीर ने काव्य पाठ, मंच के संस्थापक, मनी सिंह गौर, सुरेश कुमार यादव किया।

शिक्षा और जागरुकता के जरिए शांति को दें बढ़ावा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : गिन्दो देवी महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत हिंसा रोकने में युवाओं की भूमिका पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की प्राचार्य प्रो. सरला चक्रवर्ती ने मां सरस्वती के समक्ष पुष्प अर्पित करके की।

प्राचार्य ने कहा कि युवा शिक्षा और जागरुकता के जरिए शांति को बढ़ावा देकर, एकता को बढ़ावा देने वाली कम्युनिटी एक्टिविटी में शामिल होकर और सामाजिक बदलाव के लिए अपनी एनर्जी का इस्तेमाल करके हिंसा को रोक सकते हैं। इसमें भेदभाव को नकारना, बिना हिंसा के झगड़े सुलझाने का तरीका अपनाना, और सोशल मीडिया जैसे प्लेटफॉर्म पर और अपनी कम्युनिटी में नफरत और अन्याय के खिलाफ बोलना शामिल है। इस दौरान भाषण प्रतियोगिता हुई। पहले सेमेस्टर की प्रतीक्षा विजेता बनीं। एनएसएस की अवनीशा वर्मा ने संचालन किया। डॉ. प्रीति वर्मा ने धन्यवाद दिया।

छात्राओं को जागरूक करतीं प्राचार्य प्रो. सरला चक्रवर्ती।

- गिन्दो देवी महाविद्यालय में हुआ जागरुकता कार्यक्रम

बजरंग और साइन ब्लास्टर ने जीता क्रिकेट मैच

बदायूं, अमृत विचार : जीएस हीरो जूनियर प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन एसके फील्ड में चल रहा है। टूर्नामेंट में सोमवार को दो मैच खेले गए। पहले मैच में बजरंग ब्लास्टर और दूसरे में साइन ब्लास्टर ने मैच जीता।

क्रिकेट टूर्नामेंट का पहला मैच बजरंग ब्लास्टर बनाम सुपर किंग के मध्य मैच खेला गया। मैच की अंपायरिंग वसीम उल हसन और अख्तर हुसैन ने की और स्कोरिंग आशुतोष ने कमेंट्री कृष्ण गुप्ता ने की। इस मौके पर एमपी सिंह, अमन गोयल, आदि उपस्थित रहे।

वाद के निर्णय हेतु सम्मन
(आदेश 5 नियम 1 व 5 दीवानी प्रक्रिया संहिता (संशोधित) एक्ट 1909)
अपर उपजिलाधिकारी सदर बरेली जिला बरेली
धारा 116 उ.प्र. राजस्व संहिता 2006
वाद संख्या टी–202512130108676

गौरव अग्रवाल निवासी साहूकारा शहर व तहसील व जिला बरेली बनाम अनिल बाबू राठौर पुत्र बाबू राम राठौर 2. श्रीमती नीलम अनिल राठौर पत्नी अनिल बाबू राठौर निवासीगण 1. वी–न्यू बैरक चैम्बूर कालोनी बिल्डिंग नं. 25 समीर चैम्बूर मुम्बई (महाराष्ट्र) हाल निवासी स्वाले नगर नवदिया तहसील व जिला बरेली। तारीख पेशी–स्पष्ट हो कि आपके नाम याचिका दायर की गयी है अतः आपको आदेशित किया जाता है कि आप दिनांक 26.11.2025 को निर्देशित स्थान पर स्वयं व्यक्तिगत रूप से अथवा उस अधिवक्ता के माध्यम से जो वाद की स्थिति से पूर्ण रूप से भिज्ञ हो एवं वाद से सम्बन्धित समस्त महत्वपूर्ण प्रकरण की बावत आवश्यक जानकारी प्रस्तुत कर सके या जिसके साथ कोई और व्यक्ति हो जो इस निमित्त प्रश्नों का उत्तर दे सके, उपस्थित हो आपके उपस्थित होने के लिये निर्धारित की गयी है एवं वाद के अन्तिम निर्णय हेतु भी प्रस्तावित है, आपके लिये अनिवार्य है कि उस दिन अपने समस्त गवाहों को जिनकी गवाही पर एवं उन समस्त दस्तावेजों के साथ जिन पर आप अपने प्रत्युत्तर के समर्थन में अभिवाक करना चाहते हैं, उसी दिन प्रस्तुत करें और आपको सूचित किया जाता है कि यदि उक्त दिनांक को आप उपस्थित न होंगे तो आपकी अनुपस्थिति में वाद की सुनवायी और उस पर निर्णय कर कर दिया जायेगा।

मेरे व्यक्तिगत हस्ताक्षर और न्यायालयों की मुहर के साथ आज दिनांक 20.11.2025 को जारी किया गया। असिस्टेन्ट कलेक्टर प्रथम श्रेणी/अपर उपजिलाधिकारी सदर, बरेली

MINISTRY OF ELECTRONICS AND INFORMATION TECHNOLOGY Government of India
Digital India Power To Empower
INDIAai
रा.इ.सू.प्रौ.सं NIELIT

अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
Atal Bihari Vajpayee National Institute of Electronics and Information Technology
(Under Ministry of Electronics and Information Technology, Govt. of India)
Drummond Govt. Inter College Campus
Gauhaniya Chouraha, Pilibhit - 262001, Uttar Pradesh
Website:https://nielit.gov.in/

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग
द्वारा संचालित

निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना

'O' Level Software Duration: 02 Sem.
'CCC' Course on Computer Concepts

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) के शिक्षित बेरोजगार 12वीं पास युवक/युवतियों के लिए निःशुल्क एक वर्षीय अवधि का कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रवेश हेतु आवश्यक अभिलेख

☑ 10वीं की अंकतालिका व प्रमाण पत्र
☑ 12वीं की अंकतालिका व प्रमाण पत्र
☑ जाति प्रमाण पत्र सत्यापित प्रति के साथ
☑ 2 पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो
☑ आय प्रमाण पत्र सत्यापित प्रति के साथ (वार्षिक आय एक लाख से कम हो)
☑ आधार कार्ड, अपार आई.डी.
☑ राशन कार्ड की प्रति
☑ सभी अभिलेख स्वप्रमाणित व प्रमाण पत्र दो प्रतियों में

नोटः– परीक्षा फीस अभ्यर्थी द्वारा स्वयं देय होगी।

निर्धारित समय सारणी के अनुसार ऑनलाइन आवेदन करें,
website - https://obccomputertraining.upsdc.gov.in/ तथा हार्ड कॉपी कार्यालय में जमा करें

उक्त योजना उ.प्र. के मूल निवासी, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओ.बी.सी.) के उक्त पात्रता रखने वाले के लिए हैं। योजना का लाभ पाने हेतु संपर्क करें।

हार्डकॉपी जमा करने / जानकारी हेतु कार्यालय में सम्पर्क करें
Enquiry No. : 6203739575, 05882-299295

कार्यालय कृषि उत्पादन मंडी समिति

नवीन मण्डी स्थल, बिल्सी (बदायूं)

पत्रांक: कृ.उ.म.सं./2025–114 — दिनांक: 21.11.2025

दुकान/गोदाम आवंटन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवीन मण्डी स्थल बिल्सी में 06 नग नवनिर्मित सुपर मार्केट की दुकानों एवं 03 नग गोदाम आरक्षित श्रेणी का आवंटन खुली बोली के माध्यम से किया जाना है। जिसकी नीलामी हेतु दिनांक 26.11.2025 को अपराहन् 01:00 बजे मण्डी समिति बिल्सी के सभाकक्ष में आवंटन समिति के समक्ष होगी। सुपर मार्केट की दुकानों एवं गोदामों के आवंटन हेतु आवेदन प्रार्थना पत्र रू. 250.00 तथा नियमानुसार देय जी.एस.टी. (18%) के साथ नगद जमा करके समिति कार्यालय से प्रकाशन की तिथि से 25.11.2025 सायं 05:00 बजे तक प्राप्त तथा जमा किये जा सकते हैं। उक्त वर्णित दुकानें एवं गोदामों का विवरण निम्नवत् है तथा दुकानें एवं गोदामों के आवंटन की नियम व शर्तें किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय पर उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

सुपर मार्केट की दुकानों की आरक्षण वार स्थितिः–

दुकानों की श्रेणी	कुल सं.	दुकानों में आरक्षण की स्थिति			न्यूनतम प्रीमियम	जमानत धनराशि
		अनु. जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनारक्षित		
सुपर मार्केट बड़ी दुकानें	06	21, 25 (दो दुकानें)	27, 29 (दो दुकानें)	–	1248750.00	124875.00
		01,05 (दो दुकान)	–	–	1141500.00	114150.00

गोदामों की आरक्षण वार स्थिति–

गोदामों की श्रेणी	कुल सं.	गोदामों में आरक्षण की स्थिति		न्यूनतम प्रीमियम	जमानत धनराशि
		अनु. जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग		
गोदाम (100 मी.ट.)	03	01, 05 (दो गोदाम)	07 (एक गोदाम)	485000.00	48500.00

दुकान एवं गोदाम आवंटन पर सर्वाधिक प्रीमियम बोली धनराशि पर 18% की दर से जी.एस.टी. देय है।

सचिव
कृषि उत्पादन मण्डी समिति
बरेली

सभापति/उपजिलाधिकारी
कृषि उत्पादन मण्डी समिति
बरेली

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,900.71	25,959.50
गिरावट	331.21	108.65
प्रतिशत में	0.39	0.42

सोना 1,25,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,55,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार, 25 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3800, मसूरी- 1200, बासमती- 7700, परमल- 1900

दाल दलहन : काला चना- 4640, साबुत चना दाल- 4800, मूंग साबुत- 7300, राजमा- 10000-12200, दाल उड़द- 7000, साबुत मसूर दाल- 5000, मसूर दाल- 3900, उड़द साबुत- 6400, काबुली चना- 10400, अरहर दाल- 10300, लोबिया/करमानी- 3700

भारत, कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल बोले- 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हो गए हैं। इसका मकसद 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है।

गोयल ने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि एफटीए या व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) में कई रणनीतिक पहलू होते हैं और यह दोनों देशों के बीच विश्वास को दर्शाता है। इस समझौते से दोनों पक्षों के निवेशकों और कारोबारियों का विश्वास बढ़ेगा। मंत्री ने कहा कि हम उच्च-महत्वाकांक्षी सीईपीए पर वार्ता शुरू करने और 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने पर सहमत हुए हैं। दोनों देश स्वाभाविक सहयोगी हैं और एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। भारत और कनाडा की ताकतें व्यवसायों एवं निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बन सकती हैं। हम कनाडा से बहुत कुछ सीख सकते हैं और कनाडा को बहुत कुछ दे सकते हैं। महत्वपूर्ण खनिजों और महत्वपूर्ण खनिजों की प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में अपार संभावनाएं हैं। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में, खासकर यूरेनियम आपूर्ति के क्षेत्र में कनाडा के साथ हमारे सहयोग को लेकर अच्छी संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि हम दोनों ओर अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता ला सकते हैं।'' कनाडा ने 2023 में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी थी। 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के संभावित संबंध होने के कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव उत्पन्न हुआ था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया था। मार्च 2022 में दोनों देशों ने एक अंतरिम समझौते के लिए वार्ता फिर से शुरू की थी, जिसे आधिकारिक तौर पर प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौता (ईपीटीए) कहा गया था। व्यापार समझौते पर अब तक छह से अधिक दौर की वार्ता हो चुकी है। आम तौर पर किसी व्यापार समझौते में दो देश अपने बीच व्यापार की अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क में उल्लेखनीय कमी करते हैं या उसे समाप्त कर देते हैं। वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए मानदंडों को भी उदार बनाते हैं।

मोदी-कार्नी की वार्ता के बाद संबंधों में आई नई ऊर्जा

कनाडा को भारत का निर्यात 2024-25 में 9.8% बढ़कर 4.22 अरब डॉलर हो गया जो 2023-24 में 3.84 अरब डॉलर था। वहीं आयात 2.33% घटकर 4.44 अरब डॉलर रह गया जो 2023-24 में 4.55 अरब डॉलर था। जून में कनाडा के कनानसकीस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के साथ हुई बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में नई ऊर्जा आई। भारत और कनाडा के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार 2023 में 18.38 अरब डॉलर का था। व्यापारिक संबंधों को गति देने के लिए गोयल ने कनाडा के निर्यात संवर्धन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक वृद्धि मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ दो दौर की चर्चा की है। सिद्धू हाल ही में यहां यात्रा पर आए थे। दोनों मंत्रियों ने इस महीने की शुरुआत में यहां व्यापार एवं निवेश पर भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय संवाद (एमडीटीआई) की सह-अध्यक्षता भी की थी। गोयल ने कहा कि हम डेटा सेंटर, क्वांटम कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग सभी नए युग की प्रौद्योगिकियों के साथ एआई (कृत्रिम मेधा) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जहां भारत के पास एआई उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के इच्छुक निवेशकों के लिए बहुत ही रणनीतिक लाभ हैं।

सिम के दुरुपयोग पर मोबाइल उपयोगकर्ता होगा जवाबदेह

- दूरसंचार विभाग ने सीएलआई का उपयोग न करने की हिदायत भी दी

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर मोबाइल फोन उपभोक्ता के नाम पर खरीदा गए सिम का इस्तेमाल साइबर धोखाधड़ी या अवैध गतिविधि में होता है, तो उसके लिए मूल ग्राहक को कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। सोमवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

दूरसंचार विभाग ने कहा कि मोबाइल फोन की आईएमईआई संख्या में छेड़छाड़, फर्जी दस्तावेजों पर सिम लेना या दूसरों को सिम सौंपना गंभीर उल्लंघन है और इसके दुष्परिणाम मूल ग्राहक पर लागू होंगे। अगर उनके नाम पर लिए गए सिम कार्ड का बाद में गलत इस्तेमाल होता है, तो असली ग्राहक को भी दोषी माना जा सकता है। विभाग ने ग्राहकों से कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) या पहचान बदलने वाले दूसरे एप एवं वेबसाइट का उपयोग न करने की हिदायत दी है। दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत मोबाइल उपयोगकर्ता की पहचान में मददगार आईएमईआई एवं अन्य तरीकों से छेड़छाड़ पर 3 वर्ष कैद और 50 लाख का जुर्माना हो सकता है।

स्पैम कॉल की डीएनडी एप से करें शिकायत : ट्राई

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को कहा कि केवल नंबर ब्लॉक करने से स्पैम कॉल और धोखाधड़ी वाले संदेशों पर रोक नहीं लगती है। इसके लिए ग्राहकों को ट्राई डीएनडी एप से ही स्पैम की शिकायतें दर्ज करानी चाहिए। ट्राई डीएनडी एप भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) का आधिकारिक मंच है। ट्राई ने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों पर स्पैम और फर्जीवाड़े वाले संदेश भेजने पर 21 लाख से अधिक मोबाइल नंबर काटे जा चुके हैं और एक लाख इकाइयों को काली सूची में डाला जा चुका है।

गैर-अमेरिकी बाजार समुद्री निर्यात के लिए नए इंजन बनकर उभरे

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारत के समुद्री क्षेत्र का निर्यात 16.18 प्रतिशत बढ़ा

भारत के समुद्री क्षेत्र का निर्यात 2025-26 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में 16.18% बढ़कर 4.87 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, चीन, वियतनाम, रूस, कनाडा और ब्रिटेन सहित गैर-अमेरिकी बाजारों में अच्छी वृद्धि इसकी प्रमुख वजह रही।

भारतीय समुद्री उत्पादों पर 50% शुल्क से अमेरिका को निर्यात प्रभावित हुआ है। एक अधिकारी ने बताया कि इस अवधि के दौरान क्षेत्र में व्यापार करने के तरीके में उल्लेखनीय बदलाव देखा गया है। पारंपरिक रूप से भारत के सबसे बड़े झींगा बाजार अमेरिका को निर्यात में 7.43% की गिरावट आई और यह 8.54 करोड़ डॉलर रह गया। हालांकि चीन, वियतनाम, बेल्जियम, जापान, रूस, कनाडा और ब्रिटेन को निर्यात में हुई शानदार वृद्धि से इस कमी की भरपाई हो गई। ये लाभ निर्यात गंतव्यों में विविधता एवं वैश्विक सोर्सिंग प्रवृत्तियों में संरचनात्मक बदलाव को दर्शाते हैं क्योंकि एशिया व यूरोप में खरीदार निरंतर गुणवत्ता तथा प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के लिए भारतीय आपूर्तिकर्ताओं की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। सात महीने के दौरान चीन और वियतनाम को झींगा व प्रॉन का निर्यात क्रमशः 24.54 और 123.63% बढ़कर 56.83 करोड़ डॉलर तथा 26.16 करोड़ डॉलर हो गया। बेल्जियम, जापान, रूस, कनाडा और ब्रिटेन को निर्यात क्रमशः 94.18, 10.84, 49, 13.54 और 28.81 प्रतिशत बढ़ा।

आसियान से कागज और पेपरबोर्ड का आयात 14% बढ़ा

नई दिल्ली। उद्योग निकाय आईपीएमए ने सोमवार को कहा कि 2025-26 की पहली छमाही में आसियान देशों से कागज और पेपरबोर्ड का आयात 14 प्रतिशत बढ़ गया, जो एक खतरनाक प्रवृत्ति जारी रहने का सूचक है। पिछले चार साल में आसियान देशों से आयात मात्रा 30% से ज्यादा संचयी वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ी है। कमर्शियल इंटेलिजेंस एंड स्टैटिस्टिक्स के महानिदेशालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए, इंडियन पेपर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) ने कहा कि 2025-26 की पहली छमाही में आसियान देशों से आयात 2.07 लाख टन पहुंच गया, जबकि पिछले साल 1.82 लाख टन था। अब भारत के कुल पेपर और पेपरबोर्ड आयात में आसियान देशों का हिस्सा 20% से ज्यादा है।

भारत की अर्थव्यवस्था में 6.5% की दर से होगी वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने 2025-26 का लगाया अनुमान
- कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से वृद्धि को मिलेगा बढ़ावा

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5% और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7% की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

भारत का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जून अवधि में पांच तिमाहियों में सबसे तेज 7.8% की दर से बढ़ने का अनुमान है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि अनुमानों के आधिकारिक आंकड़े 28 नवंबर को जारी होने वाले हैं। एसएंडपी ने अपनी इकोनॉमिक आउटलुक एशिया-पैसिफिक रिपोर्ट में कहा कि हमारा अनुमान है कि भारत की जीडीपी 2025-26 (मार्च 2026 को समाप्त) में 6.5% और 2026-27 में 6.7% की दर से बढ़ेगी, जिसमें जोखिम दोनों ओर संतुलित होंगे। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के बावजूद मजबूत खपत से प्रेरित घरेलू वृद्धि मजबूत बना हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 6.8% रहने का अनुमान लगाया है जो 2024-25 की 6.5% की वृद्धि दर से बेहतर है।

जीएसटी की कम दरें और आयकर एवं ब्याज दरों में कटौती बन सकती है उपभोग वृद्धि का बड़ा चालक

एसएंडपी ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का बड़ा चालक बन सकता है। सरकार ने 2025-26 के बजट में आयकर छूट को सात से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया है, जिससे मध्यम वर्ग को एक लाख करोड़ की कर राहत मिली है। आरबीआई ने जून में प्रमुख नीतिगत दरों में 0.5% की कटौती करके उन्हें तीन साल के निचले स्तर 5.5% पर ला दिया था। वहीं, 22 सितंबर से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें घटा दी गईं जिससे दैनिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। एसएंडपी ने कहा कि भारत पर प्रभावी अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी से देश में निर्यातोन्मुखी विनिर्माण के विस्तार पर असर पड़ रहा है। ऐसे संकेत हैं कि अमेरिका भारतीय उत्पादों पर शुल्क कम कर सकता है। व्यापार नीति के प्रति अमेरिका के नए दृष्टिकोण के कारण सरकारें और कंपनियां छूट के लिए बातचीत करने में समय एवं पैसा खर्च कर रही हैं जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों से ध्यान हट रहा है।

राष्ट्रीय

कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति

स्थायी समिति ने पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया की समीक्षा का भी लिया निर्णय

नई दिल्ली, एजेंसी

- शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति एआई के प्रभाव और शिक्षा एवं विद्यार्थियों को इस प्रौद्योगिकी से लाभ पर भी करेगी मंथन

तनाव से छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के बीच एक संसदीय समिति ने प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सहायता के लिए कोचिंग सेंटर के प्रसार और इससे उत्पन्न होने वाले सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करने का निर्णय लिया है। शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव और शिक्षा एवं विद्यार्थियों को इस उभरती प्रौद्योगिकी से लाभ की भी समीक्षा करेगी।

हाल में लोकसभा के एक बुलेटिन के अनुसार, स्थायी समिति ने 2025-26 के दौरान 'पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया' (पीएम-श्री) की समीक्षा का भी निर्णय लिया है। बुलेटिन में कहा गया है कि समिति प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सहायता के लिए कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे उत्पन्न होने वाले सामाजिक मुद्दों और इस मामले पर मौजूदा कानून की समीक्षा करेगी। पिछले कुछ वर्षों में कोचिंग संस्थानों में दाख़िला लेने वाले छात्रों द्वारा पढ़ाई के दबाव के कारण आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। केवल राजस्थान के कोटा शहर में ही ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिसे भारत की कोचिंग राजधानी कहा जाता है।

शिक्षा मंत्रालय ने किया था समिति का गठन

शिक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष की शुरुआत में नौ सदस्यीय समिति गठित की थी ताकि कोचिंग से जुड़े मुद्दों और डमी स्कूलों के उभरने की प्रवृत्ति के साथ-साथ प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता की भी जांच की जा सके। समिति स्कूल शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता तथा कोचिंग उद्योग के बढ़ते प्रभाव का अध्ययन कर रही है।

एनसीईआरटी के कामकाज और प्रदर्शन की भी होगी समीक्षा

लोकसभा सचिवालय के अनुसार, समिति राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के कामकाज और प्रदर्शन की भी समीक्षा करेगी। साथ ही भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों की शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों की भी जांच करेगी। समिति भारतीय उच्च शिक्षा परिषद (एचईसीआई) बनाने के लिए शिक्षा मंत्रालय के ''प्रयासों'' के संबंध में भी जानकारी मांगेगी। यूजीसी जैसी संस्थाओं की जगह लेने वाले एक उच्च शिक्षा नियामक की स्थापना के लिए एक विधेयक संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया जाना निर्धारित है। संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा।

32 लाख की प्रतिबंधित दवा ट्रामाडोल जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 32 लाख से अधिक मूल्य की 54 हजार 'ट्रामाडोल' गोलियां जब्त की हैं और प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस गिरोह में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया जबकि गिरोह का संबंध अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने का भी संदेह है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि खूफिया सूचना पर पुलिस ने दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के मदनपुर खादर एक्सटेंशन-1 में एक व्यक्ति को बड़ा बैग ले जाते पकड़ा। मदनपुर खादर निवासी मोहम्मद आबिद (50) के कब्जे से 'ट्रेकेन-100' की 54 हजार गोलियां बरामद की गई। ट्रामाडोल से संबंधित ट्रेकेन-100 दवाई स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित हैं।

वायु प्रदूषण को लेकर प्रदर्शन, पुलिस पर पेपर स्प्रे करने के आरोप में 22 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

पुलिस ने वायु प्रदूषण को लेकर इंडिया गेट पर प्रदर्शन के दौरान सड़क अवरुद्ध और पुलिसकर्मियों के काम में बाधा डालने और उन पर हमला करने के आरोप में 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस संबंध में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं।एक प्राथमिकी संसद मार्ग थाने में जबकि दूसरी कर्तव्य पथ थाने में दर्ज हुई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार को प्रदर्शन स्थल पर स्थिति तब बिगड़ गई जब कुछ प्रदर्शनकारियों ने घटनास्थल से हटाए जाने के दौरान पुलिसकर्मियों पर 'पेपर स्प्रे' का इस्तेमाल किया। स्थिति हाथापाई में बदल गई, जो असामान्य और दुर्लभ हरकत है। इस घटना में अब तक पुलिस ने 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्र ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने कहा कि इंडिया गेट कोई निर्धारित विरोध स्थल नहीं है। प्रदर्शनकारियों को वहां से जाने के लिए कहा गया था। जंतर-मंतर निर्धारित विरोध स्थल है और कोई भी अनुमति लेकर वहां प्रदर्शन कर सकता है। रविवार को प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अवरोधक लांघकर सी-हेक्सगन को जाम कर दिया था। वे एक घंटे से अधिक समय तक सड़क पर बैठे रहे, जिससे जाम में फंसे लोग रास्ता खाली करने का अनुरोध कर रहे थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जाने के लिए कहा, तो उन्होंने दुर्व्यवहार किया, पुलिसकर्मियों पर हमला किया।

हिडमा को लेकर लगे नारे

प्रदर्शन में शामिल संगठन साइंटिस्ट्स फॉर सोसाइटी (एसएफएस) ने उन समूहों से दूरी बनाई, जिन्होंने हिडमा के समर्थन में नारे लगाए। एसएफएस ने बताया कि हिमखंड तथा बीएससीईएम नामक दो संगठनों ने भाकपा (माओवादी) नेता माडवी हिडमा की के संबंध में नारे लगाने शुरू कर दिए। वह ऐसे मुठभेड़ों की स्पष्ट रूप से निन्दा करता है।

व्यवसायी की हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला

पटना, एजेंसी

- व्यवसायी की हत्या के पीछे जमीन विवाद को बताया जा रहा कारण
- पुलिस जांच में जुट, अपराधियों के शव की करा रही पहचान

बिहार की राजधानी पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र के भोगपुर गांव में जमीन कारोबारी की हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों की स्थानीय लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक व्यवसायी भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह (65) है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है। मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। कारोबारी की हत्या के पीछे जमीन के विवाद को बताया जा रहा है।

घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि सोमवार को बाइक सवार अपराधियों ने भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा होने शुरू हो गए। लोगों को जुटते देख अपराधी मौके से बाइक लेकर भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन लोगों ने दोनों को दौड़ाकर पकड़ लिया। लोगों ने दोनों अपराधियों की जमकर पिटाई की और तबतक पीटते रहे, जबतक दोनों की मौत नहीं हो गई। किसी ने मामले की जानकारी पुलिस को दी।

सूचना के बाद सदर डीएसपी मौके पर पहुंचे और लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ की। स्थानीय लोगों ने बताया कि 20 करोड़ के जमीनी विवाद को लेकर व्यवसायी की हत्या हुई है। फिलहाल घर के लोग कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर मृत अपराधियों की पहचान में जुट गई है।

48 लाख के इनामी 15 सक्रिय माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ में सोमवार को 15 सक्रिय माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। जिला सुकमा में हुए सामूहिक आत्मसमर्पण को सुरक्षा बलों की बढ़ती दबाव, प्रशासनिक पहुंच और पुनर्वास योजनाओं की सफलता का बड़ा परिणाम माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के मुताबिक, आत्मसमर्पित माओवादियों में पीएलजीए बटालियन नंबर 1 के चार हार्डकोर सदस्य हैं, जो लंबे समय से क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों को अंजाम देने में सक्रिय थे। इनमें पांच महिलाएं और 10 पुरुष हैं। इन सभी पर 48 लाख के इनाम घोषित थे।

एसआईआर : सीईओ कार्यालय पर बीएलओ का प्रदर्शन

- काम के दबाव को लेकर कार्यालय में की घुसने की कोशिश
- प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ हुई हाथापाई

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता में सीईओ कार्यालय के बार प्रदर्शन करते बीएलओ।

पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में शामिल बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने सोमवार को काम के कथित तौर पर अत्यधिक दबाव के विरोध में प्रदर्शन के दौरान सीईओ कार्यालय में घुसने की कोशिश की और पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई की।

बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों ने उत्तरी कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से जुलूस निकाला, जिसमें ताले और बेड़ियां लेकर प्रतीकात्मक रूप से उस भवन के मुख्य द्वार को बंद किया गया, जिसमें मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) का कार्यालय स्थित है। अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने मध्य कोलकाता स्थित सीईओ कार्यालय में घुसने के लिए पुलिस अवरोधक तोड़ने की कोशिश की। प्रदर्शनकारी बीएलओ ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ नारे लगाए और आरोप लगाया कि उन्हें जुलूस निकालने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने एसआईआर कवायद के दौरान अत्यधिक और अमानवीय कार्य दबाव की उनकी शिकायतों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

एक पदाधिकारी ने दावा किया कि बीएलओ को कम समय में कार्य पूरा करने का निर्देश है, हालांकि इसी कार्य में आमतौर पर दो साल से अधिक समय लगता है। समिति ने आरोप लगाया कि बीएलओ बीमार पड़ रहे हैं और उनमें से दो ने तनाव के कारण आत्महत्या कर ली। समिति ने पूर्व में कहा था कि पारा-शिक्षक, कॉलेज प्रोफेसर और विभिन्न संगठनों के शिक्षक इस प्रदर्शन में समर्थन के लिए शामिल होंगे, जिससे निर्वाचन आयोग पर तत्काल हस्तक्षेप के लिये दबाव डाला जा सके।

समय-सीमा बढ़ाने तक विरोध की दी चेतावनी

समिति ने चेतावनी दी कि यदि समय-सीमा नहीं बढ़ाई गई या सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो वह निरंतर विरोध कार्यक्रम शुरू करेगी। एक अन्य संगठन, बीएलओ ओइक्या मंच ने गणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण से संबंधित मुद्दों को अलग से उठाया और अतिरिक्त सहायक कर्मचारियों की मांग की। 'एक्स' पर टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने कहा कि यदि भारत निर्वाचन आयोग वास्तव में स्वतंत्र है, तो उसे बूथ स्तर के अधिकारियों की सुरक्षा करनी चाहिए, मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए और विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बारे में पारदर्शी होना चाहिए।

बर्फ ने की चित्रकारी

अनंतनाग : जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग में सर्दियों की एक सुबह, बर्फ से ढकी पेड़ों की शाखाएं और पत्तियां।

आईएनएस माहे: नौसेना का नया शिकारी

आईएनएस माहे भारतीय नौसेना का एक अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है, जो कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित किया गया है। यह युद्धपोत भारत की आत्मनिर्भरता और तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका जलावतरण सोमवार को ही किया गया। यह माहे क्लास का पहला जहाज है, इस श्रेणी के आठ जहाज बनाए जा रहे हैं। इसके जलावतरण के मौके पर थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी मौजूद थे, उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत की शक्ति बताया है। यह जहाज दुश्मन की पनडुब्बियों को ढूंढकर नष्ट करने, तटीय गश्त करने और समुद्री मार्गों को सुरक्षित रखने में सक्षम है। आइए जानते हैं आईएनएस माहे की विशेषताओं, क्षमताओं और निर्माण के बारे में।

उन्नत सोनार और रडार से लैस

आईएनएस माहे को नौसेना का मौन शिकारी कहा जा रहा है क्योंकि यह एक अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है जो समुद्री क्षेत्र में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने में सक्षम है। यह युद्धपोत अपनी उन्नत सोनार और रडार प्रणालियों के साथ-साथ अपनी चुपचाप और सटीक मारक क्षमता के कारण एक मौन शिकारी के रूप में कार्य करता है।

78 मीटर लंबा, रफ्तार 25 नाट्स

- आईएनएस माहे एक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है जो तटीय रक्षा और पनडुब्बी रोधी अभियानों में सक्षम है।
- इसकी लंबाई 78 मीटर और चौड़ाई 11 मीटर है, और यह 1,100 टन विस्थापन वाला है।
- यह युद्धपोत 25 नॉट्स की अधिकतम गति से चल सकता है और इसमें 60 से अधिक कर्मियों को समायोजित करने की क्षमता है।
- आईएनएस माहे में उन्नत सोनार और रडार प्रणाली हैं, जो पनडुब्बियों और अन्य खतरों का पता लगाने में मदद करती हैं।

मुंबई में हुआ जलावतरण

- आईएनएस माहे को 24 नवंबर को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।
- इसका जलावतरण मुंबई में किया गया और इसमें भारतीय नौसेना के अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।
- आईएनएस माहे का जलावतरण भारत की तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है, यह नौसेना की क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेगा।

पनडुब्बी मारने में सक्षम

- आईएनएस माहे पनडुब्बी रोधी अभियानों में सक्षम है, जिसमें पनडुब्बियों का पता लगाना और उन्हें नष्ट करना शामिल है।
- यह युद्धपोत तटीय रक्षा में भी सक्षम है, जिसमें तटीय क्षेत्रों की रक्षा करना और समुद्री खतरों से निपटना शामिल है।
- आईएनएस माहे में उन्नत हथियार प्रणाली है, जिसमें टारपीडो, मिसाइलें और तोपें शामिल हैं।

कोचीन शिपयार्ड में निर्माण

- आईएनएस माहे का निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया है।
- इसके निर्माण में लगभग 5 साल लगे, लागत लगभग 35,000 करोड़ थी।
- यह युद्धपोत भारत की आत्मनिर्भरता और तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वर्ल्ड ब्रीफ

स्लोवेनिया : इच्छामृत्यु को खारिज किया

लुबलियाना। स्लोवेनिया के नागरिकों ने रविवार को एक जनमत संग्रह में उस कानून को खारिज कर दिया, जो लाइलाज बीमारी से पीड़ित लोगों को अपना जीवन समाप्त करने की अनुमति देता था। चुनाव प्राधिकारियों द्वारा जारी प्रारंभिक परिणामों में यह जानकारी सामने आई। लगभग पूरी हो चुकी मतगणना के अनुसार, करीब 53 प्रतिशत मतदाताओं ने इस कानून के खिलाफ मतदान किया जबकि लगभग 46 प्रतिशत ने इसके पक्ष में वोट दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदान लगभग 50 प्रतिशत रहा। इच्छामृत्यु के खिलाफ अभियान का नेतृत्व करने वाले रूढ़िवादी कार्यकर्ता एलेस प्रिम्क ने कहा कि करुणा की जीत हुई है।

पोप की अगवा छात्रों को रिहा करने की अपील

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य स्थित नाइजर प्रांत के एक कैथोलिक स्कूल से अगवा किए गए 303 स्कूली बच्चों में से 50 बच्चे अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छूटकर अपने परिवारों के पास पहुंच गए हैं। इस बीच, पोप ने शेष बच्चों की तत्काल रिहाई की अपील की है। नाइजर राज्य में क्रिश्चन असोसिएशन ऑफ नाइजीरिया के अध्यक्ष और स्कूल के संचालक बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार 10 से 18 साल के ये स्कूली बच्चे शुक्रवार और शनिवार को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से भाग निकले। 253 छात्र और 12 शिक्षक अब भी अपहरणकर्ताओं के कब्जे में हैं।

ब्राजील में बोल्सोनारो के जेल जाने की खुशी

रियो डी जेनेरियो। रियो डी जेनेरियो की सालाना प्राइड परेड के लिए रविवार को कोपाकबाना के बोर्डवॉक पर हजारों लोग एकत्र हुए और उन्होंने ब्राज़ील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को एक दिन पहले एहतियाती तौर पर जेल भेजे जाने का जश्न मनाया। प्रदर्शनकारी ट्रकों पर सवार थे और उन्होंने लोगों से कहा कि वह जेल में हैं! और बोल्सोनारो बाहर जाओ। इस दौरान एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों ने इंद्रधनुषी कपड़े पहने हुए थे और वे जोरदार तरीके से नारेबाजी कर रहे थे।

हावड़ा में कार तालाब में गिरी, 3 बच्चों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के उलुबेरिया में सोमवार को स्कूल से बच्चों को लेकर घर जा रही एक कार के तालाब में गिर जाने से तीन बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना उलुबेरिया में बहिरा के निकट उस समय हुई जब चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन तालाब में गिर गया।

कनाडा अपने नागरिकता कानून में करेगा संशोधन, मिली शाही मंजूरी

इस कदम से वहां निवासित भारतीय मूल के परिवारों को लाभ मिलने की संभावना

- नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने की पहल

ओटावा, एजेंसी

कनाडा ने वंश-आधारित नागरिकता कानून को आधुनिक बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है। इस अधिनियम में संशोधन करने वाले विधेयक को शाही मंजूरी मिल गई है। इस कदम से का असर भारतीय मूल के हजारों परिवारों पर पड़ने की संभावना है। कनाडा सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि नागरिकता अधिनियम (2025) में संशोधन करने वाले विधेयक सी-3 को शाही स्वीकृति मिल गई है। इसमें कहा गया कि यह नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने और कनाडाई नागरिकता के मूल्य को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

बयान में कहा गया है कि नए कानून के लागू होते ही, उन सभी लोगों को कनाडाई नागरिकता प्रदान की जाएगी, जो विधेयक के प्रभाव में आने से पहले पैदा हुए हैं और जो प्रथम-पीढ़ी की सीमा या पिछले कानूनों के पुराने प्रावधानों के कारण नागरिक नहीं बन पाए थे। कनाडाई वंशानुक्रम से नागरिकता पर पहली-पीढ़ी की सीमा वर्ष 2009 में लागू की गई थी। इसका अर्थ है कि यदि कोई बच्चा कनाडा के बाहर पैदा हुआ या गोद लिया गया है, तो वह वंशानुक्रम से कनाडाई नागरिक नहीं माना जाएगा, यदि उसके कनाडाई माता-पिता भी कनाडा के बाहर ही पैदा हुए हों या गोद लिए गए हों। मामले से परिचित लोगों का कहना है कि इस सीमा के कारण अनेक भारतीय मूल के कनाडाई लोगों के लिए समस्या उत्पन्न हो गई, जिनके बच्चे देश से बाहर पैदा हुए थे। बयान में कहा गया है कि नया कानून विदेश में जन्मे या गोद लिए गए कनाडाई माता-पिता को इस विधेयक के लागू होने की तिथि या उसके बाद कनाडा के बाहर जन्मे या गोद लिए गए अपने बच्चे को नागरिकता देने की अनुमति देगा, बशर्ते कि उनका कनाडा से पर्याप्त संबंध हो।

कनाडा में वांछित भारतीय मूल का व्यक्ति गिरफ्तार : टोरंटो पुलिस ने कनाडा की 25 सर्वाधिक वांछित सूची में शामिल भारतीय मूल के एक व्यक्ति को आग्नेयास्त्रों और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया है। टोरंटो पुलिस के बयान में कहा गया कि निकोलस सिंह (24) को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया, जो जमानत के उल्लंघन के लिए संपूर्ण कनाडा पर लागू वारंट के तहत वांछित था। इसमें कहा गया कि सिंह को एक आग्नेयास्त्र, एक मैगजीन और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि अधिकारी बाथर्स्ट स्ट्रीट और ड्यूपॉन्ट स्ट्रीट क्षेत्र में जांच कर रहे थे, तभी उन्होंने सिंह को एक वाहन में देखा। उसे शांतिपूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया।

अगले साल भारत आएंगे कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी

जोहानिसबर्ग। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी अगले साल भारत की यात्रा करेंगे। दक्षिण अफ्रीका में जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्नी को भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री कार्नी ने 2026 की शुरुआत में भारत आने के प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने वार्ता के दौरान व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को आगे बढ़ाने के अलावा रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों में गहन सहयोग की संभावनाएं तलाशने पर सहमति व्यक्त की। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने वस्तुओं, सेवाओं, निवेश, कृषि, डिजिटल व्यापार और सतत विकास को शामिल करते हुए एक महत्वाकांक्षी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने पर सहमति व्यक्त की। इसमें कहा गया कि मोदी और कार्नी ने मंत्रियों और व्यापारी समुदाय सहित नियमित पारस्परिक उच्च-स्तरीय यात्राओं के महत्व पर सहमति व्यक्त की। कार्नी ने दोनों देशों के बीच कानून लागू करने को लेकर वार्ता में हो रही प्रगति का भी स्वागत किया। वर्ष 2023 में कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने के आरोपों के बाद भारत-कनाडा संबंध बेहद खराब हो गए थे।

आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने असफल या टूटे रिश्तों को बलात्कार जैसे अपराध का रंग देने की 'चिंतनीय पहलू' की ओर इशारा करते हुए सोमवार को कहा कि इस संबंध में आपराधिक न्याय तंत्र का दुरुपयोग चिंता का विषय है और इसकी निंदा की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने एक कथित बलात्कार मामले में दर्ज प्राथमिकी निरस्त करते हुए कहा कि हर खराब रिश्ते को बलात्कार के अपराध में बदलना न केवल अपराध की गंभीरता को कम करता है, बल्कि आरोपी के दामन को कलंकित करता है और उसके साथ गंभीर अन्याय करता है।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि बलात्कार का अपराध सबसे गंभीर प्रकार का है और केवल उन्हीं मामलों में लागू किया जाना चाहिए, जहां वास्तविक यौन हिंसा, जबरन या स्वतंत्र सहमति का अभाव हो। पीठ ने कहा कि किसी रिश्ते के दौरान हुई शारीरिक अंतरंगता को सिर्फ़ इसलिए बलात्कार का अपराध नहीं माना जा सकता, क्योंकि वह रिश्ता शादी में परिणत नहीं हो पाया। पीठ ने यह भी कहा कि कानून को उन वास्तविक मामलों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए जहां भरोसे का कत्ल हुआ हो और सम्मान का हनन हुआ हो। शीर्ष अदालत ने कहा, इस अदालत ने कई मौकों पर उस चिंतनीय प्रवृत्ति पर ध्यान दिया है, जिसमें असफल या टूटे हुए रिश्तों को आपराधिकता का रंग दे दिया जाता है।

- कोर्ट ने टूटे रिश्ते को बलात्कार का रंग देने को बताया चिंतनीय

पीठ ने मुंबई उच्च न्यायालय के औरंगाबाद पीठ की ओर से मार्च 2025 में दिये गए आदेश के विरुद्ध एक व्यक्ति द्वारा दायर अपील पर अपना फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय ने छत्रपति संभाजीनगर शहर में अगस्त 2024 में दर्ज एक प्राथमिकी को रद्द करने संबंधी उसकी याचिका खारिज कर दी थी। इसने कहा कि मामले में बलात्कार का आरोप पूरी तरह से शिकायतकर्ता के इस दावे पर आधारित है कि व्यक्ति ने शादी का झूठा झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पीठ ने

इराकी सुन्नी पार्टियों ने गठित किया परिषद

बगदाद। इराक की प्रमुख सुन्नी मुस्लिम राजनीतिक पार्टियों ने हाल के संसदीय चुनावों के बाद अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय राजनीतिक परिषद का गठन किया है। जिसका उद्देश्य सरकार गठन और सुन्नी दलों के अधिकारों की रक्षा करना है।

ऑपरेशन सिंदूर में श्री कृष्ण के संदेश का किया पालन

- कुरुक्षेत्र में 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन में बोले रक्षामंत्री राजनाथ

चंडीगढ़, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की कार्रवाई उस संदेश से प्रेरित थी जो भगवान कृष्ण ने पांडवों को दिया था कि युद्ध प्रतिशोध या महत्वाकांक्षा के लिए नहीं, बल्कि धर्म के शासन की स्थापना के लिए लड़ा जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र, 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कहा, भगवान कृष्ण ने अर्जुन को यह भी सीख दी कि जो व्यक्ति धर्म के मार्ग पर चलता है वह कभी नहीं डरता।

सिंह ने अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि जघन्य कृत्य अब भी राष्ट्रीय चेतना को परेशान करता है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने उस समय अमानवीय कृत्य किया जब निर्दोष पर्यटकों को उनका धर्म पूछने के बाद मार दिया गया। रक्षामंत्री ने कहा कि वह घटना न केवल भारत के शांतिप्रिय स्वभाव को चुनौती दे रही थी, आतंकवादियों और उनके संरक्षकों ने यह मान लिया था कि भारत का शिष्टाचार उसकी कमजोरी है, लेकिन वे भूल गए कि भारत गीता का देश है।

आतंकवाद के खिलाफ चुप नहीं रहेगा भारत

रक्षामंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने भगवान कृष्ण के संदेश का पालन किया। और इस अभियान ने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया है कि भारत न तो आतंकवाद के खिलाफ चुप रहेगा और न ही किसी भी परिस्थिति में कमजोर पड़ेगा। श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र में अर्जुन को समझाया था कि धर्म केवल उपदेशों से ही नहीं बचता; यह कर्मों से सुरक्षित रहता है, और ऑपरेशन सिंदूर वह धर्म-आधारित कर्म था जिसे हमने अपनाया।

चीन ने भारतीय पासपोर्ट को अवैध बताया

ईटानगर, एजेंसी

ब्रिटेन में रहने वाली अरुणाचल प्रदेश की एक महिला ने आरोप लगाया है कि चीन के शंघाई हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने पारगमन ठहराव के दौरान उनके भारतीय पासपोर्ट को मानने से इनकार करने के बाद उन्हें लगभग 18 घंटे तक हिरासत में रखा।

प्रेमा वांगजोम थोंगडोक ने दावा किया कि 21 नवंबर को वह लंदन से जापान की यात्रा कर रही थीं और उनके तीन घंटे का निर्धारित ठहराव एक भयावह अनुभव में बदल गया जब आव्रजन कर्मियों ने उनके पासपोर्ट को केवल इसलिए अवैध घोषित कर दिया क्योंकि उसमें अरुणाचल प्रदेश को उनके जन्मस्थान के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। थोंगडोक ने दावा किया कि चीनी अधिकारियों ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है और आगे की प्रक्रिया की अनुमति देने से पहले उन्होंने उनकी बात स्वीकार करने की मांग की। उनके परिवार का संबंध पश्चिम कामेंग जिले के रूपा से है। महिला ने रविवार को एक्स पर दावा किया कि उन्हें उचित भोजन या बुनियादी सुविधाओं के बिना पारगमन क्षेत्र तक सीमित रखा गया। थोंगडोक ने यह भी दावा किया कि उनके पास वैध वीजा होने के बावजूद पासपोर्ट जब्त कर लिया गया।

- अरुणाचल को चीन का हिस्सा बता महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर 18 घंटे तक रोका गया

भारत की कड़ी आपत्ति

मामले में भारत ने चीन से कड़ी आपत्ति जताई और कहा है कि उसके अधिकारियों का व्यवहार अंतर्राष्ट्रीय संधियों के खिलाफ है। भारत ने नई दिल्ली में चीनी दूतावास के अधिकारियों के समक्ष इस मुद्दे को उठाया और बीजिंग में भारतीय राजदूत ने भी इस मुद्दे को उठाया।

पेशावर में आत्मघाती हमले में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए

पेशावर, एजेंसी

पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को अर्द्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हुए आत्मघाती हमले में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। शहर के पुलिस प्रमुख मियां सईद ने बताया कि संघीय कांस्टेबुलरी मुख्यालय में सेंध लगाने का प्रयास कर रहे तीन आत्मघाती हमलावर भी जवाबी गोलीबारी में मारे गए।

सईद ने कहा, एक हमलावर ने मुख्य द्वार पर खुद को उड़ा लिया, जबकि अन्य दो परिसर में घुस गए। एफसी कर्मियों ने उनका सामना किया और दोनों मौके पर ही मारे गए।

- जवाबी गोलीबारी में तीन हमलावर भी मारे गए

खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने कहा कि एफसी मुख्यालय के अंदर दो आत्मघाती विस्फोट हुए, एक मुख्य द्वार पर और दूसरा परिसर में स्थित मोटरसाइकिल स्टैंड के पास। मुख्य द्वार पर हुए विस्फोट से आसपास के आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में दहशत फैल गई तथा विस्फोट की आवाज काफी दूर तक सुनी गई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 नवंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 22 .56 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

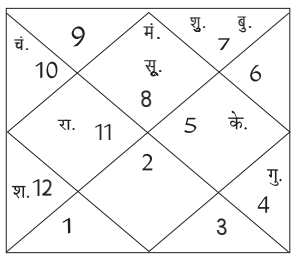

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तराषाढ़ा 23 .57 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष — आज आपके काम में काफी स्थिरता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा लाभकारी सिद्ध होगी। निजी संबंधों में रिश्तों के बीच बढ़ रही दूरियां दूर होंगी। अपनी योग्यता के अनुरूप काम करके आत्मसंतुष्टि का अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के साथ अनबन दूर होगी।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में आपको स्थानांतरण के अवसर मिल सकते हैं। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। गूढ़ विद्याओं के प्रति काफी आकर्षित रहेंगे। परिजनों के साथ शॉपिंग के लिए जा सकते हैं। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें।

मिथुन — आज यथार्थवादी बने रहें अन्यथा आप गलत निर्णय ले सकते हैं। अपनी इच्छाओं को दूसरों पर लादने का प्रयास न करें। इसके कारण आपका मन खराब हो सकता है। आपको कुछ विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क — आज प्रबंधन संबंधी कार्यों से जुड़े लोगों को बेहतरीन लाभ मिलेगा। पारिवारिक तनाव दूर होगा। विद्यार्थियों को शिक्षा के उत्तम अवसर प्राप्त होंगे। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर की साज-सजावट में आप अत्यधिक ध्यान देंगे।

सिंह — आज विरोधियों के ऊपर विजय प्राप्त होगी। जीवनसाथी के साथ विमर्श करने से आपकी कई समस्याओं का समाधान हो जाएगा। अनावश्यक बातों को तूल देने से बचें। शत्रु पक्ष आपका नुकसान पहुंचाने को लेकर तत्पर रहेगा।।

कन्या — आज आपकी लापरवाही बड़ी परेशानी को आमंत्रण दे सकती है। आपके ऊपर अचानक काम का दबाव बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। प्रेम संबंधों में थोड़ी सावधानी रखें। शाम के समय कहीं घूमने जा सकते हैं।

तुला — आज किसी से कोई वादा न करें। नई कार्ययोजना बनाने से पहले अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य ले लें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों का दबाव बढ़ सकता है। रक्तचाप के रोगियों को तनाव से बचना चाहिए। विरोधी आपकी छवि को बिगाड़ने में लगे रहेंगे।

वृश्चिक — आज का दिन राजनीति से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत शुभ रहेगा। आपकी जीवनशैली काफी अनुशासित रहेगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य को लेकर योजना बना सकते हैं। धन को लेकर समस्या का समाधान हो जाएगा। आपके सामने करियर के अनेक विकल्प आएंगे।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आलस्य का अनुभव करेंगे। आपका आत्मविश्वास जागृत होगा। दूसरों के मामले में सोच-समझकर ही सलाह दें। नई स्किल सीखने में तत्पर रहेंगे। बच्चे पढ़ाई को लेकर लापरवाह हो सकते हैं।

मकर — आज आप साहित्य और सिनेमा का आनंद ले सकते हैं। बच्चे अपने करियर को लेकर थोड़े कनफ्यूज हो सकते हैं। काम की अधिकता रहेगी। कार्यक्षेत्र में अपने संसाधनों का सार्थक सदुपयोग करने के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कुंभ — आज विदेश में रहने वाले लोगों को धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। राजनीतिक लोगों को अपनी छवि की चिंता रहेगी। बिना मांगी सलाह देने के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। अपने जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें।

मीन — आज कारोबार में बड़ा लाभ मिलने की संभावना बन रही है। पैतृक व्यवसाय कर रहे लोगों की आय बढ़ेगी। कानूनी मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आ सकता है। वैवाहिक जीवन का भरपूर आनंद लेंगे। घर की साज-सजावट का काफी ध्यान रखेंगे।

सुडोकू -171

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1			4			
								8
				9			7	
	4							
				3				
9			1					
						6		
				7				

सुडोकू - 170 का हल

4	5	8	1	6	2	3	9	7
1	2	9	7	3	8	4	5	6
6	7	3	9	4	5	1	2	8
8	1	6	5	7	3	9	4	2
5	9	4	8	2	1	6	7	3
2	3	7	4	9	6	5	8	1
3	4	1	2	5	7	8	6	9
7	8	5	6	1	9	2	3	4
9	6	2	3	8	4	7	1	5

मुझे लगता है कि भारत की बल्लेबाजी काफी खराब थी। टेस्ट क्रिकेट के लिए जरूरी जज्बा और संयम नहीं था। कुछ अच्छी गेंदें फेंकी गई लेकिन बल्लेबाज कठिन स्पैल के लिये तैयार नहीं थे। ऐसा लगता है कि जल्दी लक्ष्य का पीछा करने की ही सोच थी जो टेस्ट मैच में अवास्तविक है।

-अनिल कुंबले

स्टेडियम

अमृत विचार

बरेली, मंगलवार 25 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

हाईलाइट

धवन व हरभजन होंगे आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन और हरभजन सिंह तथा दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन और ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर शेन वाटसन 26 जनवरी से चार फरवरी तक गोवा में होने वाली लीजेंड्स प्रो टी20 लीग में आकर्षण का केंद्र होंगे। आयोजकों ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को लीग आयुक्त नियुक्त किया गया है। इस लीग में छह फ्रैंचाइजी आधारित टीम और 90 दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिताओं के मुकाबलों का आयोजन 1919 स्पोर्ट्स क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा।

विलियम्सन की टीम में वापसी

वेलिंगटन । केन विलियम्सन को अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की शृंखला के लिए न्यूजीलैंड की 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। विलियम्सन जिम्बाब्वे में न्यूजीलैंड की पिछली टेस्ट शृंखला और इस सत्र में अब तक सीमित ओवरों के अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे। विलियम्सन का न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ सीमित अनुबंध है, जो उन्हें विदेशी लीगों में खेलने की अनुमति देता है, जबकि वे उपलब्ध होने पर न्यूजीलैंड के लिए भी खेल सकते हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा मैदान पर केन की क्षमता से सभी अच्छी तरह से अवगत हैं। उनकी वापसी से हमारी टेस्ट टीम को मजबूती मिलेगी।

वेई यी ने सिंदारोव को बराबरी पर रोका

पणजी। चीन के ग्रैंडमास्टर वेई यी ने सोमवार को यहां शतरंज विश्व कप फाइनल की पहली बाजी में ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव को बराबरी पर रोका जबकि तीसरे स्थान के मुकाबले में ग्रैंडमास्टर आंद्रे इसिपेंको ने ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक याकुबोएव को हराया। पहली बाजी में वेई ने काले मोहरों से खेलते हुए सिंदारोव को जीत दर्ज करने के लिए जोखिम उठाने के लिए मजबूर किया। वेई ने एक समय मजबूत स्थिति बना रखी थी लेकिन सिंदारोव वापसी करने में सफल रहे और अंतत: दोनों खिलाड़ी 50 चाल के बाद मुकाबले को ड्रॉ कराने के लिए राजी हो गए। तीसरे स्थान के प्ले ऑफ में इसिपेंको ने याकुबोएव को 38 चाल में हराया। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में उनकी जगह सुनिश्चित करने के लिए अब अगली बाजी में सिर्फ ड्रॉ ही काफी होगा।

प्रांजलि ने 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण जीता

टोक्यो । भारतीय निशानेबाज प्रांजलि प्रशांत धूमल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जो डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में उनका तीसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने अभिनव देशवाल के साथ मिश्रित पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण और महिला एयर पिस्टल में रजत पदक जीता था। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में यूक्रेन की मोसिना हालिना ने रजत और कोरिया की जियोन जिवोन ने कांस्य पदक जीता। भारत की एक अन्य खिलाड़ी और महिलाओं की एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनुया प्रसाद चौथे स्थान पर रहीं। प्रांजलि ने 600 में से 573 अंक के नए क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। अनुया प्रसाद क्वालीफिकेशन में 569 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

यान्सेन के सामने बल्लेबाजों का समर्पण, क्लीन स्वीप का खतरा

गुवाहाटी टेस्ट का तीसरा दिन : सिर्फ 201 रनों पर सिमट गई भारतीय पारी

सिर्फ सात रन बनाकर पैवेलियन लौटते कप्तान ऋषभ पंत। एजेंसी

गुवाहाटी, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत सहित प्रमुख बल्लेबाजों के गैर जिम्मेदाराना रवैये से अपने विकेट इनाम में देने के कारण भारतीय टीम सोमवार को यहां अपनी पहली पारी में 201 रन पर सिमट गई। जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में मजबूत शिकंजा कसकर शृंखला में क्लीन स्वीप करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। अपनी पहली पारी में 489 रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 288 रन की बढ़त हासिल की। उसने भारत को फॉलोऑन देने की बजाय दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना उचित समझा। उसने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 26 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 314 रन की हो गई है।

खराब रोशनी के कारण जब तीसरे दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब एडेन मार्करम 12 और रयान रिकलेटन 13 रन पर खेल रहे थे। भारत का स्कोर एक समय एक विकेट पर 95 रन था लेकिन इसके बाद उसने 27 रन के अंदर छह विकेट गंवा दिए। पिच से कभी कभार उछाल और थोड़ा टर्न मिल रहा है पर वह अभी भी बल्लेबाजी के लिए अनुकूल है लेकिन अधिकतर भारतीय बल्लेबाजों ने गलत शॉट खेल कर अपने विकेट इनाम दिए। इनमें मुख्य रूप से साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल और कप्तान ऋषभ पंत शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से मार्को यान्सेन सबसे सफल गेंदबाज रहे। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में 93 रन बनाने वाले इस तेज गेंदबाज ने 48 रन देकर छह विकेट लिए। उन्होंने अपने लंबे कद का अच्छा फायदा उठाकर भारतीय बल्लेबाजों को अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर (64 रन देकर तीन विकेट) ने उनका अच्छा साथ दिया। मार्करम ने पांच कैच लेकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय और बल्लेबाजों को अपने निचले क्रम के बल्लेबाज वाशिंगटन सुंदर (92 गेंद पर 48 रन) और कुलदीप यादव (134 गेंद पर 19 रन) से सीख लेनी चाहिए जिन्होंने सात विकेट 122 रन पर गिरने के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रन जोड़े। उनकी साझेदारी टूटने के बाद भारतीय पारी सिमटने में देर नहीं लगी।

कप्तान ऋषभ पंत का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका के मार्को यान्सेन। एजेंसी

यशस्वी जायसवाल (97 गेंदों में 58 रन) ने स्ट्रोक्स से भरपूर अर्धशतक जड़ा, लेकिन हार्मर की एक गेंद ने अचानक उछाल लिया जिस पर वह गच्चा खा गए और यान्सेन को कैच दे बैठे। केएल राहुल (22) आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। वह भी जायसवाल के साथ 65 रन की साझेदारी के दौरान अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन केशव महाराज और हार्मर की दो गेंद ऐसी थी जिसने सुबह के सत्र का रुख पूरी तरह बदल दिया। पिच में ज्यादा खामियां नहीं थीं और जायसवाल के आकर्षक स्ट्रोक-प्ले ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने हार्मर की गेंद को बार-बार लेंथ से स्वीप किया और महाराज की गेंद पर काउ कॉर्नर के ऊपर से छक्का भी जड़ा। यहां तक कि राहुल भी दूसरे छोर पर सहजता से रन बटोर रहे थे लेकिन महाराज की टर्न लेती एक गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर पहली स्लिप में मार्करम के हाथों में चली गई। सुदर्शन (15) की स्पिनरों के खिलाफ बैकफुट पर जाने और इस प्रक्रिया में विफल होने की कमजोरी फिर से खुलकर सामने आ गई। जैसा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में हुआ था, एक बार फिर वह हार्मर की गेंद को पुल करने के लिए बैकफुट पर चले गए लेकिन सही तरह से शॉट लगा पाए और रयान रिकलेटन ने मिडविकेट पर डाइव लगाकर कैच लपक दिया। जुरेल (00) को चायकाल से ठीक पहले यानसन की गेंद पर पुल करने की जरूरत नहीं थी।

यशस्वी का यानसेन बो हार्मर 58
राहुल का मारक्रम बो महाराज 22
सुदर्शन का रिकेलटन बो हार्मर 15
जुरेल का महाराज बो यान्सेन 00
ऋषभ पंत का वेरेनबो यान्सेन 07
जडेजा का मारक्रम बो यान्सेन 06
रेड्डी का मारक्रम बो यान्सेन 10
वाशिंगटन का मार्करम बो हार्मर 48
कुलदीप का मार्करम बो यान्सेन 19
बुमराह का वेरेन बो यान्सेन 05
मोहम्मद सिराज नाबाद 02

गेंदबाजी : यानसेन 19 .5-5-48-6, मुल्डर 10-5-14-0, महाराज 15-1-39-1, हार्मर 27-6-64-3, मार्करम 10-1-26-0, मुथुसामी 2-0-2-0

दक्षिण अफ्रीका

26/0 (दूसरी पारी) (8 ओवर)

रेयान रिकेल्टन नाबाद 13
ऐडन मारक्रम नाबाद 12

गेंदबाजी : बुमराह 3-0-13-0, सिराज 3-1-8-0, जडेजा 1-0-2-0, कुलदीप 1-0-2-0

पंत अगर सही शॉट खेलता तो अलग बात होती : यान्सेन

ऋषभ पंत को मार्को यान्सेन के खिलाफ खराब शॉट चयन के लिए काफी आलोचना झेलनी पड़ रही है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज का मानना है कि अगर इस स्टार विकेटकीपर ने सही शॉट खेला होता तो शायद इस तरह की बात नहीं हो रही होती। पंत ने यान्सेन के खिलाफ तब जोखिम उठाया जब भारतीय टीम 102 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। यान्सेन ने शॉर्ट गेंद फेंकी जो पंत के शरीर की तरह आई और उनके बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के दस्तानों में चली गई। यानसेन को एहसास हो गया था कि ना तो हवा से मदद मिल रही है और ना ही सतह से मूवमेंट मिल रही है।

कई बार आप योजनाओं को सही तरह से लागू नहीं कर पाते : वॉशिंगटन

गुवाहाटी, एजेंसी

वॉशिंगटन सुंदर और मार्को यान्सेन में सोमवार को एक बात समान थी। दोनों का मानना है कि ऋषभ पंत की रणनीति अच्छी थी लेकिन उसे लागू करने में थोड़ी कमी रही। भारत के कार्यवाहक कप्तान पंत जब सात रन बनाकर खेल रहे थे तब यान्सेन की शॉर्ट गेंद पर विकेटकीपर को कैच दे बैठे जो तीसरे दिन के खेल के दौरान चर्चा का विषय बना रहा।

इससे पहले ध्रुव जुरेल ने भी इसी तेज गेंदबाज के खिलाफ गैरजरूरी पुल शॉट खेलकर मिड ऑन पर कैच थमाया। समान सवाल पर यान्सेन जैसा ही जवाब देते हुए वॉशिंगटन ने कहा किसी और दिन गेंद स्टैंड में चली जाती और हम सब तारीफ करते और ताली बजाते। ऐसा ही होता है। कभी-कभी आपको उनकी योजना और कौशल का समर्थन करना होता है। उन्होंने कहा यह देखते हुए कि उन्होंने पहले भी बहुत सारे उदारहण पेश किए हैं। मुझे लगता है कि यह सिर्फ उनके कौशल का समर्थन करने के बारे में है। जाहिर है कि योजना को उस तरह लागू नहीं किया जा सकता जिस तरह हम चाहते थे। भारत के बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहने के बावजूद वॉशिंगटन ने कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। उन्होंने कहा यह बहुत अच्छा विकेट है। आपको इस तरह के विकेट पर अधिक बल्लेबाजी करने को नहीं मिलती, विशेषकर भारत में। सच कहूं तो यह एक जीवंत विकेट है। अगर आप क्रीज पर समय बिताओगे तो रन बनाओगे।

वॉशिंगटर का यह जवाब ध्रुव जुरेल और पंत को शायद पसंद नहीं आए जो खराब शॉट खेलकर आउट हुए। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि जब यानसेन गेंदबाजी कर रहे थे तो असमान उछाल था। वाशिंगटन ने कहा बिल्कुल भी असमान उछाल नहीं था। जाहिर है वह सबसे लंबा है और उसे गुड लेंथ पर थोड़ा तेज उछाल मिलता है। हम ऐसे गेंदबाजों के खिलाफ काफी खेले हैं। उन्होंने कहा बस किसी और दिन हम उन्हीं गेंदों पर बहुत बेहतर बल्लेबाजी करते तो चीजें बिल्कुल अलग होतीं।

वॉशिंगटन ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। पिछले टेस्ट में वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे जबकि यहां आठवें नंबर खेलते हुए वह सबसे सहज नजर आए। यह पूछने पर कि क्या क्रम बदलने से असहज होते हैं, वॉशिंगटन ने कहा बिल्कुल नहीं। सच कहूं तो मैं ऐसा क्रिकेटर बनना चाहता हूं जो टीम की जरूरत के हिसाब से आगे आए और जहां भी टीम चाहे वहां बल्लेबाजी और गेंदबाजी करे। मुझे तैयार रहना होगा और टीम के लिए काम करना होगा। मेरी मानसिकता ऐसी ही है। उन्होंने कहा मैं चाहे किसी भी स्थिति में रहूं। मुझे अलग-अलग भूमिका भी निभाने को मिलती है। मुझे नहीं लगता कि बहुत लोगों को यह मौका मिलता है इसलिए यह सिर्फ रोमांचक है।

भारत ने ढाका में महिला कबड्डी विश्व कप जीता

ढाका । भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सोमवार को चीनी ताइपै को 35 . 28 से हराकर लगातार दूसरा विश्व कप खिताब जीत लिया। भारत 11 देशों के टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टीम को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा भारतीय महिला कबड्डी टीम को विश्व कप 2025 जीतकर देश को गौरवान्वित करने के लिये बधाई।

उन्होंने जबर्दस्त कौशल, प्रतिबद्धता और दृढ़ता का प्रदर्शन किया। उनकी जीत से अनगिनत युवाओं को कबड्डी खेलने, बड़े सपने देखने और ऊंचे लक्ष्य तय करने की प्रेरणा मिलेगी। भारत ने सेमीफाइनल में ईरान को 33-21 से हराया था। दूसरी ओर चीनी ताइपै ने बांग्लादेश को 25-18 से मात दी थी।

गृहमंत्री अमित शाह ने टीम को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा हमारी महिला कबड्डी टीम ने इतिहास रचा जो गर्व का पल है। पूरी टीम को महिला कबड्डी विश्व कप जीतने पर बधाई। आपकी शानदार जीत ने फिर साबित कर दिया कि भारत की खेल प्रतिभायें शिखर पर क्यो हैं। भविष्य के लिये शुभकामनाए।

पीएम मोदी ने दृष्टिबाधित महिला टीम की सराहना की

नई दिल्ली, एजेंसी

- **पहला टी-20 विश्व कप जीतकर भारत का नाम किया रौशन**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को पहला टी-20 विश्व कप जीतने पर बधाई देते हुए सोमवार को कहा कि यह जीत टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का शानदार उदाहरण है।

भारत ने रविवार को कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट जीता। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रन पर रोक दिया और फिर 12 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया।

मोदी ने अपने एक्स पेज पर लिखा पहला दृष्टिबाधित महिला टी-20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को बधाई। इससे भी अधिक सराहनीय बात यह है कि वे टूर्नामेंट में अजेय रहीं।

उन्होंने कहा यह वास्तव में एक ऐतिहासिक खेल उपलब्धि है। यह कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का शानदार उदाहरण है। प्रत्येक खिलाड़ी एक चैंपियन है। टीम को भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं। उसकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

श्रीकांत व प्रणय की नजरें सैयद मोदी इंटरनेशनल में वापसी पर

लखनऊ, एजेंसी

सीनियर बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत और एचएस प्रणय इस सत्र का अंत जीत के साथ करना चाहेंगे लेकिन उन्हें मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा जो शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने के लिए तैयार हैं।

इस 240,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता की चमक भी कुछ कम हो गई है, क्योंकि अमेरिकी ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेने के बाद अंतिम समय में इस प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया। पूर्व चैंपियन श्रीकांत को मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता बनकर नई ऊर्जा मिली थी, लेकिन वह उस लय को बरकरार नहीं रख पाए। अब घरेलू धरती पर होने वाले टूर्नामेंट से उन्हें साल का अंत सकारात्मक तरीके से करने का एक और मौका मिलेगा। प्रणय भी जीत हासिल करने के लिए बेताब हैं। उन्होंने हाल में जापान मास्टर्स और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था लेकिन वहां अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। वह अब घरेलू दर्शकों के सामने अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांचवीं वरीयता प्राप्त श्रीकांत का पहला मुकाबला मीराबा लुवांग मैसनाम से जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त प्रणय का सामना पहले दौर में कविन थंगम से होगा। सभी की निगाहें छठे वरीय थारुण मन्नेपल्ली पर भी होंगी, जो सतीश कुमार करुणाकरण से भिड़ेंगे, जबकि एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम भी मनराज सिंह के खिलाफ अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। मिथुन मंजूनाथ का मुकाबला कजाकिस्तान के दिमित्री पानारिन से होगा।

मेदवेदेव और बोपन्ना डब्ल्यूटीएल में एक ही टीम में

बेंगलुरु। रूस के स्टार खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव और अनुभवी भारतीय रोहन बोपन्ना 17 से 20 दिसंबर तक यहां होने वाली विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के लिए एक ही टीम में खेलेंगे जबकि सुमित नागल उस टीम का हिस्सा हैं जिसमें दुनिया के पूर्व नंबर छह खिलाड़ी गेल मोनफिल्स शामिल हैं।

निक किर्गियोस और कनाडा के स्टार डेनिस शापोवालोव भी चार टीम की इस फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र होंगे। एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में होने वाले 2025 सत्र में चार टीम में 16 अंतरराष्ट्रीय और भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे। यह टूर्नामेंट तीन सत्र के बाद पहली बार यूएई के बाहर आयोजित हो रहा है।

साक्षात्कार | ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी ने प्रदर्शन में निरंतरता लाने के दिए टिप्स

खिलाड़ियों की फिटनेस बेहतर होनी चाहिए : साइना

नई दिल्ली, एजेंसी

ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने पीटीआई से बातचीत में बताया कि मौजूदा पीढी के लिये चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नयी जमात में आक्रामकता का अभाव है।

लीजैंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिये शहर में आई साइना ने कहा हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमे सात्विक . चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हमे नतीजे चाहिये। उन्होंने कहा उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए। अगर शरीर सौ फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिये शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा। साइना ने कहा विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है। लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया।

साइना ने कहा जीत तो जीत है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है। उन्होंने कहा उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी।

लक्ष्य सेन हैं सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी

खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है। वह इस समय हमारा सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी है लिहाजा अतिरिक्त दबाव है लेकिन वह अच्छा खेल रहा है। साइना और पी वी सिंधू ने कम उम्र से ही अंतर्राष्ट्रीय खिताब जीतने शुरू कर दिये थे लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा पीढी की खिलाड़ी उस तरह का प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। साइना ने कहा शायद इस पीढी में आक्रामकता कम है। मैं और सिंधू अधिक आक्रामक और ताकतवर थे।